नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 4 मार्च 2024 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 07 • अंक : 304 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1788 : पश्चिम बंगाल में कलकत्ता गजट का पहला प्रकाशन हुआ।

1921 : हिंदी के लोकप्रिय साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु का जन्म।

1930 : फ्रांस में आयी भयंकर बाढ़ से करीब 700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

1951 : नयी दिल्ली में पहले एशियाई खेलों का आयोजन किया गया।

1977 : रोमानिया में आये जबरदस्त भूकंप से लगभग 1541 लोगों की मौत हुई।

गढ़वा के नवनिर्मित समाहरणालय भवन सहित कई परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने गढ़वा जिले में रविवार को नवनिर्मित समाहरणालय भवन, बिरसा मुंडा पार्क, अंतर -राज्यीय बस अड्डा और बहुउद्देशीय नीलाम्बर- पीताम्बर सांस्कृतिक भवन लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाहरणालय भवन परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बिरसा मुंडा पार्क में भगवान बिरसा मुंडा और नीलांबर-पीतांबर सांस्कृतिक भवन के प्रांगण में अमर शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर की नव स्थापित प्रतिमा का भी अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने रंका मोड़ पर बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री के गढ़वा कार्यक्रम के दौरान उनके साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर, लातेहार विधायक वैजनाथ राम और मनिका विधायक रामचंद्र सिंह उपस्थित थे। खराब मौसम की वजह से मुख्यमंत्री को रांची से सड़क मार्ग से गढ़वा आना पड़ा। इसके कारण वे निर्धारित कार्यक्रम में समय से साढ़े चार घंटे लेट अपराह्न 4.30 बजे वे गढ़वा पहुंचे। मुख्यमंत्री के गढ़वा पहुचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पारंपरिक झारखंडी गीत व नृत्य से उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री समय की कमी के कारण बिना जनसभा को संबोधित किये रांची रवाना हो गये।

विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष बने आमिर सुबहानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को नीतीश सरकार ने नई जिम्मेवारी दे दी है। राज्य सरकार ने आमिर सुबहानी को बिहार विद्युत विनियामक आयोग का अध्यक्ष बना दिया है। इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दिया गया है। सुबहानी अब अगले पांच वर्ष या 65 साल की उम्र तक इस पद पर बने रहेंगे। सरकार की तरफ से जारी की गई अधिसूचना 4 मार्च से प्रभावी होगी। उनकी सैलरी दो लाख 25 हजार रुपये होगी। मुख्य सचिव पद से वीआरएस लेने वाले आईएएस आमिर सुबहानी अप्रैल में रिटायर्ड होने वाले थे। रिटायरमेंट से पहले ही उन्होंने वीआरएस के लिए सरकार को आवेदन दिया, जिसको मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंजूरी दे दी। कयास लगाया जा रहा था कि आमिर सुबहानी को बीपीएससी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अतुल प्रसाद के रिटायरमेंट के बाद यह पद खाली है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब उन्हें विद्युत नियामक आयोग में जगह दे दी गई है। बता दें आमिर सुबहानी के वीआरएस ले लिए जाने के बाद 1989 बैच के आईएएस अधिकारी ब्रजेश मेहरोत्रा को राज्य का मुख्य सचिव बनाया गया है। फिलहाल वह राजस्व व भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित थे। इसके साथ ही 1990 बैच के आईएएस अधिकारी चैतन्य प्रसाद विकास आयुक्त बनाए गए हैं। वर्तमान में वह जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर तैनात हैं। चैतन्य प्रसाद अगले आदेश तक अध्यक्ष-सह-सदस्य, राजस्व पर्षद और अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे।

डाक विभाग और बीआईए मिलकर बिहार के उद्यमियों की करेंगे मदद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। डाक विभाग और बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीआईए) मिलकर अब बिहार के उद्यमियों को मदद करने के लिए काम करेगा। इसके तहत दोनों के बीच जल्द समझौता होगा। डाक विभाग के निर्यात केंद्र से बिहार के उद्यमियों को जोड़ा जाएगा। मिथिला पेंटिंग से बने उत्पाद, कृषि उत्पाद, पारंपरिक कला और शिल्प से बने उत्पाद, कपड़े आदि का कारोबार कर रहे उद्यमियों को बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की मदद से चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद डाक निर्यात केंद्र से जोड़कर उनके उत्पादों को विदेशी बाजार तक पहुंचाया जाएगा। डाक निर्यात केंद्र से उत्पाद विदेशों में भेजने के लिए उद्यमियों को कस्टम क्लियरेंस के लिए बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे उद्यमियों को और भी सहूलियत होगी। कस्टम क्लियरेंस भी डाक विभाग में ही हो जाएगा। पहले कस्टम क्लि यरेंस के लिए कोलकाता जाना पड़ता था। कागजी प्रक्रिया से लेकर कस्टम क्लियरेंस की प्रक्रिया सभी डाक विभाग के कर्मचारियों की ओर से ही पूरी की जाएगी। डाक निर्यात केंद्र की मदद से उद्यमी या व्यापारी 35 किलोग्राम तक के वजन के पार्सल को विदेशों में भेज सकेंगे। इसके लिए उद्यमियों को डाक विभाग का भी चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उद्यमी घर बैठे लिंक पर जाकर अपना पंजीयन, केवाईसी और अनिवार्य दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद डाक विभाग के कर्मचारी उद्यमी के घर से पार्सल का संग्रह करेंगे। डाक विभाग में पार्सल के पैकेजिंग, लेबलिंग का जिम्मा डाक विभाग का होगा। उद्यमियों को सामान के वजन के हिसाब से ही शुल्क का भुगतान करना होगा।

भारतीय डाक

India Post

आसनसोल से लोस चुनाव नहीं लड़ेंगे पवन सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भोजपुरी गायक पवन सिंह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा- भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को दिल से आभार, लेकिन किसी कारणवश मैं आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा। इस बीच पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें दिल्ली बुलाया है। भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को 195 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की। इसमें पवन सिंह को हिन्दी भाषी आसनसोल सीट से प्रत्याशी बनाया गया था। कभी भाजपा में रहे शत्रुघ्न सिन्हा फिलहाल यहां से टीएमसी के सांसद हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों की लगाई क्लास

अगले पांच वर्षों के लिए कार्य योजना पर मंथन

विकसित भारत के रोडमैप पर पीएम ने की चर्चा, दिए अहम निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने सभी से विवादित बयान देने से बचने की सलाह दी। जबकि डीप फेक पर भी उन्होंने चिंता जताते हुए सतर्क रहने की सलाह दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि योजनाओं पर बोलें, लेकिन विवादित बयान देने से बचें। इसके उन्होंने मंत्रियों से कहा कि आप जो भी बोलें, सोच-समझकर ही बोलें। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर से डीप फ़ेक को लेकर चिंता जताई और मंत्रियों से इसका शिकार होने से बचने का निर्देश दिया। पीएम मोदी ने कहा, डीप फ़ेक से सतर्क रहें। नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद के साथ विकसित भारत 2047 के विजन दस्तावेज और अगले 5 वर्षों के लिए विस्तृत कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया। सूत्रों के मुताबिक बैठक में 'विकसित भारत 2047' के लिए विजन डॉक्यूमेंट और अगले पांच वर्षों के लिए विस्तृत कार्य योजना पर मंथन किया गया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मई 2024 में नई सरकार के गठन के बाद योजनाओं पर तत्काल कदम उठाने के लिए सौ दिवसीय एजेंडे पर भी चर्चा की गई। विकसित भारत के रोडमैप को तैयार करने में दो साल से ज्यादा का समय लगा। इसमें सभी मंत्रालयों और राज्य सरकारों, शिक्षाविदों, उद्योग निकायों, नागरिक समाजा और वैज्ञानिक संगठनों के साथ व्यापक चर्चा और युवाओं के विचारों व सुझावों को शामिल किया गया। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर 2700 से ज्यादा बैठकें, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए गए। 20 लाख से ज्यादा युवाओं से सुझाव मिले। 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों में आर्थिक विकास, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), जीवन में आसानी, व्यापार करने में आसानी, बुनियादी ढांचा, सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मंत्रिपरिषद ने विकसित भारत 2047 के लिए विजन डॉक्यूमेंट के साथ-साथ नई सरकार के गठन के बाद त्वरित कार्यान्वयन के लिए तत्काल कदमों के 100 दिवसीय एजेंडे पर भी चर्चा की।

शौचालय की टंकी में गिरने से तीन बच्चियों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

किशनगंज। शनिवार की रात एक दर्दनाक हादसे में तीन मासूमों की मौत हो गयी। घटना जिले के बहादुरगंज नगर के बाराडांगा गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार बच्चे खेलने के दौरान इस हादसे का शिकार बन गए। टंकी का ढक्कन टूट गया और तीनों बच्चियां टंकी में गिर गयीं। मृतकों में दो सगी बहनें बतायी जा रही हैं जबकि एक बच्ची पड़ोस की रहने वाली है। मिली जानकारी के अनुसार तीनों शनिवार की देर शाम को अपने घर के बाहर खेल रही थीं। लेकिन जब वो अपने-अपने घर वापस नहीं लौटीं तो परिजनों ने उनकी खोज शुरू की। खोजबीन के दौरान परिजनों को तीन बच्चियों के शव टंकी में होने की सूचना मिली। इसके बाद आनन-फानन में सभी टंकी की तरफ गए। तीनों बच्चियों को बाहर निकाला गया लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को भी इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि टंकी का ढक्कन टूट जाने से तीनों बच्चियां गिर गयीं और उनकी जान चली गयी।

जन विश्वास महारैली के जरिए 'इंडिया' गठबंधन ने दिखाई एकजुटता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रविवार को पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास महारैली का आयोजन हुआ, जिसमें राजद के अलावा कांग्रेस, भाकपा माले, समावादी पार्टी एवं इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। बारिश के बीच भी गांधी मैदान में महागठबंधन के कार्यकर्ता डटे रहे। लालू ने 25 मिनट तक भाषण दिया। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने कहा कि मोदी परिवारवाद पर बोलते हैं, उनके पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं। मां की मौत के बाद उन्होंने दाढ़ी, बाल क्यों नहीं बनवाया। मोदी देश में नफरत फैला रहे हैं। नीतीश पर लालू ने कहा कि हमने कोई गाली गलौज नहीं किया। पहली बार जब यहां से निकले तब कोई गाली नहीं दिया। यही कहा कि पलटू राम हैं। नहीं पलटना चाहिए, लेकिन दोबारा गलती हो गई। राजद सुप्रीमो ने कहा कि तेजस्वी यादव जन विश्वास रैली में बिहार के कोने-कोने में गए थे। तेजस्वी आपसे यही अपील कर रहे थे कि 3 तारीख को गांधी मैदान में आइए, पापा ने बुलाया है। आप आए, खुशी है। पिछड़े और दलितों को मिलकर मेहनत करना है। 1990 में लोकतंत्र में वोट के अधिकार से गरीब को दूर रखा जाता था। हमने गरीबों को ताकत दी। इसी गांधी मैदान में सभी छोटी-छोटी जातियों का सम्मेलन कराया। बिहार ही नहीं देशभर में गरीबों को अधिकार दिलाने के लिए मंडल कमीशन लागू कराया। जिसका नतीजा हुआ कि आज कोई बड़ा आदमी गरीबों को आंख नहीं दिखाता। रैली में राहुल गांधी ने कहा कि देश में जब भी बदलाव आता है, तो बिहार में तूफान शुरू होता है। बिहार देश की राजनीति का नर्व सेंटर है। पीएम 2-3 लोगों के लिए ही काम करते हैं। आगे कहा कि ज्यादा नहीं बोलूंगा, लालू जी को बोलना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी झूठे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि ये वही गांधी मैदान है, जहां से हमने 2 लाख नौकरियां बांटी। आज सरकार अपने नाम पर पोस्टर लगवा रही है। नीतीश कुमार को उन्होंने पलटीमार बताया। साथ ही पीएम मोदी को भी जवाब दिया। पिता के काम का जिक्र नहीं करने वाले बयान पर कहा कि लालू यादव ने रेलवे को मुनाफा पहुंचाया, आपने निजीकरण किया। महागठबंधन की जनविश्वास रैली में यूपी के पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, सीपीआई नेता डी. राजा, सीताराम येचुरी, केसी वेणुगोपाल समेत कई नेता शामिल हुए। सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि लालू के राज में गरीब रैला और लाठी रैला हुआ था तो दिल्ली तक आवाज गई थी। अब एक बार फिर रैली हुई है। जब भी पाटलिपुत्र से आवाज निकलती है, इंद्रप्रस्थ में सत्ता बदलती है। यह एक शुभ संदेश है, इसकी आवाज पूरे देश तक जाएगी। एक तरफ से बेरोजगारी दूसरी तरफ से महंगाई। एक कट्टरपंथी, हिंसावादी, नफरतवादी हुकूमत की तरफ वो बढ़ रहे हैं। अब अगर इस पर नियंत्रण नहीं लगा, तो देश में लोकतंत्र समाप्त हो जायेगा। दीपांकर भट्टचार्य ने कहा कि बीजेपी को अपना चिन्ह बदल कर कमल की जगह बुल्डोजर कर देना चाहिए। अब बुल्डोजर राज नहीं चलेगा। यह सरकार अंबानी-अडाणी के सामने कालीन की तरह बिछ जाती है, लेकिन जब किसान दिल्ली आना चाहते हैं, तो सड़क पर कील ठोक दिए जाते हैं। तेजस्वी ने दो टूक कहा कि 2024 में जदयू खत्म हो जाएगी। उनके गठबंधन में एक तरफ फिरका परस्त दूसरी तरफ मौका परस्त हैं। अपने 21 मिनट के भाषण में तेजस्वी ने जनता से यह भी पूछा कि आप लोग तेजस्वी से प्यार करते हो तो मेरा एक काम कीजिएगा। गरीबों को जोड़ने का काम कीजिए, दलित के सुख-दुख में भागीदार बनिए। आपके साथ हम भी रहेंगे। साथ-साथ मिल कर काम करेंगे।

महाशिवरात्रि पर 300 साल बाद बन रहा दुर्लभ योग

शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि और चर्तुग्रही योग में होगी पूजा; जानें शुभ मुहूर्त

पटना, एजेंसी। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस साल शिवरात्रि 8 मार्च को मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर इस बार 300 साल बाद खास त्रिकोण योग बन रहा है।

यह शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और चर्तुग्रही योग का दुर्लभ संयोग है। इसके साथ ही शुक्रवार दिन होने के कारण शुक्र प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। इस दुर्लभ योग और शुभ अवसर पर भगवान शंकर की पूजा करने से भक्तों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

निशिता काल महाशिवरात्रि का आठवां काल है

ज्योतिषाचार्य मोहन ने बताया कि इस दिन कुंभ राशि पर शनि मूल त्रिकोण में बैठे हैं। इसके साथ सूर्य, चंद्रमा और शुक्र भी विराजमान है। इसके चलते चतुग्रही योग बन रहा है। महाशिवरात्रि के लिए निशिता काल पूजा का मुहूर्त चतुर्दशी तिथि में होना आवश्यक है। रात्रि का आठवां काल निशिता काल कहलाता है। रात्रि 9:58 बजे से 12:31 मिनट तक निशिता काल रहेगा। महाशिवरात्रि के दिन शहद से शिवलिंग का अभिषेक करना शुभ होता है। गन्ने के रस से शिव का अभिषेक करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

शिवरात्रि पूजा का शुभ मुहूर्त

पहला प्रहर- 8 मार्च को शाम 6:25 बजे से रात 9:28 बजे तक

दूसरा प्रहर- रात 9:28 से 12:31 बजे तक

तीसरा प्रहर- रात 12:31 बजे से 3:34 बजे तक

अंतिम प्रहर- सुबह 3:34 बजे से सुबह 6:37 बजे तक

संक्षिप्त समाचार

शादी के पूर्व लड़की गायब

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी के दस दिन पूर्व लड़की फरार होने का मामला सामने आया है। खोजबीन करने पर जब लड़की का कोई सुराग नहीं मिला तो लड़की के पिता ने थाने में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। दिए गए आवेदन में लड़की के पिता ने बताया है कि लड़की अपने मां और बहन के साथ नंबर लगाने के लिए एक निजी क्लीनिक में गई हुई थी। जहां नंबर लगाने के लिए लड़की की मां और बहन क्लीनिक की अंदर चली गई है और वह बाहर में थी। जब दोनों नंबर लगाकर वापस आया तो देखा की लड़की वहां नहीं थी। काफी खोज भी किया लेकिन कहीं लड़की का पता नहीं चला। लड़की के पिता ने लड़की की सुरक्षित बारामदी को लेकर थानाध्यक्ष से गुहार लगाया है।मामले को लेकर थानाध्यक्ष प्रियरंजन ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे कि कार्रवाई की जा रही है।

नशे में हंगामा कर रहे चार शराबी गिरफ्तार

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। बाथ थाना अंतर्गत ऊंचागांव में आपके नशे में ड्यूटी कर शराबी को हंगामा करते देख बाथ थाना उठाकर थाना लाया। जहां चारो का मेडिकल कराए जाने पर गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार झा ने बताया कि गिरफ्तार शराबी सन्नी,सुधीर, चिंटू, विकास को न्यायालय भेजा गया है। रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ ने विभिन्न आरोपों में 9 यात्री को गिरफ्तार किया। आरपीएफ ने बताया कि चार यात्री ट्रेन के लगेज बोगी में बैठकर अनाधिकृत सफर कर रहा था। जिसे गिरफ्तार कर पीआर मुक्त करते हुए रेलवे न्यायालय में उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं गंदगी फैलाने के आरोप में पकड़े गए चार यात्री को कॉमर्शियल से फाइन करा कर पोस्ट पर से मुक्त किया गया।

फतुहा में अपराधियों ने युवक को मारी गोली, मौत

पटना, एजेंसी। पटना के फतुहा में फोरलेन आरओबी से पहले सड़क किनारे एक 25 वर्षीय युवक को गोली मार दी गई। इससे उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। खून से लथपथ हालत में युवक की लाश मिली है। इसे पुलिस ने एनएमसीएच भेजवा दिया है, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।शनिवार की देर रात गोली मारी गई है। सभी अपराधी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। यह घटना फतुहा दनियावां स्टेट हाइवे फोर लेन आरओबी के ठीक पहले की है। घटना की सूचना फतुहा थाने को स्थानीय लोगों ने दिया। सूचना मिलते ही पहले तो 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज भी मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एनएमसीएच भेज दिया है। पुलिस छानबीन में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है, ताकि अपराधियों का पता लगाया जा सके।

चाचा ने भतीजे को मारी गोली, हालत गंभीर, जमीन विवाद को लेकर हुई फायरिंग

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद जमीनी विवाद में चाचा ने भतीजे को गोली मार कर दिया। घटना शनिवार की देर रात्रि मखदुमपुर थाना क्षेत्र के तरहुआ वाला विगहा गांव की है। घायल युवक तरहुआ विगहा निवासी गणेश महतो का पुत्र धर्मराज कुमार बताया जाता है। जानकारी के अनुसार गणेश महतो का अपने भाइयों से जमीनी विवाद चल रहा है। एक भाई मकान बना रहा था, दीवार बनता देख भतीजा धर्मराज अपने चाचा को रोकने गया। पहले तो दोनों में कहासुनी हुई। फिर फायरिंग होने लगी। गोलबारी में भतीजे के पेट में गोली लग गई। घायल युवक को रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। थाना अध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गोलीबारी की घटना जमीनी विवाद के कारण हुई है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति घर छोड़कर फरार हो गया है।

मुजफ्फरपुर में चलती बस में आग, 54 लोग बाल-बाल बचे

महागठबंधन की रैली में शामिल होने पटना आ रहे थे समर्थक, शॉर्ट सर्किट से हादसा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में चलती बस आग लग गई थी। इस बस में 54 लोग सवार थे। जो महागठबंधन की रैली में शामिल होने के लिए बस से पटना आ रहे थे। रात करीब 9 बजे बस पश्चिम चंपारण से खुली थी। रात 11 बजे मुजफ्फरपुर के मोतीपुर थाना क्षेत्र के नारियार पहुंची। तभी बस में शॉर्ट-सर्किट के कारण चिंगारी निकलने लगी, लेकिन इसकी भनक चालक को नहीं लगी। वो वाहन चलाता रहा। कुछ देर बाद चिंगारी आग की लपटों में बदल गई। घुआं निकलने लगा। धुआं देख सभी डर गए। आनन-फानन में बस पर सवार सभी समर्थक नीचे उतरे। जिसके बाद चालक ने बस को सड़क किनारे लगा दिया।

दमकल की गाड़ी आने से पहले बस पूरी तरह जली : समर्थकों और स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की काफी कोशिश की, पर कोई फायदा नहीं हुआ। आग की लपटें और तेज होती गई। स्थानीय लोगों ने मोतीपुर थाना की पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। जब दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची तब तक बस पूरी तरह से जल गई। घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ। सभी समर्थक सुरक्षित हैं।

किसी को नुकसान नहीं हुआ

मोतीपुर थाना अध्यक्ष राजन कुमार पांडेय ने बताया कि पटना में रैली में शामिल होने के लिए एक बस जा रही थी। जिसमें 54 समर्थक बैठे हुए थे। अचानक बस में आग लग गई। जिस कारण बस पूरी तरह जल कर राख हो गई। किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हादसे के बाद राजद समर्थकों को दूसरी बस से पटना के लिए रवाना किया गया।

अचानक टूटा टंकी का ढक्कन, तीनों गिरे

किशनगंज में शौचालय की टंकी में डूबने से 3 बच्चियों की मौत

किशनगंज, एजेंसी। बिहार के किशनगंज में शनिवार रात शौचालय की टंकी में डूबने से तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि तीनों खेल रही थी। इस दौरान टंकी का ढक्कन टूट गया। इस वजह से तीनों बच्चियां टंकी में गिर गईं। मरने वाले में दो सगी बहनें और एक पड़ोसी की बच्ची शामिल हैं। घटना जिले के बहादुरगंज नगर के बाराडांगा गांव की है। दरअसल तीनों बच्चियां शनिवार देर शाम घर के बाहर ही खेल रही थीं। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं आई तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान बच्चियों की शव टंकी में मिलने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में तीनों के शव निकाले। वहीं, किशनगंज एसडीपीओ गौतम कुमार, बहादुरगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन, नव कार्यपालक पदाधिकारी मो.रहमान, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि वसीकुर रहमान अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रशासन मामले की जांच में जुट गए है।

मृतक बच्चों की पहचान : मृतक बच्चों की पहचान बाराडंगा के ही रहनेवाले अजमल आलम के बेटी छोटी प्रवीण (10) और अकबर आलम के दो बेटियां आयात परवीन(7) और सीमा प्रवीण(4) के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बच्चियों के शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, बच्चों के शव मिलने के परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चों की मौत की खबर सुन पूरे गांव में मातम का माहौल है।

क्या कहती पुलिस : बहादुरगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बहादुरगंज थाना की पुलिस और एसडीपीओ भी पहुंचे शौचालय का ढक्कन टूटकर गिरने से बच्चों की मौत होने का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

शिव की आराधना में उमड़े लोग

भागलपुर, एजेंसी। भगवान शिव की आराधना के लिए रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शिवरात्रि के पूर्व बाबा बूढ़ानाथ भक्त मंडल की ओर से गोशला से निशान शोभायात्रा निकाली गयी है। शोभायात्रा अभी कोतवाली चौक के पास पहुंची है। जो स्टेशन चौक, वेरायटी चौक, खलीफाबाग चौक होते हुए बूढ़ानाथ मंदिर पहुंचेगी।

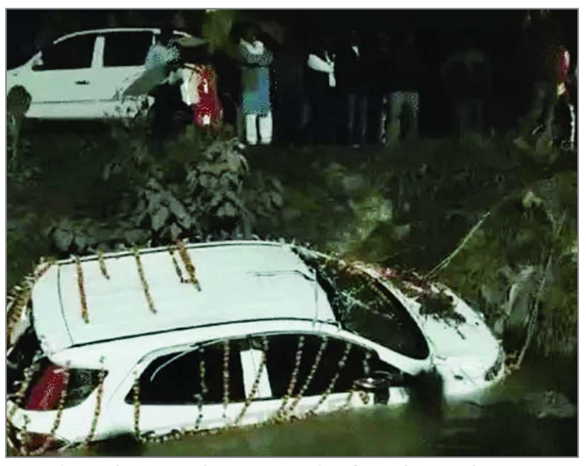

दूल्हे की गाड़ी नहर में गिरी, शीशा तोड़कर निकाला गया

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में बारात जा रही दूल्हे की गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। गाड़ी में सवार दूल्हे सहित पांच लोग को शीशा तोड़ कर बाहर निकाला गया। दूल्हे की गाड़ी अनियंत्रित हो कर नहर में जा गिरी। ग्रामीणों के सहयोग से सभी को बाहर निकाला गया। सभी को हल्की छोटे आई हैं। घटना केसरिया थाना क्षेत्र के राजपुर-कोटवा रोड की है। घटना के संबंध ने गाड़ी चला रहे ड्राइवर अनमोल कुमार ने बताया कि मुजफ्फरपुर जिला के साहेबगंज स्थित बालथी गांव से बारात लेकर कोटवा थाना क्षेत्र के चितरीया जा रहा थे। गाड़ी में दूल्हा समेत पांच लोग सवार थे। इसी दौरान केसरिया थाना क्षेत्र के राजपुर कोटवा रोड में हाजीपुर टर्निंग के समीप मोटरसाइकिल सवार को बचाने के दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।

दूसरी गाड़ी से शादी करने गया दूल्हा : नहर में गाड़ी पलटने के बाद पानी के तेज बहाव में कार बहने लगी और कार में सवार लोग शोर मचाने लगे। तब तक पीछे से आ रही बारात की अन्य गाड़ियां भी पहुंची। सभी ने शोर मचा कर स्थानीय ग्रामीण से मदद मांगी, फिर सभी ने मिल कर पानी में बह रहे कार को काफी मशक्कत के बाद रोका। फिर शीशा तोड़कर दूल्हा समेत गाड़ी में सवार पांचों लोगों को बाहर निकाला। फिर दूल्हा को दूसरी गाड़ी से लड़की वालों के यहां भेजा गया।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बहन की मौत, भाई जख्मी

स्टेट हाईवे से होते दोनों पैदल लौट रहे थे घर, आक्रोशितों ने की मुआवजे की मांग

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में भीषण सड़क हादसा हुआ है। स्कॉर्पियो ने सड़क पर पैदल चल रहे भाई-बहन को कुचल दिया। दोनों अपने घर लौट रहे थे। हादसा में मौके पर ही 18 वर्षीय बहन की मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय भाई की हालत काफी नाजुक है। बच्चे को स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने तस्ष्ट॥ पूर्णिया में एडमिट कराया है। घटना के नगर थाना क्षेत्र के पूर्णिया-धमदाहा स्टेट हाईवे की है।

पुलिस के पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ

भाई-बहन की पहचान के नगर थाना क्षेत्र के गणेशपुर पंचायत वार्ड-13 निवासी सदरे आलम की बेटी मुन्नी खातून (18) और मो. एतवारी (12) के रूप में हुई है। हादसे के बाद से घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची के नगर थाने की पुलिस ने किसी तरह लोगों को शांत कराया। आक्रोशित परिजन मुआवजे की मांग पर अड़े थे।

रात 10 बजे निकले थे दोनों

परिजनों ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे दोनों भाई-बहन के नगर के काझा बड़ी नहर पुल से होते हुए घर लौट रहे थे। 100 मीटर दूर पूर्णिया-धमदाहा स्टेट हाइवे पर एक कार रौंदती हुई निकल गई। घटना में 18 वर्षीय बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय भाई की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। आक्रोशित परिजन शव के साथ एसएच पर बैठ गए। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही के नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद किसी तरह परिजनों का गुस्सा शांत कराया। आक्रोशित परिजनों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है।

पटना, बेगूसराय समेत कई जगह बारिश, 26 जिलों में यलो अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में पिछ्ले एक हफ्ते से मौसम लगातार सामान्य बना हुआ था। आज इसमें बदलाव देखने को मिलेगा। पटना, लखीसराय, बेगूसराय, सासाराम, भोजपुर में अहले सुबह से बारिश हो रही है। राजधानी के बोरिंग रोड, कंकड़बाग, पाटलिपुत्रा इलाके में अभी बूंदाबांदी हो रही है। बेतिया और भागलपुर में हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 26 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जिलों में ओलावृष्टि और तेज हवा को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार आज पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, नवादा, शेखपुरा, नालंदा, गया, जहानाबाद, पटना, अरवल, औरंगाबाद, भोजपुरी, रोहतास, बक्सर और कैमूर में बारिश, मेघगर्जन के साथ वज्रपात का भी पूर्वानुमान है। वहीं, इसके साथ ही भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद और गया में ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। इस दौरान राज्य के दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-मध्य भागों के एक या दो स्थानों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेगी।

क्यों हो रहा मौसम में बदलाव : विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ अब चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मध्य अफगानिस्तान और निकटवर्ती क्षेत्रों में समुद्र तल से औसत 3.1 किमी से 12.6 किमी के बीच

स्थित है। साथ ही एक ट्रफ रेखा इस चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर अरब सागर की तरफ गुजर रही है। इसके साथ ही एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से औसत 1.5 किमी ऊपर उत्तर पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब पर स्थित है। एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण मेघालय और उसके आसपास समुद्र तल से औसत 3.1 किमी पर स्थित है। जिसके कारण से बारिश, मेघगर्जन, ओलावृष्टि, वज्रपात के लिए चेतावनी जारी कर दी गई है।

मौसम विभाग की ओर से किसानों को सलाह : विभाग ने किसानों के लिए को सलाह दी है कि अपने कटे और खुले स्थान में रखे हुए खरीफ एवं रबी फसल को सुरक्षित स्थान पर भण्डारण करने की व्यवस्था कर ले, ताकि पानी/नमी से फसल का बचाव हो सके। साथ ही रबी फसल के लिए ओलावृष्टि से बचाव के लिए उपरोक्त जिलों के लिए उपाय कर ले।

कहां कितना दर्ज किया गया अधिकतम तापमान : पिछले 24 घंटे के दौरान मधुबनी जिला सबसे गरम रहा। जहां का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस किया गया है। इसके अलावा गया का 29 डिग्री, नवादा 30 डिग्री, पटना 28.4 डिग्री, औरंगाबाद 28 दिसंबर 9 डिग्री शेखपुरा 31.5 डिग्री, खगड़िया 31.4 डिग्री। इसके अलावा अन्य जिलों का अधिकतम तापमान भी 26 डिग्री से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा है।

कहां कितना दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान : पिछले 24 घंटे के दौरान बांका सबसे ठंडा रहा, यहां का न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा गया का 11.2 डिग्री, नवादा 12 डिग्री, शेखपुरा 12.6 डिग्री, पटना 16.9 डिग्री, वैशाली 14.6 डिग्री मुजफ्फरपुर 16.7 डिग्री। इसके अलावा अन्य जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 18 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

ब्रजेश मेहरोत्रा बने बिहार के नये मुख्य सचिव, चैतन्य प्रसाद को विकास आयुक्त का जिम्मा

पटना, एजेंसी। नीतीश सरकार ने ब्रजेश मेहरोत्रा को बिहार का नया मुख्य सचिव बनाया है. शनिवार की शाम इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी. इससे पहले मुख्य सचिव के पद पर तैनात आमिर सुबहानी ने वीआरएस ले लिया था. उसके बाद ब्रजेश मेहरोत्रा को ये जिम्मेवारी सौंपी गयी है. ब्रजेश मेहरोत्रा 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. वे फिलहाल राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के साथ साथ संसदीय कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर तैनात थे. राज्य सरकार ने उन्हें 4 मार्च 2024 से बिहार का मुख्य सचिव बनाया है. इसके अलावा विकास आयुक्त के पद पर चैतन्य प्रसाद की तैनाती की गयी है. चैतन्य प्रसाद फिलहाल जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं. राज्य सरकार ने उन्हें विकास आयुक्त बनाने के साथ साथ जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी दिया है. बता दें कि बिहार सरकार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने वीआरएस ले लिया हैं. 30 अप्रैल को वे रिटायर्ड होने वाले थे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके वीआरएस के आवेदन पर अपनी मंजूरी दे दी है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक आमिर सुबहानी को बिहार विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष बनाया जा सकता है. हालांकि उनके बीपीएससी अध्यक्ष बनने की भी चर्चा हो रही है. अतुल प्रसाद के सेवानिवृत होने के बाद बीपीएससी के अध्यक्ष का पद खाली है और उसे अतिरिक्त प्रभार के सहारे चलाया जा रहा है. वहीं विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने भी वीआरएस ले लिया था.

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 03-03-2024 22:10 Page 1

अपराध की साजिश रचते हथियार सहित पांच धराए

पढ़ाई की उम्र में अपराध का शौक

सभी गिरफ्तार लोग हैं नाबालिग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के सिन्हा थाना की पुलिस ने गजियापुर-फरहदा बांध के पास छापेमारी कर डकैती का षड्यंत्र रचते पांच बदमाशों को हथियार समेत रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देसी पिस्टल व दो कारतूस बरामद किया गया है।

इसे लेकर पुलिस ने डकैती की योजना एवं आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपितों में चार गजियापुर एवं एक बिहिया क्षेत्र का निवासी है। सभी नाबालिग है। जिनकी उम्र करीब 15 से 17 साल के आसपास है।

पकड़े गए सदस्य गजियापुर-फरहदा बांध के पास एकत्रित होकर डकैती करने का षड्यंत्र रच रहे थे। इस दौरान गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष चन्द्रशेखर चौहान के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी कर पांचों सदस्यों को धर दबोचा। तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल व दो कारतूस बरामद किया गया।

आपको बताते चलें कि गजियापुर बांध पर गुरुवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने तिलक समारोह से लौट रहे कि एक युवक पर फायरिंग कर लूटपाट करने का प्रयास किया था। जिसमें वह घायल हो गया था। हालांकि, घायल फुहां गांव निवासी पुत्र विकास कुमार सिंह ने कोई प्राथमिकी नहीं कराई थी।

सिर्फ बाइक से गिरकर घायल होने की लिखित जानकारी पुलिस को दी थी। हालांकि, पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया था और निगरानी बढ़ा दी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने तय रणनीति के तहत घेराबंदी कर कांड की योजना बनाते कम उम्र के सभी पांचों नाबालिगों को धर दबोचा।

ट्रैक्टर के ठोकर से सिक्योरिटी गार्ड की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। पोटका थाना क्षेत्र के पिछली गांव में देव इंटरप्राइजेज के ईटा भट्ठा में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत चाईबासा के बीस वर्षीय मुकेश दास की ट्रैक्टर के चक्का में दबने से मौत हो गई। घटना के बाद कंपनी के मालिक द्वारा परिजनों को सूचना दी गई।

परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

इसके बाद घटनास्थल पर परिजन पहुंचे वहीं परिजनों ने सीसीटीवी दिखाने की मांग करने लगे मगर कंपनी के मालिक ने सीसीटीवी दिखाने से इनकार कर दिया कहा की सीसीटीवी खराब पड़ा है।वहीं मुकेश दास की बहन रुक्मणी कुमारी ने हत्या का आरोप लगाया है और उनका कहना है कि मेरे भाई को मारा गया है। सीसीटीवी की जांच होनी चाहिए।

वही मुकेश दास की मां नंदी देवी ने कहा कि मेरा पुत्र कभी शराब नहीं पीता है मामला जो भी हो जांच होनी चाहिए दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, घटनास्थल पर इंस्पेक्टर इंद्रदेव राम, पोटका थाना प्रभारी समीर तिर्की समेत पुलिस बल तैनात थे। देव इंटरप्राइजेज के मालिक शिवप्रसाद जायसवाल ने कहा कि मुकेश दास सिक्योरिटी का कार्य करता था और वह दुकान और ईटा भट्ठा दोनों देखता था इस दौरान ट्रैक्टर में दबने से मौत हो गई। मामले को लेकर कांग्रेस के जिला महासचिव अजय मंडल द्वारा कंपनी के मालिक एवं परिजनों के बीच वार्ता कराया गया।

इसके बाद कंपनी के मालिक द्वारा मुआवजा के रूप में तीन लाख पचास हजार रुपया देने पर सहमति बनी वहीं एक लाख रुपया तत्काल दिया गया और बाकी का ढाई लाख रुपया तीन से चार महीने के अंदर देने का लिखित किया गया इस दौरान संतोष सरदार, पूर्व मुखिया बिल्टू हांसदा आदि उपस्थित रहे।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी का लोगों ने काटा प्राइवेट पार्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। स्थानीय नगर के चतुरसालगंज मोहल्ला में क्रूरता की सभी हदें पार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां प्यार की चक्कर में पड़े एक युवक को प्रेमिका के घरवालों ने ऐसी सजा दी है, जिसे वो पूरी जिंदगी नहीं भूल पाएगा। मामला शनिवार की शाम का है।

प्रेमिका से मिलने आए एक युवक के साथ न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि निर्दयता की सभी हदें पार करते हुए उसके गुप्तांग को काट दिया। बीच सड़क पर छटपटा रहे युवक को कुछ लोगों ने अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के दौरान सूचना पाकर उसके स्वजन भी आ गए। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे।

युवक की चिंताजनक स्थिति को देख वहां से भी उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। परिवार के लोग जिला मुख्यालय में स्थित एक निजी अस्पताल में उसका इलाज करवा रहे हैं। फिलहाल गंभीर रूप से जख्मी युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। युवक की पहचान नया भोजपुर ओपी क्षेत्र के प्रताप सागर गांव के भरत गोंड के पुत्र अनिल गोंड (25 वर्ष) के रूप में हुई है। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार युवक शनिवार की दोपहर किसी लड़की के बुलाने पर उसके घर स्थानीय नगर के चतुरसालगंज पहुंचा। वही इस घटना को अंजाम देने के बाद युवक को मरा समझकर सड़क किनारे फेंक दिया गया।

युवक के भाई ने बताया कि राहगीरों ने किसी तरह पानी का छींटा मारकर उसे होश में लाया तथा अनुमंडलीय अस्पताल तक ले गए। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम जख्मी युवक का बयान दर्ज करने जिला मुख्यालय के अस्पताल में पहुंची।

बरामदगी के बाद किशोरी को परिजन ने रखने से किया इंकार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में नगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से किडनैप किशोरी सरैयागंज इलाके में पुलिस को मिली है। पुलिस ने उसके साथ पकड़ाए आरोपित युवक को जेल भेज दिया है। किशोरी का कोर्ट में 164 का बयान दर्ज कराया गया।

किशोरी के स्वजन ने उसे अपने साथ रखने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस अभिरक्षा में किशोरी को बेगूसराय स्थित एक बालिका गृह में भेज दिया गया। नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद उसे बालिक गृह भेज दिया गया है।किशोरी की मां ने पुत्री के अपहरण के 50वें दिन 28 फरवरी को नगर थाने में प्राथमिकी कराई थी। इसमें बालूघाट के युवक किशन सहनी को नामजद आरोपित किया था। प्राथमिकी में कहा था कि वह राशन लाने गई थी। इस बीच आरोपित घर में घुसकर पुत्री के साथ मारपीट कर अपने साथ बाइक पर ले गया।

पुलिस बनकर सर्राफा व्यवसायी को लूटा

मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र के डीएम आफिस के सामने गांधी मैदान से सुबह टहलकर लौट रहे सराफा व्यवसायी विकास कुमार बरनवाल को अपराधियों ने निशाना बनाया। बदमाशों ने खुद का परिचय इंडियन पुलिस बताया। व्यवसायी को अपना आइकार्ड भी दिखाया।

व्यवसायी के पास रहे करीब डेढ़ सौ ग्राम जेवरात को लूट लिया। इसकी कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है। पीड़ित व्यवसायी ने सिविल लाइन्स थाना में शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष शमीम अहमद ने बताया कि पीड़ित के आवेदन की जांच की जा रही है। समाहरणालय के पास लगे सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है।

इधर, लूट की जानकारी मिलने पर आसपास क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। पीड़ित सराफा व्यवसायी विकास कुमार बरनवाल ने कहा कि गांधी मैदान से सुबह टहल कर घर लौट रहे थे, तभी जिलाधिकारी कार्यालय गेट के समीप तीन लोग पूर्व से मौजूद थे। उन्होंने स्कूटी को रूकवाते हुए कहा कि अपने गले की चेन और ब्रेसलेट उतार दो, तुम्हें नहीं पता है कि शहर में चेन स्नेचिंग की घटनाएं हो रही हैं।

तब हमने कहा कि हम अपना चेन घर पर उतरेंगे, लेकिन वे लोग जबरदस्ती करने लगे। वे लोग खुद को पुलिस बता रहे थे और दबाव देकर हमारे गले की तीन चेन और एक ब्रेसलेट को कागज में रखवा दिया।

उसे डिक्की में रखने के बहाने अपने पैकेट में रखकर फरार हो गए। सरार्फा व्यवसायी ने कहा कि लूटे गए सोने की जेवरात का वजन लगभग 150 ग्राम हैं, जिसकी कीमत लगभग 5 से 6 लाख रुपये होगी। इधर, पुलिस घटनास्थल का मुआयना कर मामले की तफ्तीश करने में जुट गयी है।

सामूहिक दुष्कर्म : विदेशी पीड़िता ने तीन पन्ने की प्राथमिकी में बतायी आपबीती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड के दुमका स्थित हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरमाहाट मैदान में शुक्रवार की रात स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने वालों ने दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी थी। पीड़िता के बयान पर महिला थाना की पुलिस ने दो मार्च को सात अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने रविवार को तीन आरोपित कुंजी गांव के राजन मरांडी, प्रदीप किस्कू व सुखलाल हेम्ब्रम को न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पीड़िता ने अंग्रेजी में तीन पन्नों में जो प्राथमिकी दर्ज कराई हैं, उसमें पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया है। बताया किस तरह से उसके साथ दरिंदगी हुई। पीड़िता ने प्राथमिकी में बताया कि सभी सातों आरोपियों ने पति का हाथ बांधकर बारी-बारी से करीब ढाई घंटे तक दुष्कर्म किया। दरिंदगी को बयां करते हुए बताया कि एक मार्च रात्रि करीब 7.30 बजे उनके टेंट के आसपास कुछ लोगों के आने की आहट महसूस हुई।

पीड़ित दंपति से किसी को मिलने की इजाजत नहीं

पति-पत्नी ने बाहर आकर देखा तो अलग-अलग बाइक से सात लोग खड़े थे। सभी स्थानीय लैंग्वेज में टूटी-फूटी अंग्रेजी बोल रहे थे। उनकी उम्र 28 साल या उससे कम थी। सभी पति-पत्नी के नजदीक आए और हेलो फ्रेंड्स बोलकर पति को पकड़ लिया। उनके साथ मारपीट कर उनका हाथ बांध दिया। सात में से चार आरोपित चाकू दिखाकर मुझे उठा लिया और मैदान में ले जाकर पटक दिया।

चारों ने पहले मेरे साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया। उसके बाद तीन आरोपित जो पति को बांधे हुए थे, आए और दुष्कर्म किया। रात करीब रात्रि 10 बजे तक सातों आरोपित बेरहमी से दुष्कर्म करते रहे। ऐसा लग रहा था कि आरोपी मानो जिस्म को चबाकर खा जाना चाहते हैं।

दुष्कर्म करने के बाद सभी गांव की ओर भाग गए। दर्ज प्राथमिक्की में पीड़िता ने कहा कि जाते समय पति की स्मार्ट वॉच, डायमंड वाला अंगूठी, पर्स ,ब्लूटूथ, स्पेन बैंक का क्रेडिट कार्ड, बांग्लादेशी सिक्के, 11 हजार भारतीय रुपए और 300 के करीब यूएस डालर लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पति के साथ करीब 11 बजे मुख्य सड़क के पास पहुंची तभी हंसडीहा थाना की पेट्रोलिंग गाड़ी उन्हें मिली और दोनों को नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

पीड़िता ने दावा किया है कि वह सभी आरोपियों को सामने आने पर पहचान लेगी। पुलिस ने महिला द्वारा बताए गए हुलिया के आधार पर तीन लोगों को उठाकर पूछताछ की। तीनों ने सामूहिक दुष्कर्म में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

हंसडीहा पुलिस ने शनिवार रात दस बजे हिरासत में लिए गए कुंजी गांव के राजन मरांडी, प्रदीप किस्कू व सुखलाल हेंब्रम को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच के लिए लेकर आई। करीब एक घंटे की जांच के बाद तीनों को रात भर मुफस्सिल थाना में रखा गया। मीडिया उन तक पहुंच नहीं जाए, इसलिए थाना में सबसे सुरक्षित जगह पर रखा गया था।

रविवार की दोपहर दो बजे तीनों को फिर से फिटनेस जांच के लिए अस्पताल लाया गया। जांच में फिट घोषित होने के बाद तीनों को न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत में पेश किया गया। इसके बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अब पुलिस महिला के बताए हुलिया और आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस बाकी की तलाश में दबिश दे रही है।

विदेशी दंपति को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दुमका परिसदन में रखा गया है। प्रशासन की बिना अनुमति के किसी का भी परिसदन में प्रवेश बंद कर दिया गया है। शनिवार की शाम करीब सात बजे दंपती को मेडिकल कालेज अस्पताल से परिसदन लाया गया। दोनों के अंदर आने के बाद परिसदन के तीनों मुख्य दरवाजे में ताला बंद जवानों की तैनाती कर दी गई। आम तो दूर मीडिया को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

गुस्साए छात्रों ने किया सड़क जाम

दुमका। गोवासोल उत्क्रमित उच्च विद्यालय के परीक्षा केंद्र में कक्षा नौ की छात्रा के साथ संथाल आवासीय विद्यालय के छात्र ने छेड़छाड़ कर दी। इस पर छात्रा के भाई ने छात्र को फटकार लगा दी। इसी बात पर नाराज आवासीय विद्यालय के छात्रों ने शनिवार को हटिया मोड़ के पास एक घंटे के लिए सड़क को जाम कर दिया। पुलिस के समझाने पर छात्रों का गुस्सा शांत हुआ।

दरअसल उच्च विद्यालय में कक्षा नौ में पढ़ने वाली छात्रा शुक्रवार को परीक्षा देने के लिए गोवासोल विद्यालय गई थी। इसी स्कूल में संथाल आवासीय विद्यालय का छात्र भी परीक्षा दे रहा था। परीक्षा समाप्त होने पर छात्र लक्ष्मण मोदी ने छात्रा के हाथ में अपना मोबाइल नंबर लिखा पर्चा पकड़ा दिया।छात्रा ने कागज वहीं पर फेंक दिया और रोने लगी। जानकारी मिलते ही छात्रा के बड़े भाई आए तो उसने सारी बात बताई। बहन को घर भेजने के बाद भाई ने लक्ष्मण मोदी को जमकर फटकार लगाई। इस बात से गुस्साए छात्रों ने दुमका-नाला मुख्यमार्ग के मसलिया हटिया मोड़ के समीप सड़क जाम कर दिया।

ट्रेन में पैसा वसूलते सात किन्नर धराए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। ट्रेन में सफर के दौरान प्रायः यात्रियों को किन्नरों की जबरदस्ती पैसा उगाही का शिकार होना पड़ जाता है। इस संबंध में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रेल पुलिस द्वारा अभियान चलाते हुए सात किन्नरों को रंगे हाथ पकड़ने के बाद उन्हें जुर्माना के लिए रेलवे दंडाधिकारी के पास भेज दिया गया।

इसके अलावा महिला कोच में यात्रा करते सात लोगों को गिरफ्तार करते हुए रेल पुलिस ने अग्रेतर कार्रवाई के लिए रेलवे कोर्ट आरा भेज दिया है।

इस संबंध में जानकारी देते आरपीएफ पोस्ट निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि रेल यात्रियों द्वारा ट्रेन में सफर के दौरान किन्नरों द्वारा जबरदस्ती पैसे वसूले जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थी। इस क्रम में कई दफा महिला यात्रियों की मौजूदगी में भी पुरुष यात्रियों के साथ काफी अभद्रता किए जाने की शिकायतें मिल रही थी।

सूचना के आलोक में मंगलवार को विशेष टीम का गठन करते हुए एकसाथ कई ट्रेनों में छापेमारी की गई। इस दौरान विभिन्न ट्रेनों में यात्रियों से जबरन पैसा वसूल करते सात किन्नरों को रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

सभी को आरपीएफ पोस्ट पर लाकर उन्हें चेतावनी देते हुए यह समझाया गया कि वे रोजगार के अन्य विकल्पों की तलाश करें अथवा सरकार के किसी योजना का लाभ लेते हुए अपना जीविकोपार्जन करें। इसके अलावा वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर महिला कोच से यात्रा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते सात यात्रियों को पकड़ा गया। पकड़े गए सभी को आवश्यक कार्रवाई के लिए रेलवे कोर्ट आरा भेज दिया गया।

ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अहियापुर थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंप झपहां इलाके में ट्रक ने बाइक सवार युवकों को रौंद दिया। इसमें दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृत युवकों में सीतामढ़ी डुमरा आजमगढ़ इलाके के दिलशैद (20) व शमसैद (19) शामिल है।

मामले में सीतामढ़ी से पहुंचे मो. खुदादीन के बयान पर अहियापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। दिए गए बयान में कहा कि मृत युवकों में दिलसैद उनका बेटा और शमसैद भतीजा था।

बताया गया है कि एक बाइक पर सवार दोनों युवक सीतामढ़ी से मुजफ्फरपुर आए थे। कोठिया मजार पर मेला घूमने के बाद दोनों वापस सीतामढ़ी लौट रहे थे। इसी दौरान यूपी नंबर की एक ट्रक की चपेट में बाइक सवार दोनों युवक आ गए। इससे कुछ दूरी तक दोनों युवक घिसटते रहे। इसमें बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर ही दिलशैद और शमसैद की मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। तब तक चालक ट्रक लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को एसकेएमसीएच पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर अहियापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस का कहना है कि दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके बाद मृतक के स्वजन से संपर्क किया गया। जानकारी के बाद पीड़ित स्वजन सीतामढ़ी से यहां आए। शव को देखते ही स्वजन चीत्कार करने लगे।

अहियापुर थानाध्यक्ष रोहन कुमार में बताया कि सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। स्वजन के बयान पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मरीजों की मौत पर निजी अस्पताल में परिजनों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। एक किशोर समेत दो मरीजों की मौत के बाद जूरन छपरा व मेहंदी हसन चौक स्थित निजी अस्पताल पर दोनों के स्वजन ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। बताया गया कि जूरन छपरा के एक निजी अस्पताल में किशोर की मौत पर हंगामा हुआ। गाली-गलौच के बाद मामला मारपीट पर पहुंच गया। अस्पताल कर्मी और मरीज के स्वजन आपस में भिड़ गए। पुलिस के सामने ही जमकर मारपीट हुई। पुलिस एक-दूसरे को अलग करने में लगी रही। देखते ही देखते तोड़फोड़ होने लगा। नियंत्रण के लिए अस्पताल का गेट बंद करना पड़ा। दोनों तरफ से जमकर लात घूंसे चले।

दो घंटे तक पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनो पक्षों को शांत कराया। सूचना पर नगर एएसपी भानु प्रताप सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ हंगामा को देखते हुए ब्रह्मपुरा, सदर, अहियापुर, मिठनपुरा, नगर, काजीमोहम्मदपुर की पुलिस व क्यूआरटी पहुंची। अस्पताल से प्रबंधन और पीड़ित पक्ष ने बातचीत की। दोनो पक्षों को शांत कराया गया।

पीड़ित के पिता मुशहरी पहलादपुर गांव निवासी राकेश पासवान ने बताया कि उसके बेटे आयुष को हार्ट की समस्या थी। उसे जूरन छपरा स्थित एक अस्पताल लाया गया था। वहां कुछ लोग मिले। वे बहला कर दूसरे निजी अस्पताल लेकर गए। वहां किशोर को एडमिट करवा दिया।

आरोप लगाया कि जब छानबीन की तो पता चला कि वह दलाल था। दो दिन तक मरीज से मिलने नहीं दिया गया। दो दिन बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीज से मिलने नहीं दिया जा रहा था। यह सुनकर गांव से अन्य स्वजन भी पहुंचे। उन्होंने जब जानकारी मांगी तो उसके बाद एक लाख 22 हजार का बिल दे दिया। विरोध करने पर गाली गलौच की गई। आरोप है कि घटना के बाद ब्रह्मपुरा थाना की पुलिस पहुंची। वहां उन्होंने ब्रह्मपुरा पुलिस को घटना की जानकारी दी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके कारण किशोर के शव को अस्पताल में ही रख लिया गया था। शनिवार को शव लेने के लिए पहुंचे स्वजन ने हंगामा किया।मेहंदी हसन चौक पर एक निजी अस्पताल में सिकंदरपुर इलाके का एक मरीज भर्ती था। फेफडा संबंधी बीमारी से वह परेशान था। इलाज के बाद उसकी स्थिति सामान्य होने के बाद आइसीयू से जनरल वार्ड में रखा गया था। अचानक तबीयत खराब होने के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के क्रम में मरीज की मौत हो गई। स्वजन दवा का दाम वापस करने के लिए हंगामा करने लगे। अंत में पुलिस की पहल पर अस्पताल प्रबंधन ने दवा के मद में राशि दी। उसके बाद मामला शांत हुआ। शव ले जाने के बाद वहां ओपीडी में इलाज चला। इस संबंध में दोनों पक्ष की ओर से कोई आवेदन पुलिस को नहीं दिया गया। ब्रह्मपुरा थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों मामले में स्वजन की ओर से किसी तरह का आवेदन नहीं आया है।

दो शव के मिलने से क्षेत्र में सनसनी

दानापुर। बिहार के पटना में दानापुर रेल थाना पुलिस ने बिहटा एवं कोइलवर ब्रिज के निकट रेलवे ट्रैक दो युवक का शव बरामद किया।

बरामद शवों में से एक की पहचान बिहटा निवासी विकास कुमार के पुत्र अभिषेक (26) के रूप में किया गया। वहीं दूसरे की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा है। पुलिस ने अभिषेक का शव स्वजनों को सौंप दिया है। रेल पुलिस दानापुर को सूचना मिली कि कोइलवर ब्रिज के पास एक युवक की मौत ट्रेन के चपेट में आने से हो गयी है। जिस पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से क्षत-विक्षत युवक का शव बरामद किया। वहीं दूसरा शव बिहटा के पास मिला।

रेलवे ट्रैक से क्षत-विक्षत शव मिलने की खबर पर बिहटा निवासी विकास पहुंचे और शिनाख्त किया। विकास ने बताया कि अभिषेक घर से देवी स्थान पूजा करने की बात कही कर सुबह करीब 5:30 बजे निकला था। बाद में सूचना मिली घटना कि सूचना मिली जिस पर घटना स्थल पर पहुंचे तो अभिषेक मृत पड़ा था। रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि एक की शिनाख्त हो गया है। दूसरे की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

प्रतिबिंब एप से साइबर अपराधियों पर कसी जा रही नकेल

अब तक 212 साइबर अपराधियों को भेजा जा चुका है जेल

510 मोबाइल, 678 सिम सहित कई अन्य दस्तावेज बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। साइबर अपराध में संलिप्त अपराधियों पर नकेल कसने व उन्हें कोने-कोने से दबोचने में पुलिस के लिए प्रतिबिंब एप मारक हथियार साबित हो रहा है। इस एप के विकसित होने के बाद से लेकर लगातार साइबर अपराधियों को दबोचा जा रहा है जिससे मानो साइबर अपराध करने वालों की कमर टूट सी गई है।

अब उन्हें अपराध करने के लिए गांव घर से बाहर निकलकर किसी किनारे का ठौर लेना पड़ रहा है लेकिन प्रतिबिंब एप का इशारा वहां भी हो रहा है और पुलिस का निशाना सटीक बैठ रहा है। दूसरों को फांसने वाले साइबर अपराधी खुद पुलिस के शिकंजे में फंस रहे हैं और सलाखों के पीछे धकेले जा रहे हैं। इस एप के इशारे पर जिले में साइबर अपराधियों के सफाए को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाई जा रही है और एप के इशारे पुलिस को साइबर अपराधियों के

खिलाफ लगातार सफलता दिला रही है।साइबर अपराध में शामिल अपराधी पिछले दस वर्षों के दौरान लोगों को अपने जाल में फांसने व उनके खातों से राशि टपाने को लेकर 50 से अधिक तरीकों का इस्तेमाल कर चुके हैं। रोज इनके ठगी के तरीके में एक नया प्रलोभन भरा उपाय जुड़ रहा है। बैंक खातों को केवाइसी कराने को लेकर फर्जी बैंक अधिकारी बनने से प्रारंभ हुआ इनका ठगी का तरीका अब बहुत ही आगे निकल चुका है।

अब तो ये एटीएम बंद होने, एटीएम का क्लोन तैयार करने, एटीएम मशीन में कैश लॉक लगाने, नौकरी, लाटरी, सेक्शटार्सन, ऑनलाइन कुरियर, मेडिकल इमरजेंसी, डॉक्टर का नंबर लगाने, न्यूड वीडियो कॉल कर स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेल करने के अलावा कई अन्य माध्यमों से लोगों को फांसने का काम कर चुके हैं। फिलहाल ये धान बिक्री कीसरकारी राशि दिलाने के नाम पर ठगी की योजना का खाका खींच रह थे जिसका भंडाफोड़ हो गया।

साइबर अपराध में दबोचे गए अपराधियों ने नए तरीके का इस्तेमाल कर लोगों को लालच देकर उन्हें भी साइबर अपराध का एक अंग बनाने में जुटे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के भाले-भाले लोगों को उनके आधार कार्ड के माध्यम से बैंकों या पोस्ट आफिस में उलका खाता खुला रखा है। इसके एवज में साइबर अपराधी उन्हें एक मोटी रकम भी दे देते हैं और उनका पासबुक व एटीएम कार्ड अपने पास रख लेते हैं। ये अपराधी ठगी के पैसे को उसी खाते में ट्रांसफर कराते हुए एटीएम के माध्यम से निकासी करने का काम करते हैं। कई भोले भाले ग्रामीण साइबर अपराधियों के इस जाल में भी मामूली लालच में फंस रहे हैं और बाद में उन्हें नोटिस भी मिल रहा हे। साइबर अपराध के मामले में पुलिस की टीम ने पिछले पांच माह में अभियान चलाते हुए जिले से 212 साइबर अपराधियों को दबोचते हुए सलाखों के पीछे भेज चुकी है। वहीं इनके पास से 510 एंड्रायड मोबाइल, 678 सिम कार्ड, 237 पासबुक व एटीएम कार्ड, 10 चेकबुक, 35 पैन कार्ड, 44 आधार कार्ड, 38 बड़े व छोटे वाहन, तीन आइ पैड, तीन लैपटाप व 14, 56, 310 रुपये बरामद कर चुकी है। इन मामलों पर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा ने कहा कि जिले के लोगों की मेहनत की कमाई को साइबर ठगों के हाथों लूटने नहीं दिया जाएगा। ऐसे में जिले के किसी भी क्षेत्र में साइबर अपराधी सक्रिय रहेंगे उन्हें कोने-कोने में भी छापेमारी करते हुए दबोचा जाएगा।अपराधियों को किसी भी हाल में ऐसा अपराध नहीं करने दिया जाएगा। ऐसे में साइबर अपराधी किसी मुगालते में न रहें कि वे पुलिस की गिरफ्त में आने से बच जाएंगे। उन्हें नसीहत व सलाह दी जाती है कि या तो वे साइबर अपराध को पूरी तरह छोड़ते हुए उससे तौबा कर लें अन्यथा सलाखों के पीछे जाने को तैयार रहें।

सांसद सहित छह लोगों को मिली जमानत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बिहार के दरभंगा में सदर थाना क्षेत्र के खूटवारा में वर्ष 2004 में सड़क जाम, पुलिस बल और वाहनों पर पथराव मामले में मधुबनी सांसद अशोक कुमार यादव सहित छह आरोपितों ने कोर्ट में जमानत याचिका के साथ सरेंडर किया।

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद सांसद अशोक यादव सहित आरोपितों की जमानत याचिका स्वीकृत कर ली।

घटना 28 अक्टूबर 2004 को हुई थी। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह मामला सत्रवाद के विचारण में अभियोजन साक्ष्य के लिए निर्धारित चली आ रही थी। सांसद के अधिवक्ता शिवशंकर झा पक्षाघात के कारण इलाज करा रहे हैं। इस वजह से सांसद समेत 20 आरोपितों की समुचित पैरवी कोर्ट में नहीं होने से जमानत रद्द कर दी गई थी।

ऐसी स्थिति में सांसद दूसरे अधिवक्ता पंकज कुमार सिंह के माध्यम से कोर्ट में जमानत याचिका के साथ हाजिर हुए। शुक्रवार को सभी को जमानत मिली । सीतामढ़ी से भाजपा विधायक डॉ मिथिलेश कुमार ने बिहार विधानसभा में विधायक और सांसद के लिए जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पूर्व की परंपरा के अनुसार जनसमस्याओं का निवारण के लिए समय सुनिश्चित नहीं करने का मुद्दा उठाया।उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के ससमय निष्पादन के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा पूर्व की परंपरा के अनुसार मिलने का समय सुनिश्चित कराया जाए। संसदीय कार्य मंत्री ने सदन को बताया कि संसदीय कार्य विभाग द्वारा समय-समय पर मुख्य सचिव के माध्यम से विधायकों एवं जन प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत मुलाकात करने के लिए सप्ताह में एक दिन समय निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सस्ती लिपस्टिक लेकर आया पति... पत्नी ने खड़ा किया बखेड़ा, ससुराल छोड़ पहुंच गई मायके

आगरा, एजेंसी। आगरा में पत्नी की पसंद की लिपस्टिक लाने की बजाय पति सस्ती लिपस्टिक लेकर आया तो घर में बखेड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि पत्नी एक महीने से मायके में है। न्याय के लिए पुलिस से गुहार लगाई। मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंचने पर काउंसलर ने दोनों में समझौता कराया। एत्मादपुर थाना क्षेत्र की एक युवती की शादी दो साल पहले मथुरा निवासी युवक के साथ हुई थी। पति प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। पत्नी का आरोप है कि पति उसकी पसंद का मेकअप का सामान नहीं लेकर आता। हमेशा सस्ता वाला लाता है। सहेलियां उपहास करती हैं, शर्मिंदा होना पड़ता है। पति से अच्छी कंपनी की लिपस्टिक लाने के लिए कहा था लेकिन 20 रुपये वाली ले आया। पिछले एक महीने से वह मायके में है। काउंसलर सतीश खिरवार ने बताया कि शनिवार को दानों पक्षों को काउंसलिंग के लिए बुलाया। पति ने पत्नी की शर्तें मान ली। इससे समझौता हो गया।

युवक ने इंस्टाग्राम पर युवती से की दोस्ती, उत्तराखंड ले जाकर किया दुष्कर्म

बरेली , एजेंसी। बदायूं के युवक ने बरेली की युवती से इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती कर ली। इसके बाद उसे शादी का झांसा देकर प्रेमजाल में फंसा लिया। उसे उत्तराखंड घुमाने ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रेमनगर थाना क्षेत्र निवासी पुलिसकर्मी की बेटी की दोस्ती इंस्टाग्राम पर बदायूं निवासी प्लाईवुड का काम करने वाले जुबैर सैफी से हुई थी। जुबैर युवती को अपने साथ उत्तराखंड घुमाने ले गया। इस दौरान जुबैर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जुबैर ने रुपयों की जरूरत बताकर युवती से सोने के कड़े, झुमके और अंगूठी ले ली। फिर वह शादी की बात टालने लगा। युवती ने जब प्रेमी के परिवारवालों को यह बताया तो जुबैर के पिता सलीम, भाई खुर्रम और बहनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित युवती की तरफ से प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपी फरार हो गए हैं। प्रेमनगर इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी ने बताया कि साक्ष्यों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षिका की संदिग्ध हालत में मौत: घर में फंदे से लटका मिला शव, एक साल पहले किया था प्रेम विवाह

बरेली , एजेंसी। बरेली में निजी स्कूल की शिक्षिका प्रिया गंगवार (28) की उनकी ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने दहेज की खातिर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सीओ और इंस्पेक्टर भी मौके पर पहुंच गए। शव को मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी। शनिवार रात नौ बजे बारादरी थाना क्षेत्र की गणेशपुरम कॉलोनी निवासी शिक्षिका का शव उनकी ससुराल में फंदे से लटका मिला। ससुराल वाले उसे उतारकर निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया तो शव घर ले आए। पड़ोस की कॉलोनी अग्रसेननगर से प्रिया के पिता हरीश गंगवार भी मौके पर आ गए। सीओ तृतीय अनीता चौहान भी मौके पर पहुंचीं और दोनों पक्षों व पड़ोसियों से बात की। पड़ोसियों ने बताया कि प्रिया गंगवार और शिवांशु रस्तोगी ने एक साल पहले ही दोनों पक्षों की सहमति से प्रेम विवाह किया था। तब से प्रिया ससुराल में रहती थीं। वह राधा माधव स्कूल में पढ़ाती थीं। ससुराल पक्ष के लोगों का टेलरिंग का काम है।

सास बोली- बदल गया था प्रिया का व्यवहार : प्रिया की सास अंजलि रस्तोगी ने बताया कि शनिवार सुबह ही वह प्रिया को लेकर उसके मायके उसके बदले व्यवहार की शिकायत करने गई थीं। शाम को बहू के साथ ही घर लौट आईं। अचानक प्रिया ने यह कदम क्यों उठा लिया, इस बारे में जानकारी नहीं है। वहीं मायके वालों ने दहेज की खातिर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि शव का रविवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। तहरीर मिली तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। प्रेमनगर थाना क्षेत्र की चाहबाई निवासी ज्योति जौहरी (30) पत्नी आदित्य जौहरी शुक्रवार रात घर में ही आग से झुलस गई थीं। शनिवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले ज्योति के बयान दर्ज किए गए। बताते हैं कि बयान में ज्योति ने मॉर्टिन क्वाइल जलाने के दौरान पास में पड़ी तेल की शीशी गिरने और उससे आग लगने की बात कही।

मोदी और राम लहर के नाम पर विश्वास से भरी है पार्टी, 51 में 44 मौजूदा सांसदों को दिया टिकट

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों की पहली सूची में भाजपा ने राम लहर और मोदी की गारंटी के बूते आत्मविश्वास से लबरेज होने का संदेश दे दिया है। पार्टी ने 51 प्रत्याशियों में 44 मौजूदा सांसदों को टिकट देकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि मोदी सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है।

करीब एक वर्ष पहले भाजपा ने जब लोकसभा चुनाव के लिए पहले दौर का सर्वे शुरू कराया था, तब सर्वे में पार्टी के 30-40 फीसदी मौजूदा सांसदों की रिपोर्ट नकारात्मक आई थी। सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद चुनाव में बड़ी संख्या में सांसदों के टिकट कटने की आशंका जताई जा रही थी। यही नहीं, केंद्रीय नेतृत्व की ओर से कराए गए सर्वे में भी सांसदों की जमीनी रिपोर्ट ज्यादा अच्छी नहीं थी। उसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मोदी की गारंटी' का नारा दिया। राशन से लेकर आवास, सड़क से सुरक्षा और रोजगार से इलाज तक मोदी की गारंटी के नाम पर उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों को साधने का अभियान शुरू हुआ।

22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूरे देश में चली राम लहर चली। उत्तर प्रदेश में तो खासतौर पर भाजपा के पक्ष में माहौल बनना शुरू हुआ। उधर, आरएसएस, भाजपा और संघ के सभी अनुषांगिक संगठनों ने भी इस लहर को चुनाव तक बनाए रखने की योजना पर काम शुरू किया। पार्टी को तीसरे दौर के सर्वे में मोदी की गारंटी और राम लहर का घर-घर तक आभास हो गया। इसी के बूते पार्टी ने 51 में से 44 मौजूदा सांसदों को प्रत्याशी बनाने और हारी हुई चार सीटों में से तीन पर हारे हुए चेहरों पर ही दांव खेलने का जोखिम उठाया है। पार्टी ने विपक्षी दलों को संदेश देने की कोशिश की है कि विकास और विरासत को सम्मान के दम पर वह यूपी में फिर एक बार बड़ी जीत हासिल करेगी। जानकार बताते हैं कि जिन 44 सांसदों को फिर से टिकट दिया गया है , उनमें मुजफ्फरनगर, चंदौली, कन्नौज जैसी सीटें भी हैं। जहां 2019 में जीत का अंतर 6 से 15 हजार के बीच ही रहा था।

यह भी हैं विश्वास के आधार

भाजपा ने मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का बड़ा वोट बैंक तैयार किया है। पहली सूची में अगड़े, पिछड़े और दलितों की सभी प्रमुख जातियों को प्रतिनिधित्व देकर सामाजिक संतुलन भी बनाया है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले सुभासपा और रालोद से भी गठबंधन कर लिया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने की घोषणा कर चुकी हैं। 2019 में सपा और बसपा के मजबूत गठबंधन के बावजूद भाजपा ने 49.9 फीसदी वोट हासिल कर 80 में से 64 सीटें जीती थी। ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि त्रिकोणीय मुकाबले में वह मौके का फायदा उठा लेगी।

लखीमपुर और गौतमबुद्धनगर से भी बड़ा संदेश

लखीमपुर खीरी से सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की स्थानीय किसान संगठन लगातार खिलाफत कर रहे थे। पार्टी ने तमाम विरोध के बाद टेनी को टिकट देकर स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए जिताऊ और काडर सबसे महत्वपूर्ण है। गौतमबुद्धनगर में मौजूदा सांसद डॉ. महेश शर्मा का गत वर्ष त्यागी समाज ने पुरजोर विरोध किया था। पार्टी ने उन्हें लगातार तीसरी बार प्रत्याशी बनाकर ना केवल क्लीन चिट दी है, बल्कि सरकार और संगठन की ताकत के बूते मुकाबले का भी संदेश दिया है।

थ्री डी मैप दिखाकर आशियाना दिलाने का सपना बेच दिया, केस दर्ज- तलाश में जुटी पुलिस

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर में बीसीडी प्रोजेक्ट वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड नाम से तारामंडल में ऑफिस खोलकर जालसाजी का मामला सामने आया है। बेलीपार के तालनदौर में किस्त पर प्लॉट और आशियाना का सपना दिखाकर जालसाजी की गई है। लोगों को झांसे में लेने के लिए जालसाजों ने थ्रीडी मैप भी दिखाया। सभी ग्राहकों से जमीन बुक कराते समय बीस फीसदी जमा कराया गया और बाकी की रकम किस्त में देनी थी।

जमीन, मकान नहीं मिलने के बाद एक साथ 13 लोगों ने सीएम योगी के जनता दर्शन में बीते दिनों शिकायत की थी, जिसके बाद रामगढ़ताल थाने में बुद्ध विहार कॉमर्शियल निवासी अमित कुमार दुबे, अमलेश पांडेय, विशाल राय, शिवरतन मिश्रा उर्फ त्रिलोकी और हौशिला मिश्रा पर केस दर्ज किया गया है।

पीड़ितों ने तहरीर में लिखा है कि 11 अक्तूबर 2017 को कंपनी के कार्यालय में मुलाकात हुई थी। तब खुद को कंपनी का अधिकारी बताने वाला अमित कुमार दूबे, अमलेश पांडेय, विशाल राय ने उन्हें प्रास्पेक्टस दिया। शहर से निकट बेलीपार के ताल नदौर में स्थित आवासीय प्लाट का थ्रीडी मैप दिखाया और बताया कि कंपनी सभी सुविधाओं से संपन्न कॉलोनी का निर्माण कर रही है, आसान किस्तों पर प्लॉट को खरीद सकते है।

प्लॉट खरीदने का शर्त यह है कि जमीन के कुल मूल्य का 50 प्रतिशत भुगतान 12 किस्तों में अदा करना था और रजिस्ट्री करते समय 20 प्रतिशत भुगतान और करके रजिस्ट्री बैनामा कराना था। शेष 30 प्रतिशत धनराशि जरिए चेक छह किस्तों में जमा करना था, जिसे कंपनी एडवांस छह चेक उक्त वर्णित धनराशि का प्राप्त कर लेती और नियत समय पर चेक कंपनी के खाते में कैश हो जाता। जमीन नहीं मिलने पर 11 मार्च 2023 को कार्यालय पर गए तो बंद मिला।

माफिया अतीक के बेटों उमर-अली का बनवाया बी वारंट, शिकंजा कसने की तैयारी

प्रयागराज , एजेंसी। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद के जेल में बंद बेटों उमर व अली पर भी शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी गई है। पुलिस ने दोनों का बी वारंट बनवाकर लखनऊ व नैनी जेल में तामील करवा दिया है। अब उन्हें कोर्ट में तलब कराकर रिमांड की अर्जी दी जाएगी।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक कि विवेचना में पुलिस को उमर व अली के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं जो यह इशारा करते हैं कि इस हत्याकांड की साजिश में वह दोनों भी शामिल थे। मसलन मुख्य शूटर असद हत्याकांड से पहले कई बार लखनऊ जेल में जाकर बड़े भाई उमर व नैनी जेल में जाकर अली से मिला था। नैनी जेल में घटना के अन्य शूटर गुड्डू मुस्लिम, गुलाम व अरमान ने भी जाकर अली से मुलाकात की थी।

जेल भेजे गए शौलत हनीफ ने भी अपने बयान में बताया है कि अली व उमर को इस पूरी साजिश की जानकारी थी। जेल में जाकर मुलाकात करने पर असद को अली व उमर भी प्लानिंग समझाते थे। इन साक्ष्यों के आधार पर ही पुलिस ने दोनों का बी वारंट बनवाया है। साथ ही इसे संबंधित जेलों में तामील भी करवा दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उन्हें कोर्ट में तलब कराकर रिमांड अर्जी दी जाएगी।

बता दें कि उमर लखनऊ के प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल के अपहरण कांड में लखनऊ जेल में बंद है। जबकि अली हत्या के प्रयास, रंगदारी समेत अन्य मामलों में नैनी जेल में निरुद्ध है। उमेश पाल हत्याकांड में अब तक 10 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं जबकि छह शूटरों समेत सात मिट्टी में मिल चुके हैं। जबकि 11 के खिलाफ विवेचना जारी है। इन्हीं 11 में उमर व अली भी शामिल हैं।

तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर तोड़ते हुए अस्पताल में घुसा, कोई हताहत नहीं

प्रयागराज , एजेंसी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के चाका ब्लाक के सामने रविवार की भोर में बड़ा हादसा होते-होते बच गया। प्रयागराज-मध्य प्रदेश हाईवे पर भोर में करीब साढ़े चार बजे तेज रफ्तार एक ट्रक असंतुलित हो गया। डिवाइडर को तोड़ते हुए ट्रक दूसरी पटरी पर खड़ी कार को रौंदने के बाद अस्पताल में घुस गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना में ट्रक के परखच्चे उड़ गए और अस्पताल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। यह ट्रक प्रयागराज के एक विधायक का बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रक सतना से आ रहा था और उस पर गेहूं लदा था।

पूर्व सांसद रेवती रमण तोड़ सकते हैं सपा से नाता, भाजपा में जाने की अटकलें

प्रयागराज , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश की 80 में से 51 लोकसभा सीट से प्रत्याशियों के नाम की सूची जारी करने के बाद अब सभी निगाहें फूलपुर और इलाहाबाद लोकसभा सीट पर टिकी हुईं हैं। इन दोनों ही सीटों पर भाजपा का कब्जा है। इस बीच अब फिर से इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह किसी भी दिन पार्टी से नाता तोड़ सकते हैं। उनके भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, कुछ लोगों ने उनके कांग्रेस से संपर्क में होने की बात कही है।

गठबंधन के बाद सपा ने इलाहाबाद लोकसभा सीट कांग्रेस को दे दी गई है। इस सीट से सपा के टिकट पर रेवती रमण सिंह लगातार दो बार सांसद रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि वह इस सीट से अपने पुत्र उज्जवल रमण सिंह को टिकट दिए जाने की वकालत कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस के पास यह सीट जाने के बाद उन्हें काफी झटका लगा। इसे लेकर पिछले दिनों ही रेवती ने अपनी नाराजगी

भी जताई। उन्होंने यह भी कह दिया कि अखिलेश किसी की नहीं सुनते। बीते ढाई वर्ष से उनकी अखिलेश से बात भी नहीं हुई।

इलाहाबाद लोकसभा सीट पर 1984 के बाद से कांग्रेस चुनाव नहीं जीत सकी है। इस सीट पर समाजवादियों का वर्चस्व रहा है। रेवती के करीबियों का कहना है कि वह अब सपा से नाता तोड़ सकते हैं। इस बीच खबर यह भी आई है कि रेवती की भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी हो चुकी है। हालांकि, जब रेवती से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी वह सपा में ही हैं। मेरी न कांग्रेस से बात हुई है और न ही भाजपा से। अपने लोगों से बातचीत कर आगे क्या करना है उस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। वहीं, उनके पुत्र उज्ज्वल रमण का कहना है कि अभी हम सपा में ही हैं। कहा कि मेरी अखिलेश यादव से बात होती रहती है।

अब फूलपुर और इलाहाबाद सीट पर टिकी निगाहें: भाजपा द्वारा प्रतापगढ़ से संगम लाल गुप्ता को एक बार फिर से टिकट दिए जाने के बाद अब इस बात के आसार कम ही हैं कि फूलपुर और प्रतापगढ़ से किसी वैश्य उम्मीदवार को टिकट मिले। फूलपुर सीट से वर्तमान में सांसद केशरी देवी पटेल हैं।

ऐसे में उनकी दावेदारी तो इस सीट पर है ही, इसके अलावा विधायक प्रवीण पटेल, विक्रम सिंह पटेल, कौशलेंद्र पटेल के नाम भी इन दिनों चर्चा में हैं। इसी तरह इलाहाबाद सीट से सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के अलावा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी का भी दावेदार के रूप में नाम लिया जा रहा है। यहां से गिरीश चंद्र त्रिपाठी, योगेश शुक्ला, रईस शुक्ला, डॉ. एलएस ओझा, डॉ. भगवत पांडेय आदि का भी नाम सोशल मीडिया में चल रहा है।

फुल हो गई इन 10 ट्रेनों में बुकिंग, होली तक सीटें नहीं; एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग

आगरा, एजेंसी। होली के चलते ट्रेनों में बुकिंग फुल हो गई है। सामान्य दिनों के मुकाबले तीन गुना टिकट बुक हो रहे हैं। स्लीपर के लिए सबसे लंबी वेटिंग है। 10 से अधिक ट्रेनों में बुकिंग के लिए ज्यादा मारामारी है। ऐसे में रेलवे की विशेष ट्रेन चलाने की तैयारी है। आगरा कैंट, आगरा फोर्ट स्टेशन, राजा की मंडी समेत अन्य स्टेशनों से रोजाना 250 से अधिक ट्रेनें गुजरती हैं। होली 25 मार्च को है। कामकाजी लोग अपने घरों में त्योहार मनाने जाएंगे। इसके चलते अब टिकट बुक कराने वालों को लंबी वेटिंग चल रही है। सबसे ज्यादा मालवा एक्सप्रेस (12919), झेलम एक्सप्रेस (11077), मंगला एक्सप्रेस (12618), गोवा एक्सप्रेस (12780), पंजाब मेल (12138), कोटा एक्सप्रेस (13238), छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18238), मरुधर एक्सप्रेस (14864), जोधपुर-हावड़ा सुपरफास्ट (12308) और मुंबई राजधानी एक्सप्रेस (22222) में सबसे ज्यादा मारामारी है। शास्त्रीपुरम निवासी मोहित आहूजा का कहना है कि होली पर परिवार के साथ पंजाब जाना है, रिजर्वेशन के लिए लंबी वेटिंग है। रेलवे वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि होली पर 8-10 ट्रेनों में रिजर्वेशन के लिए लंबी वेटिंग है। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने के साथ फेरे भी बढ़ाए जाएंगे।

तेंदुए का 24 घंटे बाद भी नहीं कोई सुराग, वन विभाग ने तीन पिंजरे लगाए, दिखे तो इन नंबर पर करें कॉल

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के कंकरखेड़ा में एक दिन पहले कंकरखेडा में घनी आबादी में घुसा तेंदुआ शनिवार को भी वन विभाग की टीम के लिए चुनौती बना रहा। टीम को अभी तक उसके पंजों के निशान के अलावा कोई सुराग नहीं लगा है। टीम लगातार सर्च अभियान चला रही है। तेंदुए को पकड़ने के लिए अब केंकरखेड़ा और कैंट क्षेत्र में तीन पिंजरे लगाए गए हैं।

इसके अलावा 12 ट्रैप कैमरों को लगाकर नजर रखी जा रही है, लेकिन शनिवार को तेंदुआ किसी भी कैमरे में नजर नहीं आया। उधर कंकरखेड़ा के लोगों में दहशत है। लोग लाठी डंडे लेकर सड़कों और गलियों में पहरा दे रहे हैं।

आर्य नगर में शुक्रवार सुबह शारदा देवी के मकान में लगे सीसीटीवी में तेंदुए की फुटेज सामने आई थी। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने तेंदुए की तलाश की थी, लेकिन तेंदुए का सुराग नहीं लग सका था। शनिवार को भी पूरे दिन तेंदुए की दहशत क्षेत्र में बनी रही। तुलसी कॉलोनी, आर्य नगर व गोविंदपुरी सहित अन्य कॉलोनी में लोगों ने हाथों में डंडा लेकर खुद ही पहरा दिया। वन विभाग की टीम ने कई घंटे तक क्षेत्र में कांबिंग की। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए आरवीसी सेंटर व सरधना रोड पर कृषि फार्म हाउस में जाल व पिंजरा लगाया। लेकिन 24 घंटे बाद भी तेंदुए हर नजर से दूर रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार तेंदुए ने क्षेत्र के कुत्तों का शिकार भी किया है। आर्य नगर में एक कुत्ते पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है।

वन विभाग ने जारी किए नंबर: वन विभाग की ओर से नंबर जारी किए गए हैं। अगर क्षेत्र के लोगों को तेंदुए के संबंध में कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह इन नंबरों पर जानकारी दे सकते हैं। लोगों से अपील की गई है कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और अगर कोई वीडियो या कोई सूचना होती है तो उसे शेयर करें।

आयोग के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा पर लगा पेपर लीक का दाग

प्रयागराज, एजेंसी। शासन की ओर से समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 को निरस्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा पर पेपर लीक का दाग लग गया है।

आरओ/एआरओ के 411 पदों के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। परीक्षा के लिए प्रदेश के 58 जिलों में 2387 केंद्र बनाए गए थे। 11 फरवरी को हुई परीक्षा में 64 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए थे। आयोग की किसी भी परीक्षा के लिए पहली बार इतनी अधिक संख्या में अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे और पहली बार किसी परीक्षा के लिए सबसे ज्यादा केंद्र भी बनाए गए थे। हालांकि, आयोग ने परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए इस बार कई नए कदम उठाए थे।

पहली बार परीक्षा केंद्रों में 50 फीसदी से अधिक बाहरी कक्ष निरीक्षक तैनात किए गए थे। आयोग ने तो शासन को यह प्रस्ताव भी भेजा था कि राजस्थान की तर्ज

पर यहां भी परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा बंद कर दी जाएं, लेकिन इससे आम लोगों को होने वाली दिक्कत के मद्देनजर शासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। आयोग की पूरी मेहनत पर पानी फिर गया, जब परीक्षा से डेढ-दो घंटे पहले पेपर व्हाट्सएप पर वायरल हो गया।

आंदोलन तेज होने पर शासन को करना पड़ा हस्तक्षेप: शुरुआत में आयोग मानने को तैयार था कि पेपर लीक हुआ है लेकिन कुछ दिनों बाद हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में भी पेपर लीक हो गया और शासन ने पुलिस भर्ती परीक्षा निरस्त कर दी। यह परीक्षा निरस्त होने के बाद आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा के अभ्यर्थियों ने भी परीक्षा निरस्त किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया और इस मामले में शासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। आयोग तो आंतरिक कमेटी से इसकी जांच करा ही रहा था, शासन ने भी अपने स्तर से जांच शुरू करा दी और अभ्यर्थियों से पेपर लीक से जुड़े साक्ष्य मांग लिए। आयोग की जांच पूरी होती इससे पहले शासन ने ही परीक्षा निरस्त करने का निर्णय ले लिया। फिलहाल अब तक हुई जांच में यह सामने नहीं आ सका है कि पेपर लीक की जड़ कहां है लेकिन परीक्षा निरस्त हो जाने से आयोग के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा पेपर लीक के लिए याद रखी जाएगी।

साक्ष्य देने की मियाद पूरी होने से पहले परीक्षा निरस्त: यूपीपीएससी की ओर से अभ्यर्थियों को साक्ष्य उपलब्ध कराने की जो मियाद दी गई थी, उसके पूरा होने से पहले शासन ने परीक्षा निरस्त कर दी। अभ्यर्थियों ने आयोग के साथ शासन को भी पेपर लीक से जुड़े साक्ष्य उपलब्ध कराए थे। आयोग ने अभ्यर्थियों से दो मार्च तक साक्ष्य मांगे थे। ऐसे में माना जा रहा था कि साक्ष्य लेने की मियाद पूरी होने के बाद ही परीक्षा पर कोई निर्णय लिया जाएगा। वहीं, परीक्षा निरस्त किए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थी बेमियादी धरने पर बैठ गए थे। शनिवार को साक्ष्य उपलब्ध कराने का अंतिम दिन था। शाम को अचानक शासन स्तर से परीक्षा निरस्त करने की घोषणा कर दी गई।

आरओ/एआरओ प्री-2016 भी हुई थी निरस्त: इससे पहले आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2016 में भी पेपर लीक का मामला सामने आया था। इस मामले की सीबीसीआईडी जांच कराई गई थी और एजेंसी ने इसे क्लीन चिट दे दी थी। बाद में मामला कोर्ट में चला गया। बाद में आयोग ने परीक्षा ही निरस्त कर दी। आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा दोबारा कराई। अब यह भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। एक और परीक्षा जांच के हवाले- एक तरफ सीबीआई अप्रैल अप्रैल 2012 से मार्च 2017 के हुई आयोग की 599 परीक्षाओं की जांच कर रही हैं। वहीं, अब एसटीएफ आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 की जांच करेगी। सीबीआई को जांच के दौरान कई परीक्षाओं में धांधली के सुराग भी मिले और इन्हीं सबूतों के आधार पर सीबीआई ने पीसीएस-2015 एवं एपीएस भर्ती परीक्षा-2013 के मामले में मुकदमा भी दर्ज किया। एपीएस परीक्षा-2013 के मामले में तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक को भी नामजद किया लेकिन किसी भी मामले में सीबीआई ने अब तक कोई सीधी कार्रवाई नहीं की है। एसटीएफ आयोग की दूसरी परीक्षा की जांच करने जा रही है। इससे पूर्व एसटीएफ ने आयोग की ओर से आयोजित एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती-2018 की जांच भी की थी। इस परीक्षा में सामाजिक विज्ञान और हिंदी के पेपर प्रिंटिंग प्रेस से लीक होने के आरोप लगे थे।

सीट शेयरिंग को लेकर मुख्यमंत्री जाएंगे दिल्ली, पीएम मोदी आ रहे हैं बिहार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोकसभा चुनाव नजदीक देख बिहार की सियासत गरमाई हुई है। एक ओर जहां आज राजद गांधी मैदान में महागठबंधन की जनविश्वास महारैली हुई। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सीटों के बंटवारे को लेकर दिल्ली जाने की खबर है। सूत्रों से मिली जानकारी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 5 मार्च को दिल्ली दौरे पर जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक 5 मार्च को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर बिहार एनडीए की बैठक होगी। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे। वहीं इस बैठक में बिहार एनडीए के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। इस बैठक में नीतीश कुमार सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा करेंगे। वहीं, इस बैठक के बाद पीएम मोदी की मौजूदगी में भाजपा के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी जिसमें बिहार को लेकर भी चर्चा हो सकती है। भाजपा ने बीते दिन 16 राज्यों के लिए 195 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इस बीच 6 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेतिया आने वाले हैं। इसको लेकर प्रदेश भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। इस कड़ी में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पं.चम्पारण पहुंचे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कई परियोजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि चम्पारण हमारे बिहार का मुकुट है। नौतन में गंडक नदी पर देश का सबसे बड़ा पुल बनने जा रहा है। सिलीगुड़ी से गोरखपुर तक छह लेन का एक्सप्रेस वे बन रहा है जो नौतन से होकर ही गुजरेगा। उन्होंने कहा कि चंपारण से ही राजनीतिक विरासत, सांस्कृतिक विरासत व समाज को देश की दशा व दिशा तय होती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में रेलवे क्षेत्र में 70 हजार करोड़ की योजना चल रही है जो 1947 से 2014 तक के बीच भी कभी नहीं हुआ था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 6 मार्च को प्रधानमंत्री हजारों करोड़ की लागत से बनने वाला रेलवे, सड़क, पेट्रोलियम और बिजली के सेक्टर में चल रहे कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे और जनता को संबोधित भी करेंगे।

मोतिहारी में "हमारा संकल्प विकसित भारत" विषय पर जागरुकता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/मोतिहारी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मोतिहारी में 9 दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरुकता कार्यक्रम के साथ आज बाल कला प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम के तीसरे दिन के कार्यक्रम का आरंभ बच्चों ने बाल संगीत और बाल नृत्य के साथ किया जिसके बाद विभाग के पंजीकृत सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी

देने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के काउंटर भी लगे जहां पर निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। सुबह से शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम में करीब - करीब 1000 लोगों ने हिस्सा लिया और करीब 600 लोगों ने यहां लगे काउंटर पर ऑन स्पॉट निःशुल्क सुविधा भी उठाया। कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जावेद अख्तर सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनता दल यूनाइटेड लोकसभा सीट को लेकर आशान्वित

रांची। राजधानी रांची के हरमू स्थित एक निजी बैंकवेट हॉल में जनता दल यूनाइटेड द्वारा रविवार को मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान मोटीया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी अपने संगठन के समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं के साथ अपने मजदूर संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण की। जनता दल यूनाइटेड झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो ने पार्टी में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के कई पदाधिकारी मौजूद थे। मिलन समारोह में जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संतोष कुमार सोनी को पूरा सम्मान दिया जाएगा एवं जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सहित पूरे देश स्तर में आगे ले जाने का काम किया जाएगा ।

बिहार के लिए काला अध्याय था तेजस्वी यादव के माता-पिता का राज : सुशील कुमार मोदी

लालू प्रसाद ने रेलवे को मुनाफा कराया तो 90 हजार करोड़ रुपये कहां गए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार के रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद का कार्यकाल एक काला अध्याय था। यदि उनके समय रेलवे को 90 हजार करोड़ का मुनाफा हुआ तो वह पैसा कहां चला गया। उस समय न एयरपोर्ट जैसे विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बने, न वंदे भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें चलीं। श्री मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद के बाद यूपीए-2 में रेल मंत्री बनी ममता बनर्जी ने ही मुनाफे में लाने के दावे की पोल खोल दी थी।

उन्होंने कहा कि रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद ने नौकरी के बदले जमीन लेने का ऐसा घोटाला किया जिसमें परिवार के पांच लोगों को जमानत लेनी पड़ी।

श्री मोदी ने कहा कि तेजस्वी यादव बताएं कि उनके माता-पिता के राज में दलितों के नरसंहार क्यों होते थे? किसानों के खेत क्यों जलाये जाते थे और क्यों सवर्णों को लाइन में खड़ा कर गोली मार दी जाती थी? उस समय सड़कें जर्जर क्यों थीं? लाखों लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए पलायन क्यों करना पड़ा। उन्होंने कहा कि राजद अब कितनी भी रैली-रैला कर ले, बिहार की जनता भय-भ्रष्टाचार का पुराना दौर नहीं लौटने देगी।

परिवारवाद का शो साबित हुआ 'जन विश्वास रैली' : प्रभाकर मिश्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए हुए कहा कि जन विश्वास रैली में परिवारवाद का शो दिखा। मंच पर एक ही परिवार के पांच लोग दिखे। इस रैली में जनता का विश्वास नहीं, बल्कि एक बार फिर परिवारवाद दिखा। श्री मिश्र ने कहा कि महागठबंधन की रैली जन विश्वास रैली नहीं, बल्कि 'बकवास' रैली साबित हुई जिसमें बकवास करने के कांग्रेस सहित महागठबंधन के दूसरे नेताओं को बुलाया गया था। यह जनता को विश्वास दिलाने के लिए नहीं, बल्कि असामाजिक और अपराधी तत्वों को विश्वास दिलाने के लिए बुलायी गयी थी। महागठबंधन के नेताओं की करतूतों को कौन नहीं जानता। परिवारवाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के अलावा महागठबंधन में शामिल दलों ने और क्या किया। जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाले महागठबंधन की इस रैली में जनता कहीं नहीं दिखी। श्री मिश्र ने कहा कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने रैली की नौटंकी बहुत कर ली। काठ की हांड़ी बार-बार नहीं चढ़ती। लालू और उनके शागिर्दों का तिलिस्म अब खत्म हो चुका है। बिहार के लोग लालटेन युग से बाहर निकल चुके हैं।

राजद कार्यकर्ताओं ने फाड़ डाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की ओर से आयोजित जनविश्वास महारैली में भाग लेने आए राजद कार्यकर्ताओं ने पटना में जमकर उत्पात मचाया। महारैली रैली में शामिल होने वाले उपद्रवियों के द्वारा जदयू कार्यालय के बाहर लगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर, बैनर और गुब्बारे को फाड़ दिया गया। हालांकि इसकी जानकारी मिलते ही जदयू कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया। बताया जाता है कि महारैली में शामिल राजद समर्थकों की भीड़ जदयू कार्यालय के बाहर आई तो कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरोध में नारे

लगाने शुरू कर दिए और मुख्यमंत्री का पोस्टर भी फाड़ दिया। जदयू के नेता मुन्ना चौधरी ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी कि राजद समर्थकों के बीच कुछ उपद्रवियों ने उनके कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर और बैनरों को नुकसान पहुंचाया है। ऐसे में जदयू नेता भी उपद्रवियों को सख्ती से निपटने की योजना बना रहे हैं। हालांकि इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर मुकम्मल पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। यह घटना राजनीतिक माहौल में गंभीरता का संकेत है।

जमशेदजी टाटा की 185वीं जयंती मनाई गयी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी टाटा की 185 वी जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को जमशेदपुर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम टाटा स्टील मुख्य द्वार एवं पोस्टल पार्क, बिस्टुपुर में आयोजित किया गया जिसमें टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन, टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने टाटा जी के प्रतिमा में पुष्प चढ़ा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और 1मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि आज बदलते परिवेश में तकनीक का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा हो रहा है। आज हमें स्टील उत्पादन के क्षेत्र में चीन से मुकाबला करना पड़ रहा है। इसलिए हमें अपने उद्योग के विकास के साथ नई तकनीकी का अधिक से अधिक प्रयोग करना है। उन्होंने कहा कि हम इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। वहीं टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि जमशेदपुर की गुणवत्तापूर्ण जीवन काफी लोगों को संतुष्टि प्रदान कर रहा है और हमें इससे और अच्छा करना है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा शहर को बनाना है कि आनेवाले 100 वर्ष बाद भी इसकी गुणवत्ता काफी अच्छी रहे। हमें पानी की बर्बादी को रोकना है। स्वच्छता को बनाए रखना है। तभी हमारा जीवन स्तर में सुधार रहेगा।

क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना के बापू सभाकक्ष में बोर्ड द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता के 22 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बिहार आज खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर गणतंत्र दिवस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें देश भर से सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया था। पूछे गए सवालों के सर्वाधिक सही जवाब देकर 22 प्रतिभागियों ने विजेताओं की सूची में अपना नाम दर्ज किया। सभी विजेताओं को बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी दिलीप कुमार व सहायक लेखा पदाधिकारी

प्रदीप कुमार सिन्हा द्वारा खादी घड़ी, डायरी व कैलेंडर देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार विजेताओं में मोहम्मद अब्दुल अहद, समीर परिमल, पंकज, पूजा गुप्ता, संगीता चौधरी, ऋषभ कुमार, उषा कुमारी कामत, राजू कुमार, काजल शर्मा, स्नेहु, मनीष कुमार, हेमंत नारायण, शिवांगी अभिषेक कुमार, निखिल राजपूत, सोनू कुमार, अबसर नजाकत, मनोहर कुमार, कृष्णा कुमारी, संगीता सिन्हा, पिंटू कुमार, नीरज कुमार सिंह और संजय सिन्हा शामिल रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण के उपरांत सभी विजेताओं ने खादी मॉल का भ्रमण किया जहां बिहार खादी एवं हस्तनिर्मित उत्पादों ने उनका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। समय-समय पर युवाओं का मनोबल बढ़ाए रखने तथा खादी के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड पटना द्वारा ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से विशेष कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस मौके पर वस्तु एवं सेवाकर के उप आयुक्त समीर परिमल, खादी मॉल प्रबंधक रमेश कुमार एवं अन्य कर्मचारी अब्बास रिजवी, रवि प्रकाश, प्रियंका, विनय कुमार, सुभाष कुमार, आरती, दीपांजलि, अंकिता, अफजल आलम, कुमार विकास आदि मौजूद रहे।

अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। महाज्योर्तिवैज्ञानिक वराहमिहिर स्मृति अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन 11 से 21 मार्च को रात्रि 8:30 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। यह संस्कृत सम्भाषण शिविर अति विशिष्ट होने वाला है क्योंकि इसमें दस दिवस तक निरन्तर महाज्योर्तिवैज्ञानिक आचार्य वराहमिहिर के जीवन और कृतित्व के साथ-साथ ज्योतिष विद्या के विविध बिंदुओं पर चर्चा-परिचर्चा सह संस्कृत बोलना भी सिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम में उद्घाटनकर्ता के रूप में उत्तर प्रदेश के गृह विभाग के विशेष सचिव डॉ. अनिल कुमार सिंह होंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा प्रशिक्षक आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा के द्वारा किया जाएगा। साथ ही वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक यथा डॉ. मिथिलेश झा, शैलेन्द्र सिंहा, डॉ. अनिल चौबे, धर्मेन्द्र पति त्रिपाठी संयुक्त निदेशक, पेंशन विभाग, उत्तरप्रदेश, पत्रकार एवं संपादक महेश मिश्र, उग्र नारायण झा आदि विद्वानों का सान्निध्य भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी तथा आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय संयोजक पिंटू कुमार के द्वारा सम्पन्न होगा। स्वागताध्यक्ष आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय संयोजिका एवं सह आचार्या, संस्कृत विभाग, गंगा देवी महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के डॉ. रागिनी वर्मा के द्वारा किया जायेगा।

जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी का मना ज्ञान कल्याणक महोत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रविवार को श्री चन्द्रप्रभु जी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, जियातमोलीन की गली, मंदिर पटना में धूमधाम के साथ भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः जिनमन्दिर में मंगलाष्टक से प्रारम्भ हुई, इसके पश्चात भगवान का अभिषेक तथा वृहद शांतिधारा की गई। इसके बाद भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी की ज्ञान कल्याणक की पूजा कर भव्य मंगल आरती की गई। मौके पर बिहार दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के सचिव पराग जैन ने बताया कि इस चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर में विराजमान सभी भगवान की प्रतिमायें लगभग 600 वर्ष से भी अधिक प्राचीन एवं अतिशयकारी होने के कारण यहां दर्शनार्थ जैन तीर्थ यात्री आते रहते

हैं। एम पी जैन ने बताया कि कार्यक्रम में विनोद जैन, विजय जैन, सोनु जैन, सवि जैन, मंजू जैन, नेहा जैन, नैतिक जैन एवं स्थानीय जैन समाज उपस्थित थे। एम पी जैन ने बताया कि जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का ज्ञान कल्याणक फागुन कृष्ण सप्तमी को मनाया जाता है। भगवान चंद्रप्रभु का जन्म वाराणसी के चंद्रपुरी में हुआ था। उनका जन्म पौष कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि को हुआ था। चंद्रप्रभु भगवान के बारे में एक और बात यह है कि चंद्रमा की तरह संसार के भौतिक सुख और इच्छाएं बढ़ती-घटती रहती हैं। जन्म से मृत्यु तक जीवन-कलाएं घटती-बढ़ती रहती हैं, इसलिए ये नश्वर हैं। इस नश्वर संसार में भी चंद्रमा हमें आभायुक्त बने रहने का संदेश देता है। अगर शुभ भावों का उदय होगा तो जीवन विकसित होता हुआ एक दिन पूर्णिमा तक पूर्णोदय प्राप्त हो जाएगा।

बिहार की सभी 40 सीटों पर महागठबंधन की होगी जीत : पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। महागठंबधन के आह्वान पर पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जन विश्वास महारैली को सफल बनाने में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की महती भूमिका रही। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के एक लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रैली को भाकपा की तरफ से राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड डी. राजा, राज्य सचिव कॉमरेड रामनरेश पाण्डेय, राज्य सचिवमंडल सदस्य कॉमरेड अवधेश कुमार राय और विधायक कॉमरेड रामरतन सिंह ने संबोधित किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव कॉमरेड डी. राजा ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए केन्द्र की सत्ता से भाजपा को हटाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संविधान और लोकतंत्र पर हमले किये जा रहे हैं। धर्मनिरपेक्षता को समाप्त कर रही है। देश को बचाने के लिए केन्द्र की सत्ता से मोदी सरकार को हटाना है और बिहार में महागठबंधन को जिताना है। भाजपा की केन्द्र से विदाई होगी और इंडिया गठबंधन की सरकार केन्द्र में बनेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार आर.एस.एस. के इशारे पर चलती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आर एस एस के एजेंडों को लागू कर रहे है। उन्होंने मोदी की गारंटी पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी की गारंटी छलावा है। मोदी के राज में गरीबों पर लगातार हमले हो रहे हैं। मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास नारे के साथ सत्ता में आयी थी, लेकिन इस सरकार में पूंजीपतियों का विकास हो रहा है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने किया शिक्षाविदों के मिलन सभा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने पटना में शिक्षाविदों की मिलन सभा और सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया। इस आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सविता ओझा द्वारा स्वागत भाषण के साथ आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में शिक्षकों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इसके बाद कार्यक्रम के अतिथि पटना की मेयर सीता साहू, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, डीजी पटना विकाश वैभव, बीजेपी एनआरआई सेल के संयोजक मनीष सिन्हा, राष्ट्रीय जन लोक पार्टी के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह

व अकाश शर्मा द्वारा शिक्षाविदों को उनके मेहनत और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता कुमार रौशन ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं इस कार्यक्रम के अपने सभी सहभागियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके समर्थन के लिए हृदय से धन्यवाद देते हैं। मौके पर करुणा कंदरा, भानु प्रताप सिंह, अंकुर शर्मा, तरुण प्रताप सहित नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय से जुड़ी टीम के लोगों की उपस्थिति रही।

मतदाता सूची में नाम चेक करने के लिए आज से चलेगा अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देश पर आज से पूरे राज्य भर में मतदाता सूची में अपना नाम सत्यापित करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर सोमवार को सभी बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) को बूथ पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। आम लोगों से अपील की जा रही है कि बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जाकर जरूर चेक कर लें। कई बार देखने में आता है कि किसी विसंगति वश नाम कट जाता है किंतु मतदाता इससे अनभिज्ञ रहते हैं, ऐसी स्थिति में मतदान के दिन ऊहापोह की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।इसलिए जो लोग अपना नाम चेक करने के लिए कल बूथ नहीं जा सकते हैं वे कम से कम इतना कार्य जरूर करें कि गूगल प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कर उसमें अपना नाम जरूर सत्यापित कर लें, किसी भी विसंगति की स्थिति में अपने बीएलओ को बताएं या निर्वाचन हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल करें। अपना नाम सत्यापित करने के उपरांत मतदाता इस बात का जिक्र अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर भी जरूर कर दें कि उन्होंने अपना नाम चेक कर लिया है ताकि उनसे अन्य लोग भी प्रेरणा ले सकें।

महागठबंधन की जन विश्वास रैली मात्र भ्रष्टाचारियों, परिवारवादियों का जमावड़ा : भीम सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के उपाध्यक्ष और नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने आज महागठबंधन की जन विश्वास रैली को पूरी तरह फ्लॉप बताते हुए कहा कि यह रैली विरोधाभासियों, भ्रष्टाचारियों, परिवारवादियों का जमावड़ा भर था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस रैली को जनता ने नकार दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस रैली के जरिए प्रदेश में

सामाजिक वैमनस्यता फैलाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसमें आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे तो आपातकाल का विरोध करने वाले लालू प्रसाद भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस रैली को जनता ने नकार दिया। सिंह ने आगे कहा कि संसाधनों के बल पर इस रैली में भीड़ जुटाई गई थी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने सत्ता में रहकर जो धनोपार्जन किया गया है उसी का इस रैली के लिए उपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ने अपनी रैली में शामिल भाकपा माले को कभी मुडकटवा पार्टी तक कहते थे, आज साथ हैं। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि लालू और तेजस्वी अब लाख कोशिश कर लें, लेकिन अब बिहार पुराने दौर में नहीं लौटने वाला है यह मोदी जी की गारंटी है। बिहार की जनता भी अब बिहार को उस दौर में नहीं लाने को लेकर दृढ़संकल्पित है। इधर, विधान पार्षद और प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता जनक राम ने कहा कि लालू प्रसाद नौवां पास बेटे को उप मुख्यमंत्री बनवा दिया। इसे लेकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि अब बिहार के दलित गुमराह नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के दलित राजद का वह समय नहीं भूले हैं जब दलितों का कत्लेआम करवाया जाता था। श्री राम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ सबका विकास की बात कर उनकी व्यवस्था में सुधार लाने का काम कर रहे हैं और महागठबंधन के नेता नफरत फैलाकर सत्ता में आने का प्रयास करने में जुटे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि महागठबंधन के नेताओं का सपना कभी पूरा नहीं होने वाला है। इस प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया संयोजक दानिश इकबाल, सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू और प्रेस पैनलिस्ट पूनम सिंह उपस्थित थी।

CMYK

महंगाई और प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ना एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था की निशानी

अर्थव्यवस्था के तेज विकास और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावों के बीच हकीकत यह है कि पिछले बारह-तेरह सालों में लोगों का घरेलू खर्च बढ़ कर दोगुने से अधिक हो गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के मुताबिक मौजूदा कीमतों पर शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति औसत घरेलू खर्च 2011-12 के 2,630 रुपए से बढ़ कर 2022-23 में दोगुने से अधिक यानी 6,459 रुपए हो गया है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में यह 1,430 रुपए से बढ़कर 3,773 रुपए हो गया है। इसमें यह भी जाहिर हुआ है कि गैर-खाद्य वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है, जबकि खाद्यान्न पर खर्च पहले की तुलना में कम हुआ है। फलों, सब्जियों, दूध, मछली, खाद्य तेल आदि पर खर्च बढ़ा है। इसी तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, वस्त्र और दूसरी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है। इसकी एक वजह तो यह बताई जा रही है कि कोविड के समय शहरों से गांवों की तरफ लौटे लोगों के कृषि क्षेत्र में समाहित हो जाने से उस क्षेत्र का औसत उपभोग खर्च बढ़ा है। मगर यही तर्क शहरी खर्च बढ़ने पर लागू नहीं होता। यह तब है, जब सरकार लगातार महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। इन आंकड़ों के समांतर दावा यह भी है कि गरीबी में पांच फीसद की कमी आई है। बहुआयामी गरीबी से करीब तेईस करोड़ लोगों के बाहर निकलने का आंकड़ा भी कुछ दिनों पहले चर्चा में था। इन सबके बीच एक तथ्य यह भी है कि प्रति व्यक्ति आय में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक आय भी लगभग उतनी ही है, जितना प्रति व्यक्ति मासिक खर्च है। मगर इससे प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति खर्च का समीकरण संतुलित नहीं होता। ज्यादातर परिवारों में एक ही व्यक्ति कमाने वाला होता है, जबकि उस पर निर्भर औसतन तीन लोग होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के बीच सरकार का दावा है कि वह बयासी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराती है। यानी प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू व्यय के औसत में इस आबादी का हिस्सा भी शामिल है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि यह सर्वेक्षण ग्यारह सालों बाद आया है, इसलिए इसमें प्रति व्यक्ति खर्च ऊंचे स्तर पर नजर आ रहा है। महंगाई और प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ना एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था की निशानी माना जाता है। मगर इसके साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में भी समतुल्य बढ़ोतरी दर्ज होना आवश्यक है। विचित्र है कि प्रति व्यक्ति आय उस अनुपात में नहीं बढ़ रही है, जिस अनुपात में महंगाई और घरेलू खर्च बढ़ रहा है।

ई-कोर्ट मिशन मोड परियोजनाः एक डिजिटल क्रांति

विकल्प मिश्रा
अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय

किसी भी प्रकार की क्रांति के लिए सामूहिक शक्ति, एकीकृत ऊर्जा और सक्रिय एवं समावेशी बदलाव की मांग की आवश्यकता होती है। डिजिटल क्रांति के उदय के साथ, तकनीकी युग अपनी लय को नया रूप दे रहा है। लोग तकनीक से गहराई से जुड़े हुए हैं, क्योंकि यह उनके जीवन के हर पहलू में सहजता से एकीकृत हो गया है।

तकनीकी प्रगति के लाभों का उपयोग करने के लिए, ई-कोर्ट परियोजना की संकल्पना राष्ट्रीय ई-शासन योजना के एक भाग के रूप में की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य ÷भारतीय न्यायपालिका में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय नीति व कार्य योजना÷ के आधार पर भारतीय न्यायपालिका का आईसीटी विकास करना है।

न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार और ई-समिति, सर्वोच्च न्यायालय के बीच एक संयुक्त साझेदारी में ई-कोर्ट परियोजना को विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण के तहत संबंधित उच्च न्यायालयों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।

इस परियोजना का पहला चरण, मुख्य रूप से अदालतों में कम्प्यूटरीकरण और आंतरिक संचार-संपर्क को बढ़ाने पर केंद्रित था। इसमें एलएएन की स्थापना, राष्ट्रीय ई-कोर्ट पोर्टल का शुभारंभ और 14,249 जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों का कम्प्यूटरीकरण शामिल था। चरण-I में निर्मित बुनियाद को आगे बढ़ाते हुए परियोजना का चरण-II 2015 से 2023 तक जारी रहा। इस चरण में नागरिक-केंद्रित ई-सेवाओं पर जोर देते हुए अदालतों की तकनीकी सक्षमता की गति को बनाए रखा गया। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, अदालत परिसर में ई-फाइलिंग और पूरक सेवाओं में सहायता प्रदान करने के लिए 880 ई-सेवा केंद्र स्थापित किए गए। इसके अलावा, 99.4त्न अदालत परिसर डब्ल्यूएएन के माध्यम से जोड़े गए और 18,735 जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय कम्प्यूटरीकृत किए गए। ई-कोर्ट एमएमपी ने न्यायिक क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उदाहरण के लिए, ट्रैफिक चालान मामलों को निपटाने के लिए, 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 25 वर्चुअल कोर्ट स्थापित किए गए हैं। इन अदालतों में 4.24 करोड़ से अधिक मामलों की सुनवाई हुई है और 47 लाख से अधिक मामलों में 492.79 करोड़ रुपये से अधिक का ऑनलाइन जुर्माना प्राप्त किया गया है।

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, उच्च न्यायालयों के साथ-साथ जिला और अधीनस्थ अदालतों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 3 करोड़ सुनवाई की, जिसे उल्लेखनीय कहा जा सकता है। उक्त परिस्थितियों में, सर्वोच्च न्यायालय ने 6,24,427 सुनवाई की। अदालती कार्यवाही तक पहुंच बढ़ाने के लिए, सर्वोच्च न्यायालय और 7 उच्च न्यायालयों में लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की गई।

ई-कोर्ट चरण I और चरण II की उपलब्धियों के आधार पर और डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण के अनुरूप, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ई-कोर्ट चरण III के लिए 7,210 करोड़ रुपये का पर्याप्त बजट आवंटित किया, ताकि ई-कोर्ट परियोजना के तहत प्रौद्योगिकी सक्षमता के माध्यम से न्यायिक अवसंरचना को और अधिक विस्तार दिया जा सके तथा मजबूत किया जा सके।

ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण में एक ऐसी न्यायिक प्रणाली की परिकल्पना की गई है जो सभी के लिए और भी किफायती, सुलभ तथा पारदर्शी हो। हितधारकों की बड़े पैमाने पर, विविधतापूर्ण और लगातार विकसित होती जरूरतों एवं प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास को देखते हुए, चरण III का विशेष ध्यान प्रौद्योगिकी को अपनाने और एक मजबूत शासन व्यवस्था प्रदान करने पर है। यह न्यायिक प्रणाली के लिए एक ऐसी अवसंरचना की परिकल्पना करता है, जो स्वाभाविक रूप से डिजिटल हो। यह केवल दस्तावेज-आधारित प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल वातावरण की दिशा में परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक भी है, जिसमें पेपरलेस कोर्ट, एआई और ऑनलाइन विवाद समाधान जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का एकीकरण जैसे नए तत्व शामिल किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत की गयी है। लक्ष्य है- सभी के लिए न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना, जैसा संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 में निहित है। इसका उद्देश्य एक सुलभ और लागत प्रभावी न्याय प्रणाली स्थापित करना है तथा एक नए और सशक्त भारत को बढ़ावा देना है, जहां आम नागरिक के लिए संवैधानिक अदालतों तक पहुंच पहले से कहीं अधिक आसान हो।

बी.आर. अम्बेडकर के शब्दों में, न्याय को, अपने वास्तविक सार में, उत्पीड़ितों की रक्षा के लिए एक ढाल के रूप में और वंचित समुदाय के लिए आशा की किरण के रूप में काम करना चाहिए। यह निष्पक्ष, सत्ता के प्रति अडिग और जाति, पंथ या सामाजिक स्थिति के भेदभाव के बिना सभी के लिए सुलभ होना चाहिए।÷ केवल न्याय के माध्यम से ही हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं, जो प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, समानता और मौलिक अधिकारों की रक्षा करता हो।

1902 में स्वामी श्रद्धानंद जी ने शुरू किया था गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय

मुंशी अमन सिंह की जमींदारी हरिद्वार से सटे पहाड़ियों में स्थित कांगड़ी गांव में थी। कांगडी स्थापना के समय बिजनौर जनपद का हिस्सा था। ऐसी ही जगह पहाड़ियों में महात्मा पंजाब के आर्य सन्यासी मुंशीराम का गुरुकुल बनाने का सपना और संकल्प था। उनके सपने और संकल्प को पूरा करने का काम बिजनौर के मुंशी अमर सिंह अपनी कांगडी गांव की पूरी जमींदारी दान करने पूरा किया। 19वीं शताब्दी में भारत में दो प्रकार की शिक्षा पद्धतियाँ प्रचलित थीं। पहली पद्धति ब्रिटिश सरकार द्वारा अपने शासन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित की गई सरकारी स्कूलों और विश्वविद्यालयों की प्रणाली थी और दूसरी संस्कृत, व्याकरण, दर्शन आदि भारतीय वाङ्मय की विभिन्न विद्याओं को प्राचीन परंपरागत विधि से अध्ययन करने की पाठशाला पद्धति।

अशोक मधुप

यूपी के बिजनौर में चौधरी अमन सिंह की जमीन पर बना गुरूकुल विश्वविद्यालय गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय देश का जाना- माना विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 04 मार्च 1902 को स्वामी श्रद्धानंद जी ने की थी। आज इसमें कई हजार छात्र वैदिक और प्राचीन विद्याओं के साथ आधुनिक शिक्षा भी ग्रहण करते हैं। गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय ज्वालापुर का केम्पस हरिद्वार से चार किलोमीटर दूर दक्षिण में है। इसके तीन संभाग है। मुख्य कैम्पस हरिद्वार(केवल पुरुषों के लिए है),2. कन्या गुरुकुल महाविद्यालय हरिद्वार/ केवल कन्याओं के लिए है, 3. कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून- केवल कन्याओं के लिए, 4 अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संकाय (बहारदराबाद, हरिद्वार) - केवल लड़कों के लिए है। आज इसमें हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। इसका अपना बहुत बड़ा संकाय है, किंतु इसके अध्ययन करने वाले यह नहीं जानते कि इसकी स्थापना के लिए बिजनौर के रहने वाले चौधरी अमन सिंह ने अपना 1200 बीघा जमीन का कागड़ी गांव और अपने पास एकत्र सम्पूर्ण राशि ?11000 इसकी स्थापना के समय इस विद्यालय को दान की थी।

मुंशी अमन सिंह की जमींदारी हरिद्वार से सटे पहाड़ियों में स्थित कांगड़ी गांव में थी। कांगडी स्थापना के समय बिजनौर जनपद का हिस्सा था। ऐसी ही जगह पहाड़ियों में महात्मा पंजाब के आर्य सन्यासी मुंशीराम का गुरुकुल बनाने का सपना और संकल्प था। उनके सपने और संकल्प को पूरा करने का काम बिजनौर के मुंशी अमर सिंह अपनी कांगडी गांव की पूरी जमींदारी दान करने पूरा किया।

19वीं शताब्दी में भारत में दो प्रकार की शिक्षा पद्धतियाँ प्रचलित थीं। पहली पद्धति ब्रिटिश सरकार द्वारा अपने शासन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित की गई सरकारी स्कूलों और विश्वविद्यालयों की प्रणाली थी और दूसरी संस्कृत, व्याकरण, दर्शन आदि भारतीय वाङ्मय की विभिन्न विद्याओं को प्राचीन परंपरागत विधि से अध्ययन करने की पाठशाला पद्धति। अतः सरकारी शिक्षा पद्धति में भारतीय वाङ्मय की घोर उपेक्षा करते हुए अंग्रेजी तथा पाश्चात्य साहित्य और ज्ञान विज्ञान के अध्ययन पर बल दिया गया। इस शिक्षा पद्धति का प्रधान उद्देश्य मेकाले के शब्दों में भारतीयों का एक ऐसा समूह पैदा करना था, जो रंग तथा रक्त की दृष्टि से तो भारतीय हो, परंतु रुचि, मति और अचार-विचार की दृष्टि से अंग्रेज हो। इसलिए यह शिक्षापद्धति भारत के राष्ट्रीय और धार्मिक आदर्शों के प्रतिकूल थी। दूसरी शिक्षा प्रणाली, पंडितमंडली में प्रचलित पाठशाला पद्धति थी। इसमें यद्यपि भारतीय वाङ्मय का अध्ययन कराया जाता था, तथापि उसमें नवीन तथा वर्तमान समय के लिए आवश्यक ज्ञान विज्ञान की घोर उपेक्षा थी। उस समय देश की बड़ी आवश्यकता पौरस्त्य एवं पाश्चात्य ज्ञान विज्ञान का समन्वयय करते हुए दोनों शिक्षा पद्धतियों के उत्कृष्ठ तत्वों के सामंजस्य द्वारा एक राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना था। इस महत्वपूर्ण कार्य का संपन्न करने में गुरुकुल काँगड़ी ने बड़ा सहयोग दिया। गुरुकुल के संस्थापक महात्मा मुंशीराम पिछ्ली शताब्दी के भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण में असाधारण महत्व रखने वाले आर्यसमाज के प्रवर्तक महर्षि दयानंद (1824-1883 ई.) के सुप्रसिद्ध ग्रंथ %सत्यार्थ प्रकाश में प्रतिपादित शिक्षा संबंधी विचारों से बड़े प्रभावित हुए। उन्होंने 1897 में अपने पत्र सद्धर्म प्रचारक द्वारा गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के पुनरुद्धार का प्रबल आन्दोलन आरम्भ किया। 30 अक्टूबर 1898 को उन्होंने इसकी विस्तृत योजना रखी। नवंबर, 1898 ई. में पंजाब के आर्य समाजों के केंद्रीय संगठन आर्य प्रतिनिधि सभा ने गुरुकुल खोलने का प्रस्ताव स्वीकार किया। महात्मा मुंशीराम ने यह प्रतिज्ञा की कि वे इस कार्य के लिए, जब तक 30,000 रुपया एकत्र नहीं कर लेंगे, तब तक अपने घर में पैर नहीं रखेंगे। तत्कालीन परिस्थितियों में इस दुस्साध्य कार्य को अपने अनवरत उद्योग और अविचल निष्ठा से उन्होंने आठ मास में पूरा कर लिया। 16 मई 1900 को पंजाब के गुजराँवाला स्थान पर एक वैदिक पाठशाला के साथ गुरुकुल की स्थापना कर दी गई। किन्तु महात्मा मुंशीराम को यह स्थान उपयुक्त प्रतीत नहीं हुआ। वे शुक्ल यजुर्वेद के एक मंत्र (26.15) उपह्वरे गिरीणां संगमे च नदीनां धिया विप्रो अजायत के अनुसार नदी और पर्वत के निकट कोई स्थान चाहते थे। इसी समय बिजनौर के रहने वाले नजीबाबाद में बसे धर्मनिष्ठ रईस मुंशी अमनसिंह जी के मन में शिक्षा के लिए अपनी 1200 बीघे की जमींदारी दान करने की इच्छा हुई । उन्होंने इस कार्य के लिए महात्मा मुंशीराम जी संपर्क किया और 1,200 बीघे का अपना कांगड़ी ग्राम दान दिया। हिमालय की उपत्यका में गंगा के तट पर सघन रमणीक वनों से घिरी कांगड़ी की भूमि गुरुकुल के लिए आदर्श थी। अत- यहाँ घने जंगल साफ कर कुछ छप्पर बनाए गए और होली के दिन सोमवार, चार मार्च 1902 को गुरुकुल गुजराँवाला से कांगड़ी लाया गया। गुरुकुल का आरम्भ 34 विद्यार्थियों के साथ कुछ फूस की झोपड़ियों में किया गया। पंजाब की आर्य जनता के उदार दान और सहयोग से इसका विकास तीव्र गति से होने लगा। 1907 ई. में इसका महाविद्यालय विभाग आरंभ हुआ। 1912 ई. में गुरुकुल कांगड़ी से शिक्षा समाप्त कर निकलने वाले स्नातकों का पहला दीक्षान्त समारोह हुआ। सन 1916 में गुरुकुल काँगड़ी फार्मेसी की स्थापना हुई। आरम्भ से ही सरकार के प्रभाव से सर्वथा स्वतंत्र होने के कारण ब्रिटिश सरकार गुरुकुल कांगड़ी को चिरकाल तक राजद्रोही संस्था समझती रही। 1917 ई. में वायसराय लार्ड चेम्ज़्फ़ोर्ड के गुरुकुल आगमन के बाद इस संदेह का निवारण हुआ। 1921 ई. में आर्य प्रतिनिधि सभा ने इसका विस्तार करने के लिए वेद, आयुर्वेद, कृषि और साधारण (आर्ट्?स) महाविद्यालय बनाने का निश्चय किया। 1923 ई. में महाविद्यालय की शिक्षा और परीक्षा विषयक व्यवस्था के लिए एक शिक्षापटल बनाया गया।

प्रारम्भ से ही गुरुकुल में सब विषयों की शिक्षा राष्ट्रभाषा हिन्दी के माध्यम द्वारा दी जाती थी। विज्ञान, गणित, पाश्चात्य दर्शन आदि विषय भी हिन्दी में ही पढ़ाए जाते हैं। जब सन 1907 में महाविद्यालय विभाग खुला तो उसमें भी हिन्दी को ही माध्यम रखा गया। उस समय हिन्दी में उच्च शिक्षा देना एक असम्भव बात समझी जाती थी। क्योंकि उस समय उच्च शिक्षा की किताबें हिंदी में नहीं थीं। गुरुकुल ने इसे कार्यरूप में परिणत करके दिखा दिया। उस समय आधुनिक विद्वानों की पुस्तकें हिन्दी में नहीं थी। गुरुकुल के उपाध्यायों ने पहले-पहल इस क्षेत्र में काम किया और गुरुकुल के अनेक उच्चकोटि के ग्रन्थ प्रकाशित हुए। प्रो. महेशचरण सिंह की हिन्दी कैमिस्ट्री, प्रो. साठे का विकासवाद, श्रीयुत गोवर्धन की भौतिकी और रसायन, प्रो. रामशरणदास सक्सेना का गुणात्मक विश्लेषण, प्रो. सिन्हा का वनस्पतिशास्त्र, प्रो. प्राणनाथ का अर्थशास्त्र, राष्ट्रीय आय-व्यय शास्त्र और राजनीतिशास्त्र, प्रो. बालकृष्ण का अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र और प्रो. सुधाकर का मनोविज्ञान हिन्दी में अपने-अपने विषय के पहले ग्रन्थ हैं। हिन्दी में वैज्ञानिक ग्रन्थों की रचना ही गुरुकुल द्वारा प्रारम्भ हुई। इन वैज्ञानिक ग्रन्थों के अतिरिक्त अन्य भी बहुत से उच्चकोटि के ग्रन्थ गुरुकुल द्वारा प्रकाशित हुए। प्रो. रामदेव ने भारतीय इतिहास के संबंध में मौलिक अनुसंधान कर अपना प्रसिद्ध भारतवर्ष का इतिहास प्रकाशित किया।

लोकसभा चुनाव 2024: झारखंड के सिंहभूम लोकसभा सीट पर कभी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहा

1962 में हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी ने ही जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार झारखंड पार्टी ने अपने उम्मीदवार को बदल दिया था। इस बार यहां से हरिचरण सोय ने इस सीट पर जीत दर्ज की। उन्हें कुल 29.6 फीसदी मत मिले थे जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाखों बोथरा को 26.5 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। 1967 के लोकसभा चुनाव में यहां से निर्दलीय प्रत्याशी के बिरजू ने जीत दर्ज की थी, जिन्हें कुल 21.8 फीसदी मत मिले थे जबकि भारतीय जनसंघ को 19.3, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 16.7 और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी को 16.5 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। 1971 की हुए लोकसभा चुनाव में ऑल इंडिया झारखंड पार्टी ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी। उन्हें कुल 38.9 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यहां से मोरन सिंह पूर्ति ने जीत दर्ज की थी जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर देवेंद्र नाथ चैंपियन को 24.3 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। 1977 की लोकसभा चुनाव में यहां से ऑल इंडिया झारखंड पार्टी ने जीत दर्ज की।

लोकसभा चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है। इसकी हलचल भी तेज हो गई है। राज्य में प्रमुख राजनीतिक दल अधिकाधिक सीटों पर जीत का दावा भी ठोक रहे हैं लेकिन कोल्हान प्रमंडल के सिंहभूम लोकसभा सीट का गणित कुछ अलग ही है। यह सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यह संसदीय क्षेत्र कभी झारखंड पार्टी का गढ़ हुआ करता था लेकिन अब यहां के मतदाता किसी एक पार्टी या उम्मीदवार पर लगातार भरोसा नहीं दिखाते हैं। इसलिए यह कहा नहीं जा सकता कि यहां किसका पलड़ा भारी है। सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र में सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर और चक्रधरपुर विधानसभा सीटें शामिल हैं। सिंहभूम लोकसभा सीट पर पहली बार 1957 में लोकसभा चुनाव हुए थे। 1952 में देश में पहले लोकसभा चुनाव में सिंहभूम लोकसभा सीट शामिल नहीं थी। 1957 में हुए चुनाव में यहां से झारखंड पार्टी ने जीत दर्ज की। शंभू चरण ने 51.80 मत प्राप्त किया था जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर सीढ़ियां हेंब्रम ने 15.7 फीसदी मत प्राप्त किया था।

1962 में हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी ने ही जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार झारखंड पार्टी ने अपने उम्मीदवार को बदल दिया था। इस बार यहां से हरिचरण सोय ने इस सीट पर जीत दर्ज की। उन्हें कुल 29.6 फीसदी मत मिले थे जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाखों बोथरा को 26.5 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। 1967 के लोकसभा चुनाव में यहां से निर्दलीय प्रत्याशी के बिरजू ने जीत दर्ज की थी, जिन्हें कुल 21.8 फीसदी मत मिले थे जबकि भारतीय जनसंघ को 19.3, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 16.7 और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी को 16.5 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे।

1971 की हुए लोकसभा चुनाव में ऑल इंडिया झारखंड पार्टी ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी। उन्हें कुल 38.9 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यहां से मोरन सिंह पूर्ति ने जीत दर्ज की थी जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर देवेंद्र नाथ चैंपियन को 24.3 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। 1977 की लोकसभा चुनाव में यहां से ऑल इंडिया झारखंड पार्टी ने जीत दर्ज की। हालांकि, इस बार ऑल इंडिया झारखंड पार्टी ने अपनी उम्मीदवार का बदलाव किया था। बेगम समुराई को 70 फीसदी मत प्राप्त हुए थे जबकि इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े मोहन सिंह पूर्ति को 13.5 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। 1980 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम से जनता पार्टी की जीत हुई। यहां से बेगम समुराई ने 31.20 मत प्राप्त कर सीट पर जीत दर्ज की। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आई के खाते में 21.4 फीसदी मत मिले थे।

कांग्रेस ने 1984 में पहली बार जीत दर्ज की: 1984 में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सीट पर जीत दर्ज की। जब उन्होंने बेगम समुराई को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से टिकट दिया। इस बार कांग्रेस को 42.6 फीसदी मत यहां प्राप्त हुए जबकि निर्दलीय के तौर पर देवेंद्र मांझी को 17.7 फीसदी, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को 8.6 फीसदी और भाजपा को 8.3 फीसदी मत प्राप्त हुए। 1989 की लोकसभा चुनाव में भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ही यहां से जीत दर्ज की। बेगम समुराई को 29.3 फीसदी मत प्राप्त हुए थे, जबकि जनता दल को 22.4 झामुमो को 22 फीसदी मत प्राप्त हुए थे।

झामुमो ने 1991 में दर्ज की जीत: 1991 के हुए लोकसभा चुनाव में इस सीट पर झामुमो ने जीत दर्ज की थी। इस सीट से कृष्णा मरांडी ने 35.30 प्रतिशत मत हासिल कर इस सीट पर कब्जा किया था जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विजय सिंह सोए कोई 21.8 फीसदी और भाजपा को 20 फीसदी मत मिले थे।

भाजपा 1996 में पहली दर्ज की जीत: 1996 की हुए लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट से भाजपा ने जीत दर्ज की। इस सीट पर चंद्रसेन सिंकू ने जीत दर्ज किया। इन्हें कुल 20.1 फीसदी वोट मिले थे जबकि झामुमो को 12.5 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 11.2 फीसदी रिपोर्ट प्राप्त हुए थे।

कांग्रेस ने 1998 में फिर किया कब्जा: 1998 की लोकसभा चुनाव में एक बार फिर सिंहभूम सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कब्जा किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विजय सिंह सोय को 35.4 फीसदी वोट मिले जबकि भाजपा को 33.4 फीसदी वोट मिले। झामुमो 23.7 फीसदी मत हासिल किए। 1999 की हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ही इस सीट पर जीती। हालांकि, इस बार भाजपा ने अपने उम्मीदवार को बदला था और लक्ष्मण गिलुआ को इस सीट से मैदान में उतारा था। भाजपा को 1999 के चुनाव में कुल 45.9 फीसदी वोट मिले थे जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 30.9 और झामुमो को 14.8 फीसदी मत प्राप्त हुए थे।

बिहार से अलग होने के बाद पहली बार 2004 में लोकसभा के चुनाव हुए। पहले लोकसभा चुनाव में सिंहभूम की सीट फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खाते में चली गई। यहां से बेगम समुराई ने जीत दर्ज की। यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 42.6 फीसदी वोट मिले। जबकि भाजपा के लक्ष्मण गिलुओ को 31.20 मत ही प्राप्त हुए। जबकि आजसू पार्टी को 2004 के लोकसभा चुनाव में कुल 14 फीसदी वोट प्राप्त हुए।

निर्दलीय उम्मीदवार मधु कोड़ा 2009 में जीते: 2009 के हुए लोकसभा चुनाव में इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार मधु कोड़ा विजयी हुए जबकि भाजपा ने अपने उम्मीदवार को बदलकर बरकुरवार गागराई को मैदान में उतारा। भाजपा को कुल 28.8 फीसदी मत प्राप्त हुए थे जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 16.5 फीसदी वोट मिले थे।

लक्ष्मण गिलुआ ने 2014 में दर्ज की जीत: 2014 में मोदी के लहर का असर सिंहभूम सीट पर भी दिखा और एक बार फिर भाजपा ने लक्ष्मण गिलुआ ने जीत हासिल की। इस बार भाजपा ने यहां से 38.8 फीसदी मत प्राप्त किया जबकि जय भारत समता पार्टी की गीता कोड़ा ने 27.1 प्रतिशत मत प्राप्त किया था। हालांकि, इससे पहले निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर गीता कोड़ा के पति मधु कोड़ा ने 2009 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज किया था।

सांसद गीता कोड़ा के लिए जीत की राह आसान नहीं

2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गीता कोड़ा ने जीत दर्ज की। गीता कोड़ा को कुल 49.8 फीसदी वोट मिले जबकि भाजपा को 40.9 फीसदी मत प्राप्त हुए। हालांकि, अब गीता कोड़ा 26 फरवरी को भाजपा में शामिल हो गई हैं। सांसद गीता कोड़ा के भाजपा में जाने के बाद कोल्हान प्रमंडल में भाजपा को एक मजबूत नेता तो मिल गया है, लेकिन गीता कोड़ा को यदि भाजपा 2024 में लोकसभा चुनाव में सिंहभूम से उम्मीदवार बनाती है, तो यह जीत दर्ज करा पाएंगी यह कह पाना वर्तमान स्थिति को देखते हुए मुश्किल कहा जा सकता है। क्योंकि, सीएम चम्पाई सोरेन भी कोल्हान प्रमंडल के सरायकेला विधानसभा से 2005 से चुनाव जीतते आ रहे हैं। ऐसे में चम्पाई सोरेन का प्रभाव इस पूरे क्षेत्र में है। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और उनकी पत्नी गीता कोड़ा का भी कोल्हान प्रमंडल के कई विधायकों से अच्छे संबंध है। अब देखना यह है कि जिस राह पर गीता कोड़ा चली हैं वह इतनी आसन नहीं है।

बीज का महत्व एवं उत्पादन तकनीकी

प्रदेश के कृषि में बीज गुणता का विशिष्ट महत्व है क्योंकि हमारे यहाँ फसलों की आवश्यकतानुसार सर्वोत्त जलवायु होते हुए भी लगभग सभी फसलों का औसत उत्पादन बहुत ही कम है। जिसका प्रमुख कारण प्रदेश के कृषकों द्वारा कम गुणता वाले बीजों का लगातार प्रयोग है। जिससे फसलों में दी जाने वाली अन्य लागतों का भी हमें पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है। फसलों में लगने वाले अन्य लागत का अधिकतम लाभ अच्छी गुणता वाले बीजों का प्रयोग करके ही लिया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज के प्रयोग से ही लगभग 20 प्रतिशत उत्पादकता/उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

अतः किसान भाईयों को चाहिए कि वे अपनी फसलों के बीज जैस-धान, गेहूं, समस्त दलहनी फसलें एवं राई-सरसों तथा सूरजमुखी को छोड़कर समस्त दलहनी फसलों का बीज प्रत्येक तीन वर्ष में बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।इसी प्रकार ज्वार, बाजरा, मक्का, सूरजमुखी, अरण्डी एवं राई/सरसों की फसलों में प्रत्येक तीन वर्षा पर बीज बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, जिसमें शक्ति और ओज भरपूर हो तथा उसकी अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, जिसमें खेत में जमाव और अन्ततः उपज अच्छी हो।

कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।

अतः किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपने विकास खण्ड से बीज प्राप्त कर अपने पुराने बीजों को बदलते हुए प्रमाणित बीजों से बुवाई करें, जिससे उनकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हो।

शोधित बीज बच जाने पर पुनः प्रयोग करें। बीज प्रयोगशाला से पुनः जमाव परीक्षण कराकर मानक के अनुरूप होने पर पुनः बोया जा सकता है।

देश एवं प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या की जीविका कृषि पर आधारित है। जिसके आर्थिक एवं सामाजिक स्तर में वांछित सुधार केवल खेती के सुदृढ़ीकरण से ही संभव हैं। इन उन्नतिशील प्रजातियों के उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों का टिकाऊ कृषि उत्पादन में उच्च स्थान है। कृषकों को मात्र नवीनतम प्रजातियों के प्रमाणित बीज ही उपलब्ध करा देने से उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

प्रदेश में गेहूं, धन एवं अन्य फसलों की प्रतिस्थापना दर क्रमशः 30, 25, एवं 5-8 प्रतिशत के लगभग हैं जबकि संकर बीजों के प्रयोग से 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती है

बीज

पौधे का वह भाग जिसमें भ्रूण अवस्थित है, जिसकी अंकुरण क्षमता, आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता तथा नमी आदि मानकों के अनुरूप होने के साथ ही बीज जनित रोगों से मुक्त है।

गुणवत्ता

बीजों की गुणवत्ता को वॉछित स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए बीज प्रमाणीकरण का प्राविधान है। जनक बीजों का प्रमाणीकरण गठित समिति द्वारा किया जाता है जबकि

आधारीय एवं प्रमाणिता बीजों का प्रमाणीकरण का उत्तरदायित्व प्रदेश की बीज प्रमाणीकरण संस्था का है। प्रमाणीकरण की प्रक्रिया निम्न चरण में पूर्ण की जाती है।

1. बीज का सत्यापन

आधारीय एवं प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु क्रमशः प्रजनक एवं आधारीय बीजों का प्रयोग आवश्यक है। उसी श्रेणी के बीज से उसी श्रेणी के बीज उत्पादन की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। बीज प्रमाणीकरण संस्था निरीक्षण के समय बिल, भण्डार रसीद तथा टैग से बीज स्रोत का सत्यापन करती है।

2. फसल निरीक्षण

पुष्पावस्था एवं फसल पकने के समय दो निरीक्षण आवश्यक हैं। निरीक्षण के समय बीज फसल में अवॉछित पौधे नहीं होने चाहिए। फसल भी खरपतवार रहित होनी चाहिए। निरीक्षण के समय खेत में जगह-जगह पर काउन्ट लिये जाते हैं। काउन्ट की संख्या खेत क्षेत्रफल तथा एक काउन्ट पौधों की संख्या पर निर्भर करती है। यदि काउन्ट में आवॉदित पौधों की संख्या निर्धारित मानक से अधिक है तो फसल निरस्त कर दी जाती है।

3. प्रयोगशाला परीक्षण

विधायन के उपरान्त प्रत्येक लाट से न्यायदर्श लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया जाता है। जनक बीजों का परीक्षण विश्वविद्यालय की तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकरण संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है। यदि कोई न्यायदर्श बीज मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो उसको निरस्त कर दिया जाता है। आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकर संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है। यदि कोई न्यायदर्श बीज मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो उसकों निरस्त कर दिया जाता है।

4. टैगिंग

विधियन के उपरान्त बीजों को ऐसे आकार के थैलों में भरा जाता है कि उसमें एक एकड़ बुवाई हेतु बीज आ जाय। जनक बीज पर सुनहरी पीले रंग का टैग सम्बन्धित प्रजनक तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों पर क्रमशः सफेद व नीले रंग के टैग बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जाते है।

बीज के प्रकार

केन्द्रीय प्रजाति विमोचन समिति (सी0वी0आर0सी0) के विमोचन एवं भारत सरकार की अधिसूचना के उपरान्त ही बीज उत्पादति किया जा सकता है। अधिसूचित फसलों/प्रजातियों की निम्न श्रेणियॉ होती है।

1. प्रजनक बीज

यह बीज नाभकीय (न्यूक्लियस) बीज से बीज प्रजनक अथवा सम्बन्धित पादक प्रजनक की देखरेख में उत्पादित किया जाता है जिसकी आनुवंशिक एवं उच्च गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह आधारीय बीज के उत्पादन का स्रोत है। इस बीज के थैलों पर सुनहरा पीला (गोल्डन) रंग का टैग लगता है जिसे सम्बन्धित अभिजनक द्वारा जारी किया जाता है।

2. आधारीय बीज

इस बीज का उत्पादन प्रजनक बीज से किया जाता है आवश्यकतानुसार आधारीय प्रथम से आधारीय द्वितीय बीज का उत्पादन किया है। इसकी उत्पादन, संसाधन, पैकिंग, रसायन उपचार एवं लेबलिंग आदि प्रक्रिया बीज प्रमाणीकरण संस्था की देखरेख में मानकों के अनुरूप होती है। इसके थैलों में लगने वाले टैग का रंग सफेद होता है।

3. प्रमाणित बीज

कृषकों को फसल उत्पादन हेतु बेचे जाने वाला बीज प्रमाणित बीज है जिसका उत्पादन आधारीय बीज से बीज प्रमाणीकरण संस्था की देख रेख में मानकों के अनुरूप किया जाता है। प्रमाणित बीज के टैग का रंग नीला होता है।

4. सत्यापित बीज (टी0एल0)

इसका उत्पादन, उत्पादन संस्था द्वारा आधारीय/प्रमाणित बीज से मानकों के अनुरूप किया जाता है। उत्पादन संस्था का लेविल लगा होता है या थैले पर उत्पादक संस्था द्वारा नियमानुसार जानकारी उपलब्ध कराई होती है।

बीज उत्पादन तकनीकी प्रक्रिया

इस विधि में एक योजना बनाकर बीज मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक तरीकों से उत्पादित किया जाता है ताकि उत्पादन, संसाधन, भण्डारण एवं वितरण का कार्य प्रभावी ढंग से निष्पादित एवं बीज की गुणवत्ता बीज के बोने तक बनी रहे। इस प्रक्रिया की निम्न विशेषतायें हैं आनुवंशिक एवं भौतिक रूप से शुद्ध आधार बीज का उपयोग किया जाता है।उन्नत कृषि सस्य विधियों एवं फसल सुरक्षा को अपनाया जाता है।आनुवंशिक या भौतिक संदुषण के स्रोतों से निर्दिष्ट प्रथक्करण दूरी का ध्यान रखा जाता है।अनुपयुक्त पौधों की बीज फसल से समय पर निकाला जाता है।खरपतवार और अन्य फसलों के पौधों को भी समय से निष्कासित किया जाता है ताकि इन बीजों का फसल बीजों में मिश्रण न हो पायें।रोगग्रस्त पौधों को भी समय से रोग फैलाने के पूर्व निकाल दिया जाता है।बीज फसल की कटाई, गहाई, मड़ाई, सफाई आदि में विशेष सावधानी रखी जाती है ताकि यॉत्रिक क्षति एवं मिश्रण न हो।भण्डारण के समय कीट, रोग संक्रमण आदि की रोकथाम हेतु विशेष ध्यान दिया जाता है।आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता की जॉच के लिए परीक्षण किये जाते हैं इसके अतिरिक्त अंकुरण परीक्षण, आद्रता परीक्षण आदि भी किये जाते हैं।बीजों का संसाधन विशेष सर्तकता के साथ किया जाता है ताकि बीजों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनी रहे।संसाधित बीज को उपयुक्त थैलों में भरकर प्रमाण पत्र संलग्न कर सील किया जाता है।न्यून तापमान एवं आद्रता पर बीजों का भण्डारण किया जाता है जिससे रोग एवं कीट से बीज सुरक्षित रहे एवं अंकुरण क्षमता प्रभावित न हो।

फसलों के अवशेष

पौधों के बढ़वार हेतु 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिसमें कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन प्रकृति से प्राप्त होता है ये तत्व पौधों के लगभग 95 प्रतिशत भाग के निर्माण में सहायक हैं। उक्त के अतिरिक्त नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर तथा सूक्ष्म पोषक तत्व के रूप में लोहा, जिंक, आयरन, बोरॉन, मालिब्डेनम, कॉपर, क्लोरीन तत्व पौधों के बढ़वारन एवं उत्पादन में सहायक होते हैं।

उक्त से स्पष्ट है कि पौधों के विभिन्न अंगों (जड़, तना, फूल, फल, दाना आदि) के बढ़ने हेतु उक्त पोषक तत्व पौधों के जड़ों द्वारा, पत्तियों द्वारा, तनों द्वारा मृदा से अथवा

वातावरण से ग्रहण करते हैं। जब किसान भाई खरीफ, रबी जायद की फसलों की कटाई, मढ़ाई करते हैं तो जड़, तना, पत्तियाँ के रूपों में पादप अवशेष भूमि के अन्दर एवं भूमि के ऊपर उपलब्ध होते हैं। इनको यदि लगभग 20 किग्रा0 यूरिया प्रति एकड़ की दर से मिट्टी पलटने वाले हल से/रोटावेटर से जुताई/पलेवा के समय मिला देने से पादप अवशेष लगभग बीस से तीस दिन के भीतर जमीन में सड़ जाते हैं जिससे मृदा में कार्बनिक पदार्थों एवं अन्य तत्वों की बढ़ोत्तरी होती है। फलस्वरूप फसलों के उत्पादन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। यदि भूमि में उक्त विधि से पादप अवशेष मिलाते हैं तो निम्न प्रकार के लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के घट के रूप में फसल अवशेष भी अहम योगदान प्रदान करता है। फलस्वरूप मृदा में कार्बनिक पदार्थ की बढ़ोत्तरी से मृदा जीवाणुओं की क्रियाशीलता बढ़ती है जिसके कारण उत्पादन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।वातावरण को विपरीत परिस्थितियों से बचाने में सहायक है।दलहनी फसलों के फसल अवशेष भूमि में नत्रजन एवं अन्य पोषक तत्वों की मात्रा को बढ़ाने में सहायक हैं।फसल अवशेष कम्पोस्ट खाद बनाने में सहायक है जो कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक क्रियाओं में लाभदायक है।पादप अवशेष मल्च के रूप में प्रयोग करने में मृदा जल संरक्षण के साथ-साथ फसलों को खरपतवारों से बचाने में सहायक है।मृदा के जीवांश में हो रहे लगातार ह्रास को कम करने में योगदान करता है।मृदा जलधारण क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। मृदा वायु संचार में बढ़ोत्तरी होती है।

कृषक भाई यदि फसल अवशेष जलाते हैं तो उनसे होने वाली हानियां निम्नवत हैं

फसलों के अवशेषों को जलाने से उनके जड़, तना, पत्तियों में संचित लाभदायक पोषक तत्वों का नष्ट हो जाना।फसल अवशेषों को जलाने से मृदा ताप में बढ़ोत्तरी होती है जिसके कारण मृदा के भौतिक, रसायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।पादप अवशेषों में लाभदायक मित्र कीट जलकर मर जाते हैं जिसके कराण वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।पशुओं के चारे की व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जहाँ पर कम्बाईन का प्रयोग फसलों के कटाई में करते हैं वहाँ पर फसलों के अवशेष डण्ठल के रूप में खड़े होते हैं एवं उनके जलाने पर नजदीक के किसानों के फसलों में आग लगने की संभावना बनी रहती है जिससे खड़ी फसल एवं आबादी में अग्निकाण्ड होने की संभावना बनी रहती है, वहीं आस-पास के खेत व खलिहान तथा मकान में भी अग्निकाण्ड के कारण अत्यधिक नुकसान उठाना पड़ता है। अतः प्रदेश के कृषकों से अनुरोध है कि किसी भी फसल के अवशेष को जलायें नहीं बल्कि मृदा में कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि हेतु पादप अवशेषों को मृदा में मिलावें/ सड़ावें। फसलों की कटाई यदि कम्बाईन मशीन से की जाती है तो किसान भाई रीपर युक्त कम्बाईन मशीन का ही प्रयोग करें।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की कुर्सी को खतरा

एआई जेमिनी की नाकामी के बाद उठ रहे हैं सवाल, एआई की होड़ में काफी पिछड़ चुकी है गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के भारतीय मूल के सीईओ सुंदर पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। नवंबर 2022 में जब ओपनएआई और चैटजीपीटी रिलीज किया था तो गूगल पर दबाव बढ़ गया था। गूगल ने इसके जवाब में एआई चैटबॉट जेमिनी लॉन्च किया। लेकिन इसे अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है और यह एक तरह से हास्य का पात्र बनकर रह गया है। यही वजह है कि पिचाई पर दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं या फिर कंपनी उन्हें निकाल सकती है। पिचाई 2022 में अमेरिका में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ थे। उन्हें 22.6 करोड़ डॉलर की सैलरी मिली। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो यह करीब 18,84,39,13,900 रुपये बैठती है। यानी पिचाई की रोजाना की कमाई पांच करोड़ रुपये से अधिक रही।

जेमिनी के एआई इमेज जेनरेशन टूल की इतनी आलोचना हुई कि उसने इस फीचर को अपने चैटबॉट से हटा लिया है। कंपनी का कहना है कि इसे दुरुस्त करने के बाद ही बहाल किया जाएगा। पिचाई ने भी त्दद्भद्बठ्ठद्ब से हुई गलतियों को स्वीकार किया है। इसे ठीक किया जा रहा है और हमारी टीम लगातार इस मामले को ठीक करने के लिए 24 घंटे काम कर रही है। इस बीच गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में भी गिरावट आई है। इससे पहले जेमिनी के पिछले अवतार बार्ड में भी कई खामियां सामने आई थी। इससे गूगल की कल्चर पर भी सवाल उठने लगे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि कंपनी आधे-अधूरे प्रॉडक्ट्स बाजार में लॉन्च कर रही है। इस कारण अब कंपनी के सीईओ पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है।

कल्चर पर उठ रहे सवाल

दरअसल गूगल की पहचान एक ऐसी कंपनी की रही है जो ठोक-बजाकर अपना माल बाजार में उतारती है। लेकिन बार्ड और अब जेमिनी की नाकामी ने कंपनी के बारे में इस धारणा को चूर-चूर कर दिया है। निवेशकों के बीच यह धारणा बन रही है कि गूगल एआई की रेस में पिछड़ चुकी है। एनालिस्ट बेन थॉमसन ने अपने पब्लिकेशन स्ट्रैटचेरी ने कहा कि गूगल को अपनी संस्कृति में बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गूगल ने जेमिनी का इमेज जेनरेशन टूल को बंद कर दिया है लेकिन इसका टेक्स्ट जेनरेशन टूल भी बेतुका है। गूगल को एआई को डोमिनेट करना चाहिए था लेकिन उसकी सबसे बड़ी बाधा उसका कल्चर है। यही कारण है कि पिचाई के मैनेजमेंट पर सवाल उठ रहे हैं।

पोपलिटी एआई के सीईओ अरविंद श्रीनिवास का कहना है कि अगर पिचाई अपने पद से हटते हैं तो उन्हें ही गूगल का सीईओ नियुक्त करना होगा। इसकी वजह यह है कि वह अल्फाबेट के भी सीईओ हैं। इससे पहले हेलिओस कैपिटल के फाउंडर समीर अरोड़ा ने यह दावा किया था कि जेमिनी एआई के नाकाम होने की वजह से गूगल पिचाई को निकालने का फैसला ले सकती है। एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर समीर अरोड़ा से एआई चैटबॉट जेमिनी को लेकर हुई कंट्रोवर्सी पर ओपनियन मांगा। इस पर जवाब देते हुए अरोड़ा ने लिखा कि पिचाई को निकाल दिया जाएगा या वे इस्तीफा दे देंगे। जेमिनी-एआई को लीड करने के बाद भी वह इस पर पूरी तरह से विफल हो गए हैं, जबकि दूसरी कंपनियों एआई में कहीं आगे निकल गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

अजय देवगन ने खरीदे मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनी के 1 लाख शेयर, 6 महीने में पैसा डबल

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने शेयर बाजार में बड़ा निवेश किया है। 'सिंघम' ने स्मॉलकैप स्टॉक पनोरमा स्टूडियोज़ इंटरनेशनल के एक लाख शेयर खरीदे हैं। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

रेगुलेटरी को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि अलॉटमेंट के जरिए 9 निवेशकों ने 24.66 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने 274 प्रति शेयर के हिसाब से 2.74 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बता दें, शनिवार को स्पेशल सेशन के बंद होने के बाद 949 रुपये के लेवल पर थे।

पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल का 52 वीक हाई 970 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो लेवल 91 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, कंपनी का मार्केट कैप 1181.20 करोड़ रुपये का है।

शेयर बाजार में पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल का प्रदर्शन पिछले 6 महीने के दौरान शानदार रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 271 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो गया है। वहीं, एक साल से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 861 प्रतिशत का फायदा हुआ है।

1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड दे रही हैं कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। सनोफी इंडिया लिमिटेड इस हफ्ते शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। आइए डीटेल्स में जानते हैं कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 7 मार्च 2024 तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम इस दिन कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा।

लगातार डिविडेंड देती आ रही है कंपनी : कंपनी नियमित अंतराल पर डिविडेंड देती आ रही है। कंपनी ने पिछले साल 377 रुपये का डिविडेंड दिया था। 28 अप्रैल को शेयर बाजार में कंपनी एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। इससे पहले 2022 में भी कंपनी ने 500 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में दमदार प्रदर्शन? : शनिवार को स्पेशल सत्र बंद होने के बाद कंपनी के शेयरों को भाव बीएसई में 8736.10 रुपये था। पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, स्टॉक को होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स को अबतक 51 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिला है। बीएसई में कंपनी का 52 वीक हाई 9370.35 रुपये और 52 वीक लो लेवल 5329.70 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 20,119.24 करोड़ रुपये का है।

यूट्यूब का भूत उतारने के लिए मां ने घर से निकाला, आज हैं दुनिया के सबसे बड़े यूट्यूबर, जमकर छाप रहे पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टरबीस्ट के नाम से तो आप वाकिफ होंगे। ऑनलाइन दुनिया में जिम्मी डॉनल्डसन की पहचान मिस्टरबीस्ट के रूप में है। यूट्यूब में टी-सीरीज के बाद मिस्टरबीस्ट के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं। जिस स्पीड से उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ रही है, वह जल्दी ही टी-सीरीज को पछाड़ देंगे। इसकी वजह यह है कि पांच महीने में भी कम समय में उनके सब्सक्राइबर्स की संख्या में 4.2 करोड़ का इजाफा हुआ है। अक्टूबर के मध्य में उनके 20 करोड़ सब्सक्राइबर्स थे जो अब 24.2 करोड़ पहुंच चुके हैं। टी-सीरीज के सब्सक्राइबर्स की संख्या 26 करोड़ है। जिम्मी डॉनल्डसन ने करीब एक दशक पहले 12 साल की उम्र में अपने यूट्यूब करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा लेकिन आज उनके हर वीडियो पर लाखों व्यूज आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 10 करोड़ डॉलर है।

यूट्यूब से उनकी सालाना कमाई 2.6 करोड़ डॉलर से अधिक है। वह अपने यूट्यूब चैनल्स पर विज्ञापनों के जरिए कमाई करते हैं। वह अपने मुख्य यूट्यूब चैनल के लिए 10 लाख डॉलर स्पॉन्सरशिप फीस चार्ज करते हैं। साथ ही वह हरेक महीने मर्केंडाइज के जरिए करीब 25 लाख डॉलर कमाते हैं। डॉनल्डसन का जन्म सात मई 1998 को अमेरिका में नॉर्थ कैरोलाइना के शहर ग्रीनविले में हुआ था। वह 12 साल की उम्र से यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिल रही थी। माइक्रोफोन खरीदने के लिए उन्होंने एक-एक डॉलर बचाए थे। साल 2016 में उन्होंने स्कूल की पढ़ाई छोड़कर मीडिया की सबसे बड़ी पहेली को सुलझाने की कोशिश की। यह पहेली थी कि यूट्यूब पर वीडियो कैसे वायरल होता है। उस समय उनकी उम्र 16 साल थी। वह करीब पांच साल से यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पा रही थी।

मां संभालती है अकाउंट: उन्हें लगा कि वह यूट्यूब के अलगॉरिद्म को अनलॉक करने के काफी करीब हैं। इसके बाद उन्होंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर इस कोड को क्रैक करने की कोशिश की। डॉनल्डसन याद करते हैं, मैं हर समय यूट्यूब के बारे में सोचता था, वीडियो और फिल्ममेकिंग के बारे में सोचता था। यही मेरी दिनचर्या थी। जब उन्होंने स्कूल छोड़ा तो उनकी मां बहुत निराश हुई। मां ने डॉनल्डसन को घर से निकाल दिया था। लेकिन डॉनल्डसन का यह फैसला रंग लाया। साल 2017 में उनके पहले वायरल वीडियो में उन्होंने अपने कमरे में एक चेयर पर बैठकर 100,000 तक गिनती की। इसमें उन्हें 40 घंटे का समय लगा। जैसे-जैसे उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ने लगी उन्हें विज्ञापन भी मिलने लगे। इस कमाई को उन्होंने वीडियो बनाने पर खर्च किया और शानदार तथा बेहतर स्टंट किए। आज यूट्यूब में उनके फॉलोअर्स की संख्या 24 करोड़ पहुंच गई है। टिकटॉक पर भी उनके 9 करोड़ से अधिक और इंस्टाग्राम पर चार करोड़ फॉलोअर्स हैं। साथ ही वह मेटा के नए सोशल ऐप पर 10 लाख फॉलोअर्स हासिल करने वाले वह पहले शख्स थे। उन्होंने मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग से पहले यह उपलब्धि हासिल कर ली थी। उन्होंने इस उपलब्धि हासिल करने का जश्न भी अपने अंदाज में मनाया और रेंडम तरीके से चुने गए एक फैन को टेस्ला की कार गिफ्ट की। आज उनकी मां ही उनका अकाउंट संभालती है।

बायजू कर्मचारियों को नहीं मिली फरवरी की सैलरी, मालिक बोले- हम पैसे देने में असमर्थ

नई दिल्ली, एजेंसी। एडुटेक कंपनी बायजू का संकट बढ़ता जा रहा है। बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन और निवेशकों के बीच विवाद का असर अब कर्मचारियों पर भी पड़ने लगा है। बायजू रवींद्रन ने कहा कि निवेशकों के साथ विवाद के कारण बायजू अपने कर्मचारियों का वेतन देने में असमर्थ है। मतलब ये हुआ कि बायजू के कर्मचारियों को अपने फरवरी के वेतन के लिए इंतजार करना होगा।

रवींद्रन ने कहा कि कुछ निवेशकों की वजह से राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाई गई रकम को एक अलग खाते में रखा गया है। रवींद्रन ने आरोप लगाया कि निवेशकों का छोटा समूह निचले स्तर तक गिर गया है। हम आपकी मेहनत की कमाई का भुगतान करने के लिए जुटाए गए फंड का उपयोग करने में असमर्थ हैं।

निवेशकों ने की कमाई: बायजू रवींद्रन के मुताबिक राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाई गई राशि वर्तमान में एक अलग खाते में बंद है। यह एक दुखद वास्तविकता है कि इनमें से कुछ निवेशकों ने पहले ही पर्याप्त मुनाफा कमा लिया है। इनमें से एक ने अपने शुरुआती निवेश से आठ गुना अधिक मुनाफा कमाया है। बायजू रवींद्रन ने अपने कर्मचारियों से कहा- हम अस्थायी रूप से आपको वह वित्तीय सहायता प्रदान करने में असमर्थ हैं जिसके आप हकदार हैं। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आपके वेतन का भुगतान 10 मार्च तक कर दिया जाए।

राइट्स इश्यू रोकने की मांग: बता दें कि बायजू के निवेशकों ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने अमेरिका में एक अस्पष्ट हेज फंड में 533 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हेराफेरी की। इसके साथ ही 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर के राइट्स इश्यू पर रोक लगाने की मांग की है। निवेशकों का आरोप है कि यह राइट्स इश्यू अवैध और कानून के उलट है। एनसीएलटी ने भी बायजू को राइट्स इश्यू आगे बढ़ाने की सलाह दी थी। हालांकि, यह अनिवार्य नहीं किया था। ऐसे में बायजू ने अपना राइट्स इश्यू आगे बढ़ाने की बजाए 28 फरवरी को बंद कर दिया।

भारत-नेपाल में जल्द शुरू होगी डिजिटल भुगतान सेवा, नए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक के नए दिशानिर्देशों की सराहना करते हुए कहा कि नए निर्देशों से भारत-नेपाल के बीच डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। नए निर्देशों के तहत अब नेपाल के नागरिक प्रति डिजिटल लेनदेन के जरिये 2 लाख रुपये भारत से नेपाल भेज सकते हैं। इसके अलावा वॉक-इन ग्राहक प्रति लेनदेन 50,000 रुपये भेज सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नेपाल में यूपीआई की सुविधा के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस-नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद भारत-नेपाल के बीच नकदी ले जाने असुविधा खत्म हो जाएगी। आरबीआई के नए निर्देशों के मुताबिक, नेपाली खाताधारकों को प्रति लेनदेन 2 लाख रुपये भेजने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा ग्राहक साल में 12 बार व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति होकर 50,000 रुपये की राशि नेपाल भेज सकते हैं। जून 2023 में, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) ने भारत के यूपीआई और नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस को एकीकृत करके दोनों देशों के बीच सीमा पार डिजिटल भुगतान की सुविधा शुरू करने का एलान किया था। इसे नेपाल में एनपीआई नाम दिया जाएगा।

अरबों डॉलर की संपत्ति के मालिक हैं चैटजीपीटी फाउंडर सैम आल्टमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। ओपनएआई के सह-संस्थापक और सीईओ सैम आल्टमैन की कुल संपत्ति दो अरब डॉलर के पार पहुंच गई है। हालांकि हैरानी की बात ये है कि सैम आल्टमैन को दुनिया के सबसे चर्चित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस स्टार्टअप का चेहरा माना जाता है, लेकिन उनकी संपत्ति में इस एआई स्टार्टअप का योगदान नहीं है।

विभिन्न स्टार्टअप में निवेश से बनाई संपत्तिः मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैम आल्टमैन के एआई स्टार्टअप ओपनएआई में कोई हिस्सेदारी नहीं है और सैम आल्टमैन की संपत्ति में बड़ी हिस्सेदारी वेंचर कैपिटल्स फंड और विभिन्न स्टार्टअप में निवेश की है। सैम आल्टमैन ने रेडइट में भी निवेश किया हुआ है और जल्द ही रेडइट के शेयर जारी होने वाले हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि सैम आल्टमैन की संपत्ति में आने वाले महीनों में और इजाफा होगा। ओपनएआई की कुल वैल्यू 86 अरब डॉलर आंकी गई है, लेकिन इसके सीईओ होते हुए भी सैम आल्टमैन के पास इसकी हिस्सेदारी नहीं है और ओपनएआई में सबसे बड़ी हिस्सेदारी 49 फीसदी माइक्रोसॉफ्ट की है।

सैम आल्टमैन की कुल संपत्ति में से 1.2 अरब डॉलर की संपत्ति वेंचर कैपिटल फंड से आती है। आल्टमैन ने 43 करोड़ डॉलर अपॉलो प्रोजेक्ट में निवेश किए हैं। साथ ही रेडइट में आल्टमैन की 8.7 फीसदी हिस्सेदारी है। आल्टमैन ने 50 करोड़ डॉलर न्यूक्लियर फ्यूजन कंपनी हेलियोन एनर्जी इंक में निवेश किए हैं। साथ ही 18 करोड़ डॉलर रेट्रो बायोसाइंस में इन्वेस्ट किए हैं।

मस्क ने सैम आल्टमैन पर किया मुकदमाः टेस्ला और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने ओपनएआई और उसके सीईओ सैम आल्टमैन समेत कंपनी के कई अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा कर दिया है। ये मुकदमा समझौते के कथित उल्लंघन के मामले में दर्ज कराया गया है। हालांकि अभी तक इस मामले में मस्क या सैम आल्टमैन की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। आरोप है कि साल 2015 में ओपनएआई के संस्थापकों ग्रेग ब्रॉकमैन और सैम आल्टमैन ने नॉन प्रॉफिट कंपनी बनाने के लिए एलन मस्क से संपर्क किया था। इस कंपनी को इंसानों के फायदे के लिए एआई तकनीक पर आधारित तकनीक विकसित करने के लिए बनाया गया था। हालांकि ओपनएआई के मुनाफा कमाने पर फोकस करने के चलते ये समझौता टूट गया, जिसके चलते मस्क ने आल्टमैन और ओपनएआई के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

कंपनी के शेयर की कीमत अचानक हुई जीरो, कभी 2700 थी कीमत

डूब गया निवेशकों का सारा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड अब हिंदुजा ग्रुप की हो गई है। पिछले सप्ताह ही नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने हिंदुजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड के 9,650 करोड़ रुपये के समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। इसके बाद नए ऑनर ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड को स्टॉक मार्केट से डी-लिस्ट कराने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि रिलायंस कैपिटल के शेयरों की ना तो ट्रेडिंग हो सकेगी और ना ही निवेशक शेयर होल्ड कर सकेंगे। बता दें कि कंपनी के शेयरों की अंतिम ट्रेडिंग 26 फरवरी को हुई थी। इसकी कीमत 11.90 रुपये है। 2008 में इस शेयर कीमत 2700 रुपये से भी अधिक थी। वर्तमान में यह शेयर 99 प्रतिशत तक टूट चुका है।

क्या है डिटेलः रिलायंस कैपिटल ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा- कंपनी के इक्विटी शेयरधारक का परिसमापन मूल्य शून्य है और इसलिए, इक्विटी शेयरधारक कोई भुगतान प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे। वहीं, रिलायंस कैपिटल के किसी भी शेयरधारक को कोई प्रस्ताव नहीं दिया जाएगा। आसान भाषा में समझें तो रिलायंस कैपिटल की डी-लिस्टिंग के बाद इक्विटी शेयरहोल्डर्स को कोई भी पेमेंट नहीं मिलेगा।

बीते मंगलवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने रिलायंस कैपिटल पर नियंत्रण के लिए हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स की तरफ से पेश 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दे दी। इसमें कर्जदाताओं को 63 प्रतिशत बकाया का नुकसान उठाना पड़ेगा। कंपनी के खिलाफ किए गए 38,526.42 करोड़ रुपये के कुल दावों में से सिर्फ 26,086.75 करोड़ रुपये के दावों को ही न्यायाधिकरण ने स्वीकार किया है। बोली प्रक्रिया में विजेता घोषित की गई आईआईएचएल ने स्वीकृत दावों का सिर्फ 37 प्रतिशत यानी 9,661 करोड़ रुपये ही चुकाने पर सहमति जताई है। इसका मतलब है कि कर्जदाताओं को अपने बकाया दावों का 63 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलेगा।

2021 से प्रक्रिया शुरूः भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर, 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को प्रशासनिक मुद्दों और भुगतान चूक की वजह से बर्खास्त कर दिया था। उस समय केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए फरवरी, 2022 में बोलियां आमंत्रित की थीं। बता दें कि रिलायंस कैपिटल पर 38,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था और चार आवेदकों ने शुरू में समाधान योजनाओं के साथ बोली लगाई थी। हालांकि, लेनदारों की समिति ने कम बोली मूल्य होने से उन्हें नकारते हुए दूसरे दौर की नीलामी आयोजित की थी जिसमें आईआईएचएल और टॉरंट इन्वेस्टमेंट्स ने शिरकत की थी।

कपड़ा कंपनी का आ रहा आईपीओ, ग्रे मार्केट में तूफानी तेजी, 300 प्रीमियम पर पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। अगले सप्ताह एक और आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। इसका नाम श्री कर्णी फैबकॉम लिमिटेड है। कंपनी के इस इश्यू में निवेशक 6 मार्च से दांव लगा सकेंगे। निवेशकों के लिए यह इश्यू 11 मार्च तक ओपन रहेगा। इसका प्राइस बैंड 227 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। श्री कर्णी फैबकॉम आईपीओ के जरिए ?42.49 करोड़ जुटाने वाला एक एनएसई एसएमई आईपीओ है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। बता दें कि 6 साल पुरानी श्री कर्णी फैबकॉम लिमिटेड कंपनी के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ग्रे मार्केट में गजब की दीवानगी देखने को मिल रही है।

ग्रे मार्केट के एनालिस्ट का मानना है कि ग्रे मार्केट में यह शेयर 300 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। यानी आईपीओ प्राइस 227 रुपये से 132.16 प्रतिशत प्रीमियम पर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में इस कंपनी की संभावित लिस्टिंग कीमत 527 होगी। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 मार्च को हो सकती है।

कंपनी फैबकॉम सामान, मेडिकल आर्क सपोर्ट, कुर्सियां, जूते और परिधान जैसे विभिन्न उद्योगों के लिए तैयार तकनीकी वस्त्रों का निर्माण करती है। उनकी प्रोडक्शन प्रक्रिया यार्न की खरीद से शुरू होती है और इसमें बुनाई, कोटिंग, प्रिंटिंग और फिनिशिंग शामिल होती है, जिसके परिणामस्वरूप बुने हुए और बुने हुए कपड़े उनके ग्राहकों की अनुकूलित विशिष्टताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए जाते हैं। बुने हुए कपड़े, बुने हुए कपड़े, लेपित कपड़े और 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर में विशेषज्ञता, वे विशेष तकनीकी वस्त्रों का उत्पादन करने के लिए यार्न, राल, ऐक्रेलिक और कोटिंग रसायनों का स्रोत बनाते हैं।

ये काली काली आंखें 2 से फिर धमाल मचाने को तैयार ताहिर राज भसीन

नेटफ्लिक्स की हिट सीरीज ये काली काली आंखें ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। अब यह अपने अगले भाग के लिए तैयार है। नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर अपनी हिट सीरीज ये काली काली आंखें के दूसरे सीजन की पुष्टि की। वहीं सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता ताहिर राज भसीन ने अपना उत्साह भी साझा किया। पहले सीजन की सफलता के बाद अब एक बार फिर ताहिर नई दुनिया से दर्शकों को रूबरू करवाने के लिए उत्सुक हैं।

सीरीज पर क्या बोले ताहिर

दूसरे सीजन पर उत्साह व्यक्त करते हुए ताहिर ने कहा कि मेरे करियर के पिछले कुछ साल अच्छे रहे हैं। मेरे काम के लिए हर तरफ से प्यार मिलने से लेकर बैक टू बैक हिट देखने तक बहुत कुछ मिला। अविश्वसनीय रूप से शानदार भूमिकाएं मिली। यह सफलता की एक रोमांचक यात्रा रही है। एक परियोजना, जो इस सूची में सबसे अलग है, वह निश्चित रूप से ये काली काली आंखें है, क्योंकि मुझे स्क्रीन पर एक ऐसे नायक की भूमिका निभाने का मौका मिला, जो जरूरत पड़ने पर बेहद ग्रे भी हो जाता है। वह फिर भी भरोसेमंद है, वह जो करता है, वह जीवन से भी बड़ा है। ये काली काली आंखें एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिससे मुझे मर्दानी के साथ-साथ शायद सबसे अधिक प्रशंसा मिली है।

सीरीज के लिए उत्साहित हैं अभिनेता

उन्होंने आगे कहा कि मैं रोमांचित हूं कि नेटफ्लिक्स ने इस हिट सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की है। मुझे इसके माध्यम से अधिक प्यार और अधिक प्रशंसा मिलने की आशा है। नायक की भूमिका निभाना हर अभिनेता का सपना होता है और मैं ये काली काली आंखें के साथ इसे फिर से जीने जा रहा हूं। रोमांचक सवारी के लिए तैयार रहें और उम्मीद है कि आपको यह थ्रिलर सीरीज एक बार फिर पसंद आएगी।

अभिनेता ने शुरू की शूटिंग

ताहिर ने सीरीज की शूटिंग भी शुरू कर दी है। ताहिर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दूसरे सीजन की शूटिंग की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिसमें वे क्लैपबोर्ड लिए नजर आए।

पहले से ज्यादा धमाकेदार होगी पुष्पा 2, श्रीवल्ली के किरदार को लेकर रश्मिका ने किया खुलासा

रश्मिका मंदाना इन दिनों इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार है। शनिवार को रश्मिका ने जापान के टोक्यो में क्रंच्यरोल एनीमे अवार्ड्स 2024 में हिस्सा लिया। इस दौरान रश्मिका मंदाना ने एक साक्षात्कार में भी शामिल हुईं, जहां अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्मों को लेकर बातचीत की। साथ ही उन्होंने अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया। पुष्पा 2 को लेकर रश्मिका ने कहा कि यह फिल्म पहले से भी ज्यादा धमाकेदार होने वाली है। वहीं फिल्म में अपने किरदार श्रीवल्ली को लेकर रश्मिका ने कहा, फिल्म में अब वे पुष्पा की पत्नी हैं और उन पर अब बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं। दर्शकों को पुष्पा के सीक्वल में ढेर सारा ड्रामा और एक्शन देखने को मिलेगा, जो पहले पार्ट से कहीं ज्यादा हैं। फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताते हुए रश्मिका ने कहा, सुकुमार जैसे परफेक्शनिस्ट निर्देशक के साथ काम करना शानदार रहा। फिल्म के साथ-साथ लोगों को इसके कलाकारों से भी काफी उम्मीदे हैं, अब यह कलाकार पर निर्भर करता है कि वे अपना कितना बेहतर दे सकते हैं। पुष्पा के सीक्वल के जरिए एक बार फिर से पुराने कलाकारों के साथ काम करने को लेकर रश्मिका ने कहा कि यह पार्टी करने जैसा है। रश्मिका ने आगे कहा, अल्लू अर्जुन, सुकुमार और बाकी टीम के साथ फिर से काम करना मजेदार है। इतने लंबे समय तक काम करते हुए हम सभी का एक-दूसरे से काफी लगाव हो गया है। अब यह घर जैसा लग रहा है। गौरतलब है कि आर्य और अब पुष्पा के साथ सुकुमार और अल्लू अर्जुन चौथी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म आर्य के भी दो सुकुमार ने दो भाग बनाए थे। पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के अलावा फहद फासिल, जगपति बाबू, प्रकाश राज, सुनील जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है।

मनीषा ने साझा किया 28 साल बाद भंसाली के साथ काम करने का अनुभव

मनीषा कोइराला संजय लीला भंसाली की हीरामंडी में नजर आएंगी। इस वेब सीरीज से भंसाली ओटीटी की दुनिया में डेब्यू करने जा रहे हैं। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख समेत और भी कई अभिनेत्रियां नजर आ रही हैं। हाल ही में मनीषा कोइराला ने भंसाली के साथ काम करने के अनुभव साझा किया। इस सीरीज में वे करीब 28 साल बाद भंसाली के साथ काम कर रही हैं।

निर्देशक की डेब्यू फिल्म में आई थीं नजर

मनीषा कोइराला ने पहली बार संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म खामोशी- द म्यूजिकल में काम किया। वर्ष 1996 में आई यह फिल्म बतौर निर्देशक भंसाली की पहली फिल्म थी। मनीषा के साथ फिल्म में सलमान खान नजर आए। हाल ही में मनीषा कोइराला ने फिल्म खामोशी के दौरान और अब हीरामंडी में भंसाली के साथ काम करने का अनुभव साझा किया।

भंसाली की तारीफ में कही ये बात

मनीषा कोइराला ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अनुभवों को एक शानदार यात्रा करार दिया। मनीषा कोइराला ने आगे कहा, हम सभी ने अपना बेस्ट देने की कोशिश की है, क्योंकि हम सभी एक मास्टर के साथ काम कर रहे हैं। खामोशी के साथ एक लंबे अरसे बाद काम करना, इससे बेहतर नहीं हो सकता था। मैंने उन्हें बतौर आर्टिस्ट आगे बढ़ते हुए, विकसित होते हुए देखा है। वह देश के बेस्ट आर्टिस्ट हैं। महान फिल्म निर्माता हैं। उनके साथ काम कर रहे हैं, ये हमारा सौभाग्य है।

नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

हीरामंडी- द डायमंड बाजार इस साल के आखिर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। बीते दिनों नेटफ्लिक्स ने अपने इवेंट नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स इंडिया में इस सीरीज के किरदारों का पोस्टर जारी किया। भंसाली अपनी फिल्मों के सेट के लिए जाने जाते हैं। उनकी इस डेब्यू सीरीज में भी इस बात का खास ख्याल रखा गया है। हीरामंडी के लिए भी भंसाली ने काफी भव्य सेट तैयार किया है। यह सीरीज बड़े स्तर पर बनाई गई है।

मडगांव एक्सप्रेस में मराठी गाने पर धमाल मचाएंगी नोरा फतेही

हंसी और उत्साह के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि नोरा फतेही एक्सेल एंटरटेनमेंट के मडगांव एक्सप्रेस का हिस्सा बन गई हैं। निर्माताओं ने फिल्म के एक नए पोस्टर के साथ नोरा फतेही का परिचय देने के लिए ग्लैमर और मस्ती से भरपूर एक वीडियो जारी किया है। कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित, यह फिल्म हंसी से भरी यात्रा पेश करती है और दर्शकों को दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की गतिशील तिकड़ी से परिचित कराती है, जो उनके पहले सहयोग को चिह्नित करता है। मेकर्स ने मडगांव एक्सप्रेस से नोरा फतेही का परिचय वीडियो साझा किया है। वह सिजलिंग चार्टबस्टर मराठी डांस नंबर ब्रिंग इट ऑन पर भी थिरकेंगी। जानकारी के अनुसार, नोरा फतेही का मडगांव एक्सप्रेस में एक बेहद बेहतरीन डांस नंबर होगा। जैसा कि नोरा ने इंडस्ट्री को कुछ सिजलिंग डांस नंबर दिए हैं, वह एक बार फिर गाने में अपने किलर डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा देंगी। नोरा का मराठी डांस नंबर निश्चित रूप से दर्शकों का दिल जीतेगा। यह गाना अजय अतुल द्वारा रचित प्रसिद्ध मराठी गीत ब्रिंग इट ऑन का प्रस्तुतीकरण होगा। चूंकि इस जोड़ी ने हमेशा ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, इसलिए फिल्म में उनका प्रसिद्ध ब्रिंग इट ऑन गाना निश्चित रूप से सही माहौल स्थापित करेगा।
निर्माताओं ने वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन दिया है, सबके हैं ग्लैमर के सपने, पर इस बार, लग गए अपने...मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर 5 मार्च को आएगा। मडगांव एक्सप्रेस तीन बचपन के दोस्तों की कहानी है जो गोवा की यात्रा पर निकलते हैं। इस दौरान उनके जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे। फुकरे, रॉक ऑन और डॉन जैसी हिट फिल्मों के निर्माताओं में से, मडगांव एक्सप्रेस कुणाल खेमू के निर्देशन की पहली फिल्म है।

शादी के लिए सपोर्टिव पार्टनर ढूंढ रही हूं

एक्ट्रेस रागिनी खन्ना पिछले काफी समय से छोटे परदे से दूर हैं। तकरीबन 12 साल पहले वो फिक्शन शो ससुराल गेंदा फूल में बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई थीं। अपने चुलबुले अंदाज से रागिनी ने घर-घर में अपनी जगह बनाई थी। इसके बावजूद, बीते काफी समय से वह किसी फिक्शन शो में नजर नहीं आईं। साल 2016 में वो आखरी बार रियलिटी शो कॉमेडी नाइट्स लाइव में नजर आई थीं।

इन दिनों, रागिनी अपने सोशल मीडिया पर खुद के बनाए कंटेंट पर काम कर रही हैं। इतना ही नहीं, वो अपनी मां कामिनी खन्ना के सपनों को पूरा करने की राह पर भी निकल पड़ी हैं। एक्ट्रेस की मानें तो किसी और के विजन की बजाए खुद के विजन पर काम करना काफी संतोषजनक है। रागिनी लंबे समय तक सिंगल रही हैं। एक वक्त था जब उन्हें रिलेशनशिप में कमिटमेंट से डर था। लेकिन अब वो अपना घर बसाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पहले कमिटमेंट इशू थे, अब शादी के लिए लड़कों से मिल रही हूं

मुझे भी प्यार हुआ था लेकिन उस वक्त मुझे कमिटमेंट इश्यूज थे। उस वक्त मैं शादी को लेकर सीरियस नहीं थी। मैं दिन-रात काम करती थी, मेरे पास किसी की फैमिली अरेंज करने का वक्त ही नहीं था। मैं सामने वाले को कभी अंधेरे में नहीं रखती। रिलेशनशिप में, मेरी तरफ से सामने वाले को हमेशा ही क्लीयर पिक्चर मिली है। मैं अपना पक्ष हमेशा क्लियर रखती हूं। कोई मेरे साथ हो या ना हो। आपकी चॉइस है और आपकी चॉइस सर माथे पर। मैं स्ट्रैट फॉरवर्ड महिला हूं। अब मेरी प्रायोरिटी बिल्कुल बदल गई है। अब मैं शादी के लिए लड़कों से मिल रही हूं। मेरी मां मुझसे हर दिन लड़के से मिलने के लिए फोर्स करती है। मैं उनकी बात मानती भी हूं। मैं कभी सिंगलहुड या सिंगल क्लब को प्रमोट नहीं करूंगी। मुझे प्यार और शादी पर बहुत भरोसा है। मेरे लिए कोई रिलेशनशिप टेम्परर नहीं होता। उसका दर्जा उतना ही है जितना शादी का होता है। मैं ऐसा पार्टनर चाहती हूं जो मेरे वर्क आउट से लेकर मेरे बच्चों तक, ट्रैवलिंग से लेकर फैमिली तक... हर चीज में मेरा सपोर्ट करे। इंतजार है उस पल का जब मैं सामने से अपनी मां को उनके दामाद से मिलाउं। अभी तक ऐसा कोई बंदा ही नहीं आया।

अब मां की ख्वाहिशें पूरी करने में जुट गई हूं

सोशल मीडिया पर मैं जिस तरह का काम कर रही हूं उसमें बहुत मजा आ रहा है। बहुत ज्यादा सीख रही हूं। पहले मैं हमेशा दूसरे के विजन पर काम करती थी। अब मैं अपने और अपनी मां के विजन पर चल रही हूं। अब फोर-फ्रंट में रहकर आइडिएशन पर काम होता है। खुद का कंटेंट क्रिएट करने में ज्यादा मजा आता है। जब मैं टेलीविजन पर काम कर रही थी, तब मैं सोशल मीडिया से बहुत अट्रैक्टेड थी लेकिन, उस वक्त टीवी पर मैं बहुत ज्यादा दिखती थी। मुझे लगता था कि सोशल मीडिया पर आई तो ओवरडोज हो जाएगा। टीवी से ब्रेक लेकर मैंने वर्ल्ड सिनेमा सीखना शुरू कर दिया। मैंने एक्टिंग वर्कशॉप ली।

तमन्ना भाटिया के हाथ लगी ओडेला 2

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार तमन्ना भाटिया अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह अपनी एक नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर एक नई अपडेट सामने आ रही है। तमन्ना की इस नई फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है। फिल्म के सेट से कई तस्वीरें सामने आई हैं। क्राइम-थ्रिलर ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है, जो 2022 में रिलीज हुई थी। ओडेला 2 कई भाषाओं में रिलीज होगी। तमन्ना भाटिया अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 की शूटिंग शुरू होने से बेहद खुश हैं। तमन्ना के साथ इस फिल्म में हेबा पटेल और वशिष्ठ एन. सिम्हा भी नजर आएंगे। ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा कर रहे हैं। डी मधु मधु क्रिएशन्स और संपत नंदी टीमवर्क्स के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। ये फिल्म अपनी दिलचस्प कहानी और दमदार अभिनय से दर्शकों को लुभाने का वादा करती है। आज एक मार्च से फिल्म की शूटिंग प्राचीन शहर काशी में शुरू हुई है। टीम ने पवित्र नदी गंगा के घाटों पर फिल्म से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सीन फिल्माया है।

मैं किसी को कुछ प्रूव करने नहीं आया हूं

अपारशक्ति खुराना जल्द ही स्त्री 2 में नजर आने वाले हैं। एक्टर जी सिने अवार्ड्स शो को भाई आयुष्मान खुराना के साथ होस्ट करते भी दिखाई देंगे। अपारशक्ति ने एम टीवी के शो रोडीज से अपने सफर की शुरुआत की। अपारशक्ति ना सिर्फ एक्टर बल्कि सिंगर, कॉमेडियन, शो होस्ट और रेडियो जॉकी भी रह चुके हैं। उन्होंने हाल ही में बातचीत की।

इस बार जी सिने अवार्ड्स में क्या कुछ खास होगा

अपारशक्ति से पूछा गया कि इस बार जी सिने अवार्ड्स में बड़े बड़े स्टार्स परफॉर्म कर रहे हैं- शाहरुख खान, आलिया भट्ट, मौनी रॉय और आयुष्मान खुराना। ऐसे में इस बार अवार्ड्स शो में क्या कुछ खास होने वाला है? इस बात पर अपारशक्ति का कहना था- जी सिने अवार्ड्स के साथ मेरा पुराना रिश्ता है। मैं और भाई आयुष्मान खुराना पहले भी होस्ट कर चुके हूं।

मैं किसी को कुछ प्रूव करने नहीं आया हूं

अपारशक्ति खुराना की पर्सनैलिटी काफी पॉजिटिव और खुशमिजाज है। लेकिन अब हाल ही में एक्टर ने निगेटिव और सीरियस रोल भी निभाए हैं। अपारशक्ति ने साल 2022 में आई फिल्म धोखा में निगेटिव रोल निभाया था। उन्होंने जुबली सीरीज में निभाए गए बिनोद किरदार के लिए भी काफी तारीफें बटोरी थीं। ऐसे में उनसे पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि मेकर्स अब आपके टैलेंट को ज्यादा बेहतर तरीके से समझने लगे हैं? इस पर अपारशक्ति कहते हैं- मैं ऐसे नहीं सोचता हूं कि मेकर्स को मेरा काम अब दिखना या समझ आना शुरू हो रहा है। मैं बस अपना काम करने यहां आया हूं और वहीं करने में मुझे बहुत खुशी मिलती है। मैं ये जॉब किसी को पॉइंट प्रूव करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं इस शहर में किसी को कोई पॉइंट प्रूव करने नहीं आया हूं। एक कलाकार के तौर पर मैं अपनी कला से संतुष्ट हो जाता हूं। जो लोग मेरी कला को, मेरी संतुष्टि को समझ जाते हैं- बहुत अच्छा लगता है। मुझे इस इंडस्ट्री में सबके प्रति लगाव है। मैं मानता हूं हर किसी की एक अलग जर्नी होती है। मुझे जितना प्यार मिल रहा है, मैं उससे काफी खुश हूं।

अपारशक्ति खुराना का सपना पूरा हुआ

अपारशक्ति खुराना ना सिर्फ होस्टिंग बल्कि एक्टिंग में भी छाए हुए हैं। ऐसे में एक्टर से उनके पिछले साल के एक्सपीरियंस के बारे में पूछा गया। अपारशक्ति ने जवाब में कहा- एक आर्टिस्ट हर तरह के रोल करने के लिए मुंबई आता है। अलग-अलग किस्म के किरदार निभाने का मेरा सपना पिछले साल पूरा हुआ है। मैं खुद को बहुत खुशनसीब समझता हूं। बहुत अच्छा लगता है जब ऑडियंस से प्यार मिलता है।

टीम इंडिया में वापसी के लिए आईपीएल 2024 काफी नहीं !

ईशान और श्रेयस के सेलेक्शन पर संकट

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को उस समय अपने करियर का अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा होगा, जब उनका नाम बीसीसीआई के एनुअल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 में नहीं दिखा होगा। बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट जारी करते हुए एक बात लिखी थी कि बोर्ड ने श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को इसलिए अनुबंध की सूची में शामिल नहीं किया है, क्योंकि चयनकर्ताओं ने उनकी सिफारिश नहीं की है।

इसके पीछे का कारण ये सामने आया है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी खेलने की चेतावनी को नजरअंदाज किया था। अब खबर है कि इन दोनों की टीम इंडिया में वापसी भी बहुत ही ज्यादा कठिन होने वाली है। बता दें कि नेशनल ड्यूटी से मानसिक थकान का हवाला देकर ब्रेक लेने वाले ईशान किशन पार्टी करते नजर आए थे और आईपीएल की तैयारियां कर रहे थे। वहीं, श्रेयस अय्यर चोट के बहाना बनाकर रणजी ट्रॉफी के क्वॉर्टर फाइनल से हटे और कोलकाता नाइट राइडर्स के कैंप में नजर आए। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट कहते है कि दोनों खिलाड़ी आईपीएल भले ही खेलें, लेकिन टीम सेलेक्शन के लिए अभी कंसीडर नहीं किए जाएंगे। उनको फिर से घरेलू क्रिकेट खेलने होगी और फिर टीम में जगह बनानी होगी।

सूत्र ने बताया, ईशान को वह अवकाश मिल गया जो वह चाहते थे, लेकिन उन्होंने एनसीए या राज्य इकाई को रिपोर्ट नहीं किया है, लेकिन अकेले प्रशिक्षण जारी रखा। इन परिस्थितियों में, बीसीसीआई के पास केंद्रीय अनुबंध की पेशकश करने का कोई मौका नहीं था। इसी तरह श्रेयस के साथ भी हम मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार चले। उनके लिए अभी भी दरवाजे खुले हैं, बशर्ते वे नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलें। आईपीएल के आधार पर टी20 वर्ल्ड कप के लिए सेलेक्शन होना है। ऐसे में दोनों का सेलेक्शन भी संदेह के घेरे में है।

लियोन ने रचा इतिहास

डब्ल्यूटीसी के इतिहास में यह कमाल करने वाले पहले गेंदबाज

रवि अश्विन भी रह गए पीछे

वेलिंग्टन, एजेंसी। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने अपनी फिरकी का जादू दिखा कर मैच में 10 विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 172 रन से करारी शिकस्त देकर दो मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई। न्यूजीलैंड के सामने 369 रन का लक्ष्य था। उसने चौथे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी तीन विकेट पर 111 रन से आगे बढ़ाई, लेकिन उसके बल्लेबाज लियोन के सामने टिक नहीं पाए और उसकी पूरी टीम 196 रन पर आउट हो गई। लियोन ने 64 रन देकर 6 विकेट लिए। इस तरह से उन्होंने मैच में 108 रन देकर 10 विकेट हासिल किए।

अपने करियर में लियोन ने पांचवीं बार मैच में 10 या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में नाइटवॉचमैन के रूप में 41 रन की महत्वपूर्ण पारी भी खेली थी।

नाथन लियोन ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन के नाम अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा (10) फाइव विकेट हॉल हो गए हैं, उन्होंने भारत के रविचंद्रन अश्विन (नौ) को पछाड़ दिया है। लियोन अब टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, उन्होंने दिग्गज क्रिकेटर कर्टनी वॉल्श को पछाड़ दिया। लियोन के नाम अब 128 टेस्ट मैचों में 527 विकेट हो गए हैं और उनका औसत 30.35 का है। उन्होंने अपने करियर में उन्होंने 24 बार पांच विकेट और पांच बार 10 विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 11 मैच में लियोन ने 18.90 की औसत से 60 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम 50 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में उनका औसत पांचवां सर्वश्रेष्ठ है। लियोन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन बार पांच विकेट भी लिए हैं। इसके अलावा वह न्यूजीलैंड में छह विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिटायरमेंट के 10 बाद ही टीम में वापसी करेंगे नील वैंगनर?

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की टीम अपने ही घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मुकाबला हार गई। ऑस्ट्रेलिया ने वेलिंगटन टेस्ट में मेजबान कीवी टीम को 174 रन से मात दी। इस हार के बाद कप्तान टिम सउदी ने इशारा दिया कि 5 दिन पहले संन्यास लेने वाले नील वैंगनर वापसी कर सकते हैं। वैंगनर की वापसी की चर्चा के पीछे का कारण है विल ओ'रोरके का चोटिल होना। टेस्ट के तीसरे दिन रोरके को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव हो गया था। वह अपने 8वें ओवर में पांच गेंदे करके मैदान से बाहर चले गए थे। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में उनकी वापसी नहीं हुई। चौथे दिन उन्होंने बल्लेबाजी की लेकिन वह विकेट्स के बीच दौड़ने में असहज दिखाई दे रहे थे। कीवी कप्तान टिम सउदी ने माना कि दूसरे टेस्ट के लिए उनके टीम सेलेक्शन में गलती हुई। उन्हें चार तेज गेंदबाजों को नहीं खिलाना चाहिए था। यहां गेंद स्पिन हुई। दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च में खेल जाएगा। यहां कि पिच ज्यादा स्पिन नहीं होती है। अगर रोरके दूसरे टेस्ट के लिए फिट नहीं होते तो टीम को चौथे तेज गेंदबाज की जरूरत होगी और ऐसे में वैंगनर के नाम पर चर्चा हो सकती है। सउदी ने कहा, 'हमने बहुत ज्यादा चर्चा नहीं की है। हम देखेंगे कि विल के हालात कैसे है। फीजियो ने अब तक यह अपडेट नहीं दिया कि विल कब तक फिट होंगे। अगले कुछ दिन में क्या होगा हम नहीं जानते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें फैसला लेना है कि क्राइस्टचर्च में क्या होगा। वैंगनर को पिछले हफ्ते शानदार स्वागत मिला था। वह फैंसके पसंदीदा गेंदबाज रहे हैं। हम ट्रेंट बोल्ट को नहीं बुलाएंगे क्योंकि उनका ध्यान टी20 पर है।'

भारतीय टीम ने हासिल किया नंबर-1 का ताज

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम को 172 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच में गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। कैमरून ग्रीन ने बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश किया और उनकी वजह से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम मैच जीतने में सफल रही। उन्होंने मैच में 174 रनों की पारी खेली। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की जीत से भारतीय टीम को तगड़ा फायदा हुआ है। भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर पहुंच गई है और न्यूजीलैंड को नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच हारते ही न्यूजीलैंड की टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में एक स्थान का नुकसान हुआ है।

हैदराबाद की कप्तान करते दिख सकते हैं कमिंस, स्टेन को लेकर ये है अपडेट

आईपीएल- 2024

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच के रूप में अपनी भूमिका से ब्रेक का अनुरोध किया है, भले ही फ्रेंचाइजी 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के आगामी सीज़न के लिए कप्तान के रूप में पैट कमिंस की घोषणा कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कहा जा रहा है कि स्टेन ने फ्रेंचाइजी से इस साल के लिए हैदराबाद में अपनी कोचिंग भूमिका से ब्रेक के बारे में पूछा है। इसमें कहा गया है कि फ्रेंचाइजी अब नए गेंदबाजी कोच की तलाश कर रही है और इस संबंध में जल्द ही घोषणा की जा सकती है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में 93 टेस्ट, 125 वनडे और 47 टी20 मैच खेलने के अलावा, स्टेन ने आईपीएल में अब बंद हो चुकी डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए भी खेला था। 2022 में, स्टेन एक गेंदबाजी कोच की भूमिका में हैदराबाद फ्रेंचाइजी में शामिल हो गए और उन्हें तेज गेंदबाज उमरान मलिक के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाने का श्रेय दिया गया, जिन्होंने टी20 और वनडे में भारत की कैप हासिल की और हाल ही में उन्हें बीसीसीआई से तेज गेंदबाजी अनुबंध का मौका मिला। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं और आवश्यकताएं पूरी होने तक स्टेन के अगले सीज़न में फ्रैंचाइज़ी में लौटने की उम्मीद है। पिछले साल अंक तालिका में सबसे नीचे रहने के बाद, हैदराबाद को न्यूजीलैंड के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर डेनियल विटोरी के रूप में नया मुख्य कोच मिला, जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच हैं। इस बीच, आईपीएल 2024 के लिए हैदराबाद कप्तानी के बारे में बात करते हुए, उम्मीद है कि पिछले साल दुबई में नीलामी में 20.5 करोड़ रुपये में उन्हें हासिल करने के बाद फ्रेंचाइजी कमिंस को अपना नया कप्तान घोषित करेगी।

कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) और पुरुष वनडे विश्व कप जीता था। पिछले दो सीज़न में हैदराबाद की कप्तानी एडेन मार्करम ने की थी, लेकिन उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली। हालाँकि, मार्करम ने एसए20 के पहले दो सीज़न में हैदराबाद फ्रैंचाइज़ी की सहयोगी टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप को सफलतापूर्वक ट्रॉफी तक पहुंचाया। आईपीएल 2016 की विजेता सनराइजर्स हैदराबाद 23 मार्च को ईडन गार्डन्स में दो बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने 2024 अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 27 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस.के खिलाफ अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी।

महिला प्रीमियर लीग 2024 - मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स को 7 विकेट से हराया

बेंगलुरू, एजेंसी। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) सीजन 2 के 9वें मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में हार से उबरकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को सात विकेट से हरा दिया।

मुंबई इंडियंस ने पहले क्षेत्ररक्षण करते हुए तीन शुरुआती विकेट चटकाए और फिर एलिसे पेरी की 38 गेंदों में नाबाद 44 रनों की पारी के बावजूद 20 ओवरों में 131/6 के मामूली स्कोर तक पहुंच गई। जहां पेरी ने अपनी 38 गेंदों की पारी के दौरान पांच चौके लगाए, वहीं जॉर्जिया वेयरहैम 27 रन के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।जीत के लिए 132 रनों का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने एलिसे पेरी, यास्तिका भाटिया और नैट साइवर-ब्रंट के योगदान की बदौलत 15.1 ओवर में 133/3 का स्कोर बना लिया और 29 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया।

दिल्ली कैपिटल्स पर शुरुआती दौर में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद मुंबई इंडियंस को अपने पिछले मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। शनिवार की जीत के बाद मुंबई इंडियंस चार मैचों में छह अंकों के साथ आगे है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार अंकों पर बनी हुई है।

दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को बॉब जोन्स पुरस्कार

फार हिल्स (अमेरिका), एजेंसी। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को अमेरिकी गोल्फ एसोसिएशन (यूएसजीए) के सर्वोच्च सम्मान बॉब जोन्स पुरस्कार के लिए चुना गया है। वुड्स ने पीजीए टूर में अपने करियर में 82 जीत हासिल की, जिनमें 15 मेजर खिताब भी शामिल हैं।

वुड्स 9 बार के यूएसजीए चैंपियन हैं। वुड्स को 2022 में विश्व गोल्फ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। उन्हें 2019 में डोनाल्ड ट्रम्प से प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम सम्मान मिला था। वुड्स ने बयान में कहा, 'बॉब जोन्स जिस निष्ठा के साथ खेलते थे, उसके कारण वह हमारे खेल का एक स्तंभ थे और मैं उनके नाम पर यह पुरस्कार पाकर और इससे पहले यह पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होकर वास्तव में गौरवान्वित हूं।

वुड्स को 12 जून को उत्तरी कैरोलिना में यूएस ओपन के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

विराट कोहली को लेकर इमाम-उल-हक ने बोला था ये झूठ

● आगा सलमान ने किया खुलासा, कहा- मैंने मैसेज किया था लेकिन...

नईदिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और गौतम गंभीर की आईपीएल 2023 के दौरान नोकझोंक हो गई थी, जिसकी काफी चर्चा रही। इस घटना के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर आगा सलमान ने इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजा था। वहीं, पाकिस्तानी बल्लेबाज इमाम-उल-हक ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि सलमान ने मैसेज में कोहली को ईजी हो जा बच्चे लिखा। सलमान को इसपर काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। हालांकि, सलमान ने अब खुलासा किया है कि इमाम ने झूठ बोला था। उन्होंने कहा कि मैंने कोहली को मैसेज जरूर किया था लेकिन बच्चा नहीं कहा।

सलमान इन दिनों पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2024 में खेल रहे हैं। वह पीएसएल में इस्लामाबाद युनाइटेड फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। सलमान ने इस्लामाबाद युनाइटेड को इंटरव्यू दिया, जिसमें उनसे पूछा गया कि आपने विराट को क्या मैसेज किया था. इसपर सलमान ने कहा, इमाम की आधी बातें माना ही ना करें। यह फ्लो में बात काट जाता है और बाद में कवर करते-करते टाइम गुजर जाता है। मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा। मुझे भारतीय लोगों से बहुत गाली पड़ी हैं। हर कोई विराट का सम्मान करता है। कौन सा क्रिकेटर है, जो उनका सम्मान नहीं करता। मैंने उन्हें मैसेज किया था लेकिन ऐसा कुछ नहीं बोला कि ईजी हो जा बच्चे। उन्होंने कहा, कोहली की गंभीर से लड़ाई हुई थी। हीटेड मोमेंट था। फिर इस तरह की सिचुएशन हो गई कि वो फनी ले में जाने लगा। जो देखने वाले थे, वो कहने लगे कि ये क्या कर रहे हैं ग्राउंड में।

मैंने उसके बाद मैसेज किया। उसका जो स्टार्ट था वो विराट भाई है। बाकी आप अंदाजा लगा सकते हैं। मैंने शादाब खान को मैसेज के बारे में बता दिया था। आपने एक वीडियो देखी होगी, जिसमें मैं, शादाब और विराट एकसाथ खड़े (एशिया कप 2023 के दौरान) हैं। सलमान ने आगे कहा, शादाब ने फिर विराट को बताया था कि इसने आपको मैसेज किया। हमने काफी मजाकिया वे में लिया और मैंने उनको बताया कि मैसेज किया था। वो मजाक था। यह शादाब की कारिस्तानी थी। शादाब इंतजार कर रहा था कि एशिया कप आने दे फिर बताऊंगा। शादाब ने जब विराट को बताया तो उन्होंने मजाकिया तौर पर लिया। मैंने उनसे कहा कि आपने मैसेज नहीं देखा। जाहिर बात है, वो कहां मेरा मैसेज देखेंगे। विराट ने कहा कि जाकर देखता हूं और उसका स्क्रीनशॉट लगाऊंगा। मैं विराट की बहुत रिस्पेक्ट करता हूं।

राजनीति में डेब्यू करेंगे पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट देवेंद्र झाझरिया

नईदिल्ली, एजेंसी। बीजेपी ने शनिवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में राजस्थान के 15 उम्मीदवारों का नाम भी शामिल है। इन 15 सीटों में चुरू के मौजूदा सांसद राहुल कासवां का नाम शामिल नहीं है। बीजेपी बीते 33 साल से इस सीट पर कासवां परिवार को ही टिकट दे रही थी लेकिन इस बार उन्होंने पैरालंपिक खेलों में दो बार गोल्ड मेडल जीतने वाले देवेंद्र झाझरिया पर भरोसा जताया है।

33 साल से बीजेपी के टिकट पर लड़ रहा है कासवां परिवार

कास्वां परिवार बीते कई सालों से राजनीति में है। वह बीते 33 साल से चुरू में बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल कासवां 2014 से इस सीट से सांसद हैं। इससे पहले उनके पिता भी तीन बार इसी सीट से सांसद रहे थे। इसके बावजूद बीजेपी ने इस बार इस परिवार को टिकट नहीं दिया है। राहुल कास्वां और राजेंद्र राठौड़ के बीच हुए विवाद को इसका कारण बताया जा रहा है।

राजेंद्र राठौड़ और राहुल कासवां का विवाद

पिछले साल राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव में सात बार के विधायक राजेंद्र राठौड़ तारानगर सीट से चुनाव हार गए थे। इसके बाद उन्होंने कहा कुछ जयचंद है जिनके भितरघात के कारण वह चुनाव हार गए। वहीं उनके समर्थकों ने खुलकर राहुल कासवां को जयचंद बताया था। इसी के बाद विवाद शुरू हुआ था। दोनों के बीच बयानबाजी जारी रही और इसे ही कास्वां का नाम कटने का कारण बताया जा रहा है।

कासवां से बीजेपी ने पैरालंपिक खिलाड़ी देवेंद्र को मौका दिया जो टिकट मिलने पर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ये मेरे लिए बड़ी खुशी का पल है, देश के 5 से 7 करोड़ दिव्यांग लोगों में खुशी है कि आज भाजपा ने एक दिव्यांग व्यक्ति को टिकट दिया है।

कौन हैं देवेंद्र झाझरिया

42 साल के झाझरिया को बचपन की त्रासदी जिसके कारण उनका बायां हाथ काटना पड़ा, वह उन कई बाधाओं में से एक थी, जिनसे झाझरिया ने सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए संघर्ष किया। झाझरिया ने 2004 और 2016 के ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं टोक्यो खेलों में सिल्वर मेडल जीता था। वह 2014 एशियाई पैरा खेलों में रजत विजेता होने के अलावा दो बार पैरा विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी हैं। वह विश्व रिकॉर्ड धारक भी रह चुके है।

दिल्ली में बारिश के बाद पलूशन में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इसी के साथ दिल्लीवालों के लिए एक और गुड न्यूज है। वर्षा के बाद शहर में पलूशन कम हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री कम है।

दिल्ली में शनिवार को बारिश के साथ पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। आइएमडी के मुताबिक, शहर का न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से पांच डिग्री अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शाम छह बजे राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 114 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। इसमें कहा गया है कि रविवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान के क्रमश 26 और 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। वहीं दिल्ली में अगले 24 घंटे में तेज हवाएं चलने की भी भविष्यवाणी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में 3 मार्च को बारिश हो सकती है। दिन में आसमान में बादल छाए रहेंगे। ऐसे में रविवार को मौसम खराब हो सकता है। वहीं चार मार्च से मौसम बदल जाएगा। आसमान पूरी तरह से साफ रहेंगे। बारिश और तेज हवाओं का भी दौर खत्म हो जाएगा। दिल्ली में शनिवार को हुई बारिश के बाद एक्यूआई 114 पर दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

मूसलाधार बारिश और भारी बर्फबारी का अलर्ट, ठंड का होगा एहसास

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ हिस्सों में रविवार तड़के भारी बारिश हुई। मंडी हाउस, आरके पुरम, इंद्रप्रस्थ, कर्तव्य पथ और मध्य दिल्ली के कई इलाकों में बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम में यह अचानक बदलाव शनिवार की सुबह ग्रेटर कैलाश, इंडिया गेट, आरके पुरम और जनपथ सहित दिल्ली के कई इलाकों में तेज हवाओं और बारिश के साथ हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 2 मार्च को दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में गंभीर मौसम की स्थिति की सूचना दी थी। आईएमडी ने बताया है कि एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी अफगानिस्तान और इसके आसपास के क्षेत्र में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में स्थापित हुआ है। इसके कारण उत्तर-पश्चिमी अरब सागर तक एक ट्रफ रेखा फैली हुई है। तापमान के लिहाज से हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर शनिवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव होगा। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी की संभावना है। आईएमडी ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में बारिश की चेतावनी दी है। उत्तराखंड में अभी अगले कुछ दिन तक बारिश का मौसम बना रहेगा। रविवार को भी राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश और 2500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात का पूर्वानुमान है। सोमवार से बारिश में कुछ कमी जरूर आएगी, लेकिन छह मार्च तक राज्य के कुछ जिलों में हल्की बारिश रहने के आसार हैं। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में अधिकांश स्थानों पर रविवार को बारिश होगी। जबकि टिहरी, देहरादून, पौड़ी और हरिद्वार जिले के कुछ स्थानों पर दिन में एक-दो दौर बारिश के होंगे। चार से छह मार्च के बीच उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में छह मार्च तक हल्की बारिश का पूर्वानुमान है।

संक्षिप्त समाचार

द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की डेट फाइनल, पीएम मोदी 11 मार्च को काटेंगे फीता

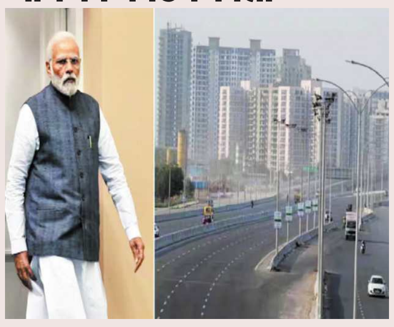

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका एक्सप्रेसवे के गुरुग्राम वाले हिस्से के उद्घाटन का वक्त अब करीब आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मार्च को द्वारका एक्सप्रेसवे के इस हिस्से का शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि द्वारका एक्सप्रेसवे को नौ हजार करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मिलेनियम सिटी में पहली बार 18.9 किलोमीटर लंबा रोड शो भी करेंगे। यह गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर से शुरू होकर गुरुग्राम हिस्से तक होगा। मिलेनियम सिटी में ऐसा पहली बार होगा जब प्रधानमंत्री रोड शो करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और गुरुग्राम पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री ने 16 फरवरी को रेवाड़ी में एम्स और गुरुग्राम में मेट्रो विस्तार परियोजना का शिलान्यास किया था। बता दें कि, गुरुवार को उपायुक्त निशांत कुमार यादव और पुलिस आयुक्त विकास आरोड़ा ने द्वारका एक्सप्रेसवे का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया था। राव इंद्रजीत ने कहा कि एक्सप्रेसवे का शुभारंभ होने से गुरुग्राम और दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। एक्सप्रेसवे का निर्माण चार पैकेज में हो रहा है। इनमें दिल्ली में पहला पैकेज महिपालपुर के शिव मूर्ति से बिजवासन तक (5.9 किमी), दूसरा बिजवासन आरओबी से गुरुग्राम में दिल्ली-हरियाणा सीमा तक (4.2 किमी), हरियाणा क्षेत्र में तीसरा पैकेज बसई आरओबी तक (10.2 किमी) चौथा पैकेज बसई आरओबी से खेड़की दौला तक (8.7 किमी) है। द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली और गुरुग्राम को जोड़ने वाला तीसरा सीधा रास्ता है, जो पहले से मौजूद दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे और दिल्ली-महरौली-गुरुग्राम रोड के बाद बनाया जा रहा है। यह एक16 लेन का हाईवे होगा, जिसे हाई-स्पीड गाड़ियों के लिए बनाया जा रहा है। रास्ते में किसी भी तरह का ट्रैफिक सिग्नल नहीं होगा।

सीएए का विरोध करने वालों को करना चाहिए सुप्रीम कोर्ट का रुख

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) का विरोध करने वालों से आग्रह किया कि वे आंदोलन करने के स्थान पर अपनी शिकायत के निवारण के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करें। उन्होंने कहा कि कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं। दोनों दृष्टिकोणों को समायोजित करने की आवश्यकता है। एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में लोगों के दो वर्ग हैं, कुछ लोग सीएए का समर्थन करते हैं और मैं उनमें से एक हूं। कई लोग ऐसे हैं जो इसका विरोध करते हैं। हमें दोनों दृष्टिकोणों को समायोजित करना होगा। हमें इसके विरोध या समर्थन के लिए किसी की आलोचना नहीं करनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे पहले ही सुप्रीम कोर्ट में ले जाया जा चुका है, लेकिन नियम नहीं बनाए जाने के कारण इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया था। जैसे ही नियम अधिसूचित हो जाएंगे, मामला बहस और सुनवाई के लिए तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की शांति एवं व्यवस्था को भंग करने के बजाय लोगों को कोर्ट में जाना चाहिए। उसे अपनी शिकायतें बतानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट उनकी तार्किक दलीलें सुनेगा। विपक्षी राजनीतिक दलों के साथ ही छात्र संगठनों और अन्य ने कहा है कि यदि राज्य में सीएए लागू किया गया तो वे राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले कहा था कि सीएए नियमों को लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित और लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत ने दावा किया कि असम के हालात केंद्र सरकार की किसी नीति के कारण नहीं बल्कि बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण ऐसे हैं। इसने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया है।

400 करोड़ के घर पर चला दिया बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शनिवार को दिवंगत कारोबारी पोंटी चड्ढा के छतरपुर स्थित फार्महाउस पर बुलडोजर चला दिया। लगभग 10 एकड़ में फैले इस फार्म हाउस का बड़ा हिस्सा सरकारी जमीन पर बना हुआ था। इसकी कीमत लगभग 400 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में पुलिसकर्मियों की तैनाती मौके पर रही। रविवार को भी इस फार्महाउस को तोड़ने का काम जारी रहेगा। राजनिवास सूत्रों ने बताया कि दक्षिण दिल्ली के छतरपुर में लगभग 10 एकड़ में पूर्व शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा उर्फ गुरदीप सिंह का फार्महाउस बना हुआ था। इसका बड़ा हिस्सा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाया गया है। यह शनिवार को भी जारी रहा। राजनिवास सूत्रों ने बताया कि अभी तक इस फार्महाउस से पांच एकड़ में मौजूद अतिक्रमण को हटाया जा चुका है। शनिवार को चल रही इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौजूद रही। डीडीए के अनुसार शनिवार को अंधेरा होने पर यह कार्रवाई रोक दी गई, लेकिन रविवार को फिर अवैध निर्माण को गिराकर सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा।

चाचा ने 8 साल की मासूम से की दरिंदगी, रेप के दौरान बच्ची की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। नूंह जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका थाना अंतर्गत एक गांव में सात साल की बच्ची के साथ उसके चाचा ने रेप किया। रेप के दौरान ही बच्ची की मौत हो गई। वारदात की जानकारी किसी को ना होने पाए इसके लिए आरोपी ने बच्ची की लाश को दफना दिया। चाचा की यह करतूत तब उजागर हुई जब एक खेत से बच्ची की लाश मिली। बताया जाता है कि बच्ची तीन दिन पहले लापता हुई थी। इसके बाद से बच्ची की तलाश चल रही थी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका थाना अंतर्गत एक गांव में एक बच्ची की लाश खेत में मिलने की सूचना उन्हें मिली थी। छानबीन में पता चला कि बच्ची की हत्या उसके चाचा ने ही की थी। चाचा ने पहले सात साल की अपनी भतीजी के साथ रेप किया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने बच्ची की लाश को खेत में चुपके से दफना दिया था।

दिल के दौरे के लिए कोरोना की वैक्सीन जिम्मेदार नहीं, मांडविया बोले- आइसीएमआर ने किया विस्तृत अध्ययन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने एक विस्तृत अध्ययन किया है, जिससे पता चलता है कि कोरोना की वैक्सीन दिल के दौरे के लिए जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए किसी व्यक्ति की जीवनशैली और अत्यधिक शराब पीने जैसे कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।

एएनआइ डायलाग्स-नेविगेटिंग इंडियाज हेल्थ सेक्टर को संबोधित करते हुए शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार समग्र दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है, ताकि लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा मिल सके। मांडविया ने दुनिया के लगभग 150 देशों को कोरोना के टीकों की आपूर्ति करने के भारत के प्रयासों का जिक्र किया और कहा कि इससे उन देशों में बहुत ज्यादा सद्भावना उत्पन्न हुई है।

एक प्रश्न का उत्तर देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना के टीकों को लेकर गलत धारणाएं

पैदा करने का प्रयास किया गया है। अगर आज किसी को दिल का दौरा पड़ता है, तो कुछ लोग सोचते हैं कि यह कोरोना वैक्सीन के कारण है। आइसीएमआर ने इस पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। (कोरोना) वैक्सीन दिल के दौरे के लिए जिम्मेदार नहीं है।

दिल के दौरे के कई कारण हैं, जैसे हमारी जीवनशैली, तंबाकू और अत्यधिक शराब का सेवन आदि। कभी-कभी लोगों के बीच गलत सूचना फैल जाती है और कुछ समय के लिए एक धारणा बन जाती है। लेकिन हम जो भी निर्णय लेते हैं, वह डाटा और वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित होना चाहिए।

आइएएनएस के अनुसार, मनसुख मांडविया ने शनिवार को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना के तहत थोक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के निर्माण के लिए देश भर में 40 नए संयंत्रों का वर्चुअली उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत ने न केवल दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम की है, बल्कि इन उत्पादों के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में भी उभर रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि आइसीएमआर के बजटीय आवंटन में पिछले 10 वर्षों में चार गुना बढ़ोतरी देखी गई है।

बीएपीएस हिंदू मंदिर में ड्रेस कोड से लेकर फोटोग्राफी से संबंधित नियमों का पालन करना जरूरी होगा

अबू धाबी , एजेंसी। अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर हर मंगलवार से शनिवार सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। बता दें कि मंदिर हर सोमवार को मंदिर बंद रहेगा। अबू धाबी में पहला हिंदू मंदिर-बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को मंदिर का उद्घाटन किया था। बीएपीएस हिंदू मंदिर ने अपने (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए आम लोगों को मंदिर को लेकर जानकारी साझा की। इसमें लिखा गया कि प्रतीक्षा समाप्त हुई! अबू धाबी मंदिर अब सभी आगंतुकों और उपासकों के लिए खुला है। खुलने का समय मंगलवार से रविवार- सुबह 9 बजे से शाम 8 बजे तक होगा और प्रत्येक सोमवार मंदिर बंद रहेगा। इसके अलावा बीएपीएस हिंदू मंदिर ने श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए एक गाइडलाइन जारी की जिसका मंदिर में दर्शन करते समय पालन करना अनिवार्य होगा। इसमें विशेष ड्रेस कोड से लेकर फोटोग्राफी से संबंधित नियमों का पालन करना

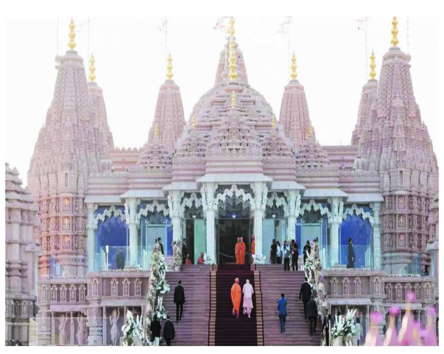

जरूरी होगा। सभी गाइडलाइंस मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर शेयर किए गए हैं। बता दें कि मंदिर ने यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाए कि किसी व्यक्ति की उस स्थान पर यात्रा सुरक्षित, आनंददायक और सम्मानजनक हो। गाइडलाइन के अनुसार, पालतू जानवरों को मंदिर परिसर में लाने की अनुमति नहीं है। आगंतुकों को चाकू, खाद्य पदार्थ, सामान, ड्रोन, सिगरेट, पेय पदार्थ, साइकिल या स्केटबोर्ड ले जाने की भी अनुमति नहीं है। गाइडलाइन के अनुसार बीएपीएस हिंदू मंदिर में फोटोग्राफी और वीडियो की अनुमति केवल व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए है। अगर कोई व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मंदिर का वीडियो रिकॉर्ड करना चाहता है उसे अधिकारियों से संपर्क करना होगा। लोगों को गर्दन, कोहनी और टखनों के बीच के शरीर के अंग ढंकना होगा। इसके अलावा, टोपी, टी-शर्ट और आपत्तिजनक डिजाइन वाले अन्य कपड़ों की अनुमति नहीं है।

जहाज रोकने पर पाकिस्तान बोला- भारत ने गलत एक्शन लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। चीन से पाकिस्तान जा रहे जहाज को मुंबई पोर्ट पर रोकने के मामले में पाकिस्तान का बयान सामने आया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा- भारतीय मीडिया हमेशा से गलत तथ्यों को पेश करता आया है। मुमताज ने भारत की तरफ से की जा रही कार्रवाई को नाजायज करार देते हुए कहा- कराची के एक कंपनी चीन से लेथ मशीन (कलपुर्जे बनाने की मशीन) इम्पोर्ट कर रही थी। वो ऑटोमोबाइल कंपनियों को पार्ट्स सप्लाई करती है। यह एक साधारण सा मामला है। जो मशीन मंगाई गई है, उससे साबित होता है कि यह सिविलियन सप्लाई से जुड़ा मसला है। सारे ट्रैंजेक्शन को भी पारदर्शी रखा गया है। मुमताज ने कहा- इस तरह की कार्रवाई फ्री ट्रेड में बाधा डालती है। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों के खिलाफ है। जियो न्यूज के मुताबिक, मामले में चीन का बयान भी सामने आया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा- जो मशीन सप्लाई की गई है, वो पुर्जे बनाने में इस्तेमाल होती है। वो किसी मिलिट्री इक्विपमेंट में इस्तेमाल नहीं की जा सकती। दरअसल, 23 जनवरी को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज को मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर रोक दिया था। एजेंसियों को जहाज में संदिग्ध सामान होने की आशंका थी, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए कर सकता है। यह जहाज कराची जा रहा था। इस पर इटली की एक कंपनी की कम्प्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल मशीन मौजूद थी। इसके बाद डीआरडीओ की एक टीम ने भी मशीन और जहाज पर मौजूद दूसरे सामानों का निरीक्षण किया।

राफा में अस्पताल के पास रिफ्यूजी टेंट पर इजरायली हमला, 11 की मौत; सड़कों पर खून से लथपथ पड़े शव

फलीस्तीनी, एजेंसी। पिछले साल से शुरू हुई इजरायल-हमास की जंग थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। शनिवार को इजरायल ने दक्षिणी शहर राफा में एक अस्पताल के पास विस्थापित नागरिकों के रिफ्यूजी टेंट पर हमला किया। इसमें लगभग 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला अमीराती अस्पताल के पास हुआ है। इस हमले के बीच इजरायली सेना ने दावा किया कि अस्पताल के क्षेत्र में इस्लामिक जिहाद समूह के आतंकवादियों को निशाना बनाकर सटीक हमला किया गया था। इस हमले को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी चिंता जाहिर की और इस इजरायली स्ट्राइक को अपमानजनक और अकथनीय करार दिया। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-कुद्रा ने एक बयान में कहा कि अमीराती मैटरनिटी अस्पताल के पास हुए विस्फोट में मारे गए लोगों में एक सहायक चिकित्सक भी शामिल है और बच्चे घायल हो गए। कुद्रा ने कहा कि इजरायली बलों द्वारा अमीराती अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के तंबुओं को निशाना बनाने के परिणामस्वरूप 11 नागरिक शहीद हो गए और बच्चों सहित लगभग 50 घायल हो गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज के अनुसार, सड़कों पर खून से लथपथ शव दिखाई दे रहे थे और भीड़ जमा हो गई थी। साथ ही लोग घायलों को इलाज के लिए ले जा रहे थे।

गाजा में 22 लाख लोग भुखमरी की कगार पर

गाजा, एजेंसी। अमेरिका ने जंग के बीच गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई है। अमेरिकी सेना के एयरक्राफ्ट ने पैराशूट से फिलिस्तीनियों के लिए खाने के बक्से गिराए। इन्हें लेने के लिए लोगों को समुद्र में दौड़ लगाते देखा गया।

गाजा में राहत सामग्री पहुंचाने के पॉइंट बनाए गए हैं। एक जगह समुद्र के पास है। यहां अमेरिका ने मदद पहुंचाई। ह्व के मुताबिक, गाजा की 22 लाख से ज्यादा आबादी भुखमरी का कगार पर है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिका ने 66 बक्सों में 38 हजार रेडी-टू-इट मील्स गिराई। अमेरिका का कहना है कि ये बस शुरुआत है, वो आगे भी गाजा में रह रहे फिलिस्तीनियों की मदद करता रहेगा। ये एक जॉइंट ऑपरेशन था। जॉर्डन की सेना भी इसमें शामिल थी। अमेरिका ने मदद पहुंचाने का फैसला ऐसे समय लिया, जब 1 मार्च को खाना लेने पहुंचे लोगों पर इजराइली सैनिकों ने फायरिंग कर दी थी। इस घटना के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इससे पता चल रहा था कि जहां फायरिंग हुई वो एड पॉइन्ट समुद्र के पास ही था। इस दौरान 112 लोगों की मौत हुई थी।

जिस ट्रक में राहत सामग्री आई थी, उसी में शवों को ले जाया गया था

7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में अब तक 24 अस्पताल और 123 एम्बुलेंस तबाह हो चुकी हैं। कोई गाड़ी नहीं होने के कारण 1 मार्च को घायल हुए लोगों और शवों को गधा गाड़ी से अस्पताल ले जाया गया था। इसके अलावा जिस ट्रक में राहत सामग्री पहुंची थी उसमें भी शवों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया था। जंग में अब तक 30 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था। उसने इजराइल के खिलाफ अपने ऑपरेशन को अल-अक्सा फ्लड नाम दिया। इसके जवाब में इजराइल की सेना ने हमास के खिलाफ सोर्ड्स ऑफ आयरन ऑपरेशन शुरू किया। हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ ने कहा था- ये हमला यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। दरअसल, इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंके थे।

नहीं थम रहा विदेशों में भारतीय नागरिकों की मौत का सिलसिला

आबिदजान , एजेंसी। विदेशों में भारतीय नागरिकों की हत्या का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। पहले अमेरिका में भारतीय क्लासिकल डांसर अमरनाथ घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई तो वहीं अब पश्चिम अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट के आबिदजान में दो भारतीय नागरिकों की मौत की खबर मिली है। मृतकों की पहचान संतोष गोयल और संजय गोयल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों भारत से आइवरी कोस्ट जा रहे थे। अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। × (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए एक आधिकारिक बयान में, भारतीय दूतावास ने खुलासा किया कि वह शवों को भारत वापस भेजने की सुविधा के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। दूतावास ने यह भी कहा है कि वह शोक संतप्त परिवार को व्यापक सहायता प्रदान करेगा। दूतावास ने पोस्ट में कहा हम संतोष गोयल और संजय गोयल के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारा दूतावास इस दुखद समय में परिवार को हर संभव सहायता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए त्वरित और सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 03-03-2024 21:40 Page 1

नव निर्वाचित भाजपा महानगर अध्यक्ष का हुआ अभिनंदन समारोह

कार्यकर्ताओं ने 101 किलो की फूलों माला पहनाकर किया अभिनंदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रविवार को भाजपा जिला धनबाद ओबीसी महासभा द्वारा धनबाद भाजपा महानगर के नवचयनित अध्यक्ष श्रवण राय यादव का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन पुराना बाजार स्थित अग्रसेन भवन के सभागार में सुरेंद्र यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अभिनंदन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेंद्र यादव उपस्थित थे। नव चयनित भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय का स्वागत सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर गर्म जोशी से किया।साथ ही संयुक्त रूप से 101 किलो का माला पहनाकर उन्हें विशेष अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भारतीय ओबीसी एससी-एसटी के महासचिव गोपाल यादव ने श्रवण राय को माला पहनाकर व पुष्पगुच्छ देकर कहा की श्रवण राय के भाजपा महानगर अध्यक्ष बनने से भाजपा जिला ओबीसी महासभा में मजबूती आएगी।

संबोधित करते हुऐ नव निर्वाचित भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि भारत माता के इसके वैभव को शिखर पर पहुंचने में मैं सदैव अपने दायित्वों का निर्वहन करता रहूंगा। इस बार हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन चार सौ पार के लिए तन मन से कार्य करेंगे। मुख्य अतिथि योगेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि ओबीसी समाज की तरफ से नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष राय का स्वागत है।पार्टी से बने ओबीसी के परिवार से आने वाले श्रवण राय अपने दायित्वों पर खरा उतरेंगे और पार्टी की जिम्मेवारी को बखूबी निभाएंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन रंजीत कुमार बिल्लू एवं धन्यवाद ज्ञापन सुरेंद्र यादव ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगेंद्र यादव, गोपाल यादव, अंकेश राज, भृगूनाथ भगत, सुरेंद्र यादव, प्रदीप अग्रवाल, संजय कुमार, अमरजीत कुमार, बसंत यादव पंकज चौरसिया, धनंजय विद्यार्थी, कृष्णाजी भगत, राजेश, जितेंद्र कुमार साहू, धीरज शर्मा, महेश महतो, दिनेश भगत, विकास साव,विजय शर्मा, पुरुषोत्तम,पन्ना लाल सोनकर,गुड्डू यादव,सोनी सिंह महेंद्र गोप,प्रेम प्रकाश पासवान, जय हिंद भगत, सत्येंद्र मंडल, जीरखन सिंह, संजय कुशवाहा,विकास गुप्ता, रामचंद्र पंडित, सोमेन, मिंटू साव, नरेश कुमार,पवन साव,गणेश साव, कैलाश गुप्ता, अशोक गुप्ता ,रंजीत साव, अशोक पाल, जितेंद्र यादव बबलू, विनोद, अनिल शर्मा, जग्गा खटीक, धीरज शर्मा,अरुण कुमार साव,जयलाल महतो, रणजीत सिंह, इंद्र भूषण कुशवाहा, पिंकी देवी, गायत्री देवी, सावो देवी,सीमा देवी, कामदेव भुइयां,नन्हे गुप्ता एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पोषण सखियों की सेवा को अविलंब बहाल करे सरकार : डिम्पल चौबे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोविंदपुर। अपने सेवा बहाल की मांगों को लेकर पोषण सखियों ने गोविंदपुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष बैठक किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे उपस्थित रही। जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे ने कहा वर्तमान सरकार पोषण सखियों की सेवा को अभिलंब बहाल करें, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा भी कहा गया था की पोषण सखियों की सेवा को निश्चित रूप से बहाल किया जाएगा परंतु अब तक इस पर कोई ठोस पहल नहीं की गई। विधानसभा सत्र में भी लगातार से पोषण सखियों की सेवा बहाल हो को लेकर विधायक जनप्रतिनिधि इस समस्या को उठाते रहे हैं परंतु 4 वर्ष बीतने के बाद भी झारखंड की बहू बेटियों को न्याय अब तक नहीं मिल पाया है जिससे राज्य के पोषण सखियों के भीतर आक्रोश व्याप्त है यदि सरकार अभिलंब सेवा बहाल को लेकर निर्णय नहीं लेती है तो इस बार पोषण सखी बहने आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य होगी।बैठक में शाहीन परवीन, भवानी कुमारी, शहनाज बानो, आकांक्षा देवी, सलमा खातून, सन ज्योति देवी, पूर्णिमा कुमारी, कल्याणी टुडू,दर्शनी कुमारी, सुमित्रा देवी, इशरत जहां ,शाहिना खातून, गीता देवी, दर्शनी टुडू, चंदना कुमारी, सारोती सोरेन, शांति कुमारी, आशा देवी कौशल्या देवी, नजमा खातून, गीता देवी, लता कुमारी, पुस्पा रानी साहिना खातून साबर खातून सबीना खातून आदि सैकड़ो पोषण सखियां उपस्थित थी।

जमशेदजी टाटा की 185वीं जयंती पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 185 वी जयंती के उपलक्ष्य में जमशेदपुर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम टाटा स्टील मुख्य द्वार एवं पोस्टल पार्क ,बिस्टुपुर में आयोजित किया गया। जिसमें टाटा सांस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन, टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता सहीत कई गण मान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने टाटा जी के प्रतिमा में पुष्प चढ़ा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और 1 मिनट का मौन रखा।

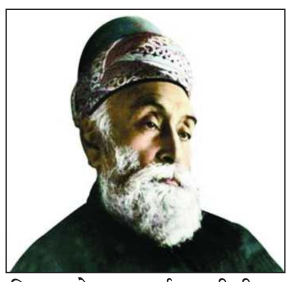

इस अवसर पर टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि आज बदलते परिवेश में तकनीक का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा हो रहा है। आज हमें स्टील उत्पादन के क्षेत्र में चीन से मुकाबला करना पड़ रहा है। इसलिए हमें अपने उद्योग के विकास के साथ नई तकनीकी का अधिक से अधिक प्रयोग करना है। उन्होंने कहा कि हम इस क्षेत्रमें आगे बढ़ रहे हैं।

वहीं टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि जमशेदपुर की गुणवत्तापूर्ण जीवन काफी लोगों को संतुष्टि प्रदान कर रहा है और हमें इससे और अच्छा करना है।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसा शहर को बनाना है कि आनेवाले 100 वर्ष बाद भी इसकी गुणवत्ता काफी अच्छी रहे। हमें पानी की बर्बादी को रोकना है। स्वच्छता को बनाए रखना है। तभी हमारा जीवन स्तर में सुधार रहेगा।

विदेशी महिला से दुष्कर्म मामले में झालसा ने स्वतः लिया संज्ञान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। दुमका के हंसडीहा में स्पेन की महिला के साथ दुष्कर्म की घटना पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) ने संज्ञान लेते हुए दुमका के जिला विधिक सेवा प्राधिकार से रिपोर्ट मांगी है। दुमका जिला विधिक सेवा प्राधिकार से रिपोर्ट मिल गई है। झालसा ने महिला और उसके पति को सभी कानूनी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। दोनों की सुरक्षा की झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष और हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद स्वमं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। कानूनी प्रावधानों के तहत पीड़ित को अधिकतम दस लाख तक का मुआवजा, बेहतर इलाज और सभी कानूनी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। दुमका के प्रधान जिला जज सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष ने इस संबंध में जो रिपोर्ट भेजी है, उसमें कहा गया है कि घटना के बाद तत्काल एक टीम का गठन किया गया। टीम सदर अस्पताल पहुंची और पीड़िता को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

टीम का तत्काल किया गया गठन

पीड़िता के पति से मुलाकात कर उनकी उचित देखभाल का भरोसा किया और इस मामले में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के बाद पीड़िता भावनात्मक रूप से टूट गई है लेकिन शारीरिक स्थिति स्थिर है। बाद में दोनों को सर्किट हाउस में लाया गया। यहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एफएसएल की विशेष टीम भी घटना स्थल से नमूना एकत्र की है।

आईटी सेल के संयोजक ने पीएम के संदेश एवं योजनाओं को पहुंचाया घर-घर तक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिन्दरी के एचयूआरएल प्लांट के उद्घाटन और धनबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधन के बाद, भाजपा कार्यकर्ता लाभार्थी सम्पर्क अभियान में लग गए। झारखण्ड प्रदेश भाजपा आईटी सेल के संयोजक अमर झा ने धनबाद ग्रामीण के ज़िला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर और कई कार्यकर्ताओं के साथ बलियापुर अंचल के घरबड़ पंचायत के सीमपाथर गाँव में लाभार्थियों के साथ घर घर जाकर सम्पर्क किया।

अभियान के कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने लाभार्थियों को मोदी का प्रणाम पहुँचाया, और एक पत्रक भेंट किया। मोदी के विभिन्न योजनाओं, जैसे कि शौचालय, गैस सिलिंडर, आवास, वैक्सीन, नल का जल, अनाज जैसी योजना के बारे में लाभार्थियों से जानकारी ली।

श्री झा ने कहा कि कई ग्रामीणों को अनेक योजनाओं का लाभ मिला है और वो मोदी को इसके लिए धन्यवाद और आशीर्वाद दे रहे हैं। कई युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ है, जिससे वो स्वरोजगार की ओर प्रेरित हुए हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने लाभार्थियों के घरों पर मोदी का स्टिकर भी चिपकाया, और 9638002024 पर मिस्ड कॉल देकर लाभार्थी को सरल पोर्टल पर जोड़ा गया। कई लाभार्थियों ने मोदी को धन्यवाद देने के लिए अपनी वीडियो भी रेकार्ड करवाई, और उसे मोदी तक पहुँचाने का आग्रह किया।

ज़िला अध्यक्ष ग्रोवर ने बताया कि लाभार्थी सम्पर्क अभियान 4 मार्च तक ज़िले के सभी कार्यकर्ता विभिन्न गाँवों में चलायेंगे।

अमर झा कल देर रात तक गॉव में लाभार्थियों से सम्पर्क करने के बाद बताया कि महिलाओं में मोदी के प्रति बहुत उत्साह है, और वो तीसरी बार मोदी सरकार एवं अबकी बार चार सौ पार के नारे लगाए। अभियान में अरविंद खत्री, मनोज मिश्रा, संजू महतो, सत्यवान महतो, कुणाल महतो, मन्टू रजक, लखन गोराई, धनंजय गोराई, राजेश प्रमाणिक, वृन्दावन करमकार, मिथुन महतो और बबलू ने भाग लिया।

96 घरों को आच्छादित किया सोलर पैनल से

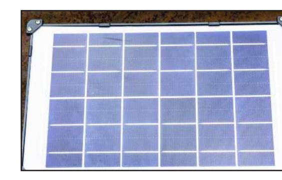

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। जिला अंतर्गत चैनपुर प्रखंड स्थित सोकराहातु गांव में सोलर पैनल की मरम्मति करते हुए 96 घरों को 24 किलो वॉट बिजली से सफलता पूर्वक अच्छादित किया गया । वहीं चैनपुर प्रखंड स्थित कारागनी टोला में भी पूर्व में लगाए गए सोलर पैनल की मर्रमती करते हुए 100 घरों को 25 किलो वॉट बिजली से सफलता पूर्वक अच्छादित किया गया है। जिला प्रशासन ने उक्त गांव को सात वर्ष पूर्व दिन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना से आच्छादित करते हुए सोलर पैनल की सुविधा से बिजली उपलब्ध कराई गई थी। मगर मेंटेंस के अभाव कुछ सालों से सोलर पैनल खराब हो गई थी जिसे देखते हुए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त पहल से उक्त गांव में लगे सोलर पैनल का पुनः मरम्मती करवाते हुए ग्रामीणों को बिजली की सुविधा से अच्छादित कर दिया गया है।

तीन साइबर ठगों को पुलिस ने दबोचा

साइबर डीएसपी मजरूल होदा ने प्रेस को दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। महाराष्ट्र व कर्नाटक के आठ लोगों से नौ लाख रुपये की ठगी कर चुके तीन साइबर ठगों को जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस ने दबोचा है। पुलिस की गिरफ्त में आए शातिर लोगों को बकाया बिजली बिल भुगतान ना करने पर कनेक्शन काटने और बैंक अधिकारी बनकर डेबिट कार्ड व डेबिट कार्ड केवाईसी अपडेट के नाम पर झांसे में लेते थे।

फिर इनकी बातों में आने वालों लोगों को ये शातिर अपनी ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपित करमाटांड़ थाना क्षेत्र के तेलकियारी का रहने वाला महेन्द्र यादव, सुनील यादव और इसी थाना क्षेत्र के मुरलीडीह का रहने वाला विशाल कुमार मंडल है।

इस बात की जानकारी साइबर डीएसपी मजरूल होदा रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। होदा ने बताया कि आरोपितों के पास से छापेमारी के दौरान 11 मोबाइल, 13 सिम कार्ड, एक आधार कार्ड और एक बाइक जब्त किया गया है। सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

साइबर डीएसपी ने बताया कि इन शातिरों ने महाराष्ट्र के अकील अब्बास, ऐजाजुद्दीन, अश्विनी पासी, पंकज रामनाथ, रूपाली, विजय दत्तात्रेय भावे, अजीज कातिब और कर्नाटक का उमंग कुमार इन शातिरों की ठगी के शिकार बने हैं। इन सबसे कुल नौ लाख रुपये की ठगी मिली है। साइबर डीएसपी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि सभी शातिर बंगाल से अवैध तरीके से लिए गए फर्जी सिम कार्ड के जरिए लोगों को कॉल कर उन्हें ठगी का शिकार बना रहे थे। इनके पास मिले मोबाइल भी किसी और के नाम से खरीदे गए हैं।

पुलिस की टैक्निकल सेल इन मोबाइलों की जांच कर रही है। ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि ये मोबाइल किसके नाम से खरीदे गए हैं और साइबर अपराध में उनकी भूमिका क्या है।

भाजपा उम्मीदवार का रामगढ़ में हुआ स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। हजारीबाग संसदीय सीट के लिए भाजपा के उम्मीदवार मनीष जायसवाल का आज रामगढ़ में हुआ स्वागत, इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस रफ्तार से भारत आगे बढ़ेगा उसी रफ्तार से हमारा हजारीबाग लोकसभा भी बढ़े यह मेरा प्रयास होगा। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस कड़ी में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए मनीष जायसवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। आज रांची से हजारीबाग जाने के क्रम में मनीष जायसवाल का रामगढ़ में भाजपा कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया, इस क्रम में शहर के बच्चे बूढ़े सहित आम लोग भी उनके स्वागत में आतुर दिखे। हजारीबाग लोकसभा सीट से भाजपा के 2024 चुनाव के उम्मीदवार मनीष जायसवाल ने बताया कि पहले आभार केंद्र और राज्य का नेतृत्व को जिन्होंने मुझ में आस्था व्यक्त किया है और मैं कार्यकर्ताओं को संदेश देना चाहेंगे कि भारतीय जनता पार्टी एक बहुत बड़ा समुंदर है और हमसे यह लोग सीख सकते हैं कि नगर निगम से हम शुरू किए थे और आज यहां तक पहुंचे हैं, अगर लगन और तन्मयता से पार्टी की सेवा करते रहिएगा तो आपके साथ कुछ भी हो सकता है आप कहीं भी पहुंच सकते हैं यह सब के दिल में होना चाहिए, जीत मेरी नहीं होगी जीत दिलाने और लेने का काम दोनों ही कार्यकर्ता का है और उनका उत्साह आप देख सकते हैं, जो विकास चल रहा है विकसित भारत का संकल्प नरेंद्र मोदी ने लिया है हम भारत को विकसित करेंगे, जिस रफ्तार से भारत आगे बढ़ेगा उसी रफ्तार से हमारा हजारीबाग लोकसभा भी बढ़े यह मेरा प्रयास होगा, विकास, विस्थापन, रेल परियोजना, एयरपोर्ट बने और बाईपास सड़क बने इन सब चीजों पर हम फोकस करेंगे।

ईडी के रडार पर 12 महिलाएं

हजारीबाग। ईडी ने जिले के टाटीझरिया प्रखंड के झरपो गांव की 12 महिलाओं को समन भेजा है। इन महिलाओं के बैंक खातों में विदेश से 3.90 करोड़ रुपये का लेनदेन होने का आरोप है। उधर, महिलाओं का कहना है कि उन्हें इस लेनदेन की कोई जानकारी ही नहीं है। महिलाओं के अनुसार, दो फरवरी को कुल 12 महिलाओं को ईडी ने 113 पन्नों का नोटिस भेजा है। जब कई बैंकों के कर्मचारी इन महिलाओं के पास पूछताछ करने के लिए पहुंचे तो इनके पसीने छूट गए। इसके बाद महिलाओं ने टाटीझरिया थाने पहुंचकर अपनी पीड़ा साझा की है। महिलाओं का कहना है कि गुड़िया देवी नामक एक महिला ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। टाटीझरिया थाने में सुनीता देवी ने लिखित आवेदन दिया है। उनके बैंक खाते से छह लाख रुपये की निकासी होने की बात कही गई है। जबकि उन्हें इसकी कोई जानकारी ही नहीं है। सुनीता देवी ने थाने को दिए गए आवेदन में लिखा कि भराजो गांव निवासी गुड़िया देवी पति अरुण प्रसाद ने कई प्रकार का प्रलोभन देकर हजारीबाग में कुल 21 महिलाओं का बैंक खाता खुलवाया था।

कार्यकर्ताओं ने किया नव मनोनीत जिला संयोजक का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। नव मनोनित भाजपा विस्थापित प्रकोष्ठ बोकारो जिला संयोजक का दायित्व राम नरेश प्रसाद को दिया गया।उनके सम्मान में भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं के द्वारा यह आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता योगेंद्र कुमार चौधरी ने किया संचालन शिवानंद ने किया। व धन्यवाद ज्ञापन मनीष कुमार पांडेय ने किया ।मुख्य अतिथि के रूप में कुमार अमित प्रदेश कार्य समिति सदस्य, ए के वर्मा,सांसद प्रतिनिधि,योगेंद्र कुमार, रामसुमेर सिंह, नीरज कुमार नागेंद्र पूरी। अतिथियों ने कहा अभी चुनावी वर्ष में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। पार्टी के कार्यों जन जन तक गांव में लेकर जाए।हमारे जनप्रतिनिधियों के द्वारा विस्थापित क्षेत्र में अनेकों कार्य हुए है।आपके नेतृत्व में संगठन का कार्य अच्छे ढंग से होगा। इस सम्मान कार्यक्रम में सामिल प्रमुख लोगों में कुलदीप सुजीत लालबाबू रजेश रितेश वर्मा नरेश राम मधुसुदन गौरंग राजू मलाकर अनमोल रवि शिवानंद जयंत दा विजय विजय अमित गिरी नागेंद्र पुरी मोनु निरज मनीष पाण्डेय गगन नरेश प्रसाद बलराम गणेश रितेश तिवारी प्रशांत राम, लक्की, रुद्र, रोहन,बाबू अंसारी, अजीत, मिठू सहित कई लोग मौजूद रहे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद का शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न

▸ अलग-अलग रंगों के थे बैलेट पेपर ▸ मतदान केंद्र के बाहर दिनभर रही गहमागहमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के क्रम में बोकारो में मिथिलांचलवासियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद का निर्वाचन रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। परिषद की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर मैथिलों ने जिस उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया, वह एक प्रकार से लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास दिखा। नगर के सेक्टर- 4ई में परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में मतदान के लिए दिनभर मतदाताओं की भीड़ उमड़ी रही। विद्यालय के सभागार में दो बूथ बनाए गए थे, जिसमें कुल 781 वोटरों ने परिषद के महासचिव तथा वित्त सचिव पद पर प्रत्याशी के चयन हेतु अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिला प्रशासन की ओर से प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी धनंजय कुमार गिरि, सहायक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अवर प्रमंडल, चास (बोकारो) तथा पुलिस बल की मौजूदगी के बीच मतदान सुबह 9.00 बजे शुरू हो गया। शुरूआत में तो इक्के-दुक्के वोटर आए, लेकिन लगभग 10.30 बजे के बाद वोटरों की तादाद बढ़ने लगी और देखते ही देखते उनकी लंबी कतार लग गई। मतदाता आधार कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड आदि पहचान-पत्र लेकर आए तथा अपने पसंदीदा प्रत्याशी के समर्थन में मताधिकार का प्रयोग किया।

निर्वाचन के लिए दो अलग-अलग रंगों (नीला व पीला) के बैलेट पेपर तथा दो बैलेट बॉक्स रखे गए थे। वोटरों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में मुहर लगाई और बक्से में अपना मतपत्र गिराया। संध्या 5.00 बजे पूर्व निर्धारित समयानुसार मतदान का समय समाप्त हो गया और उसके बाद मतगणना का सिलसिला शुरू हुआ, जो देरशाम तक चलता रहा।

पीठासीन पदाधिकारी विजय कुमार झा (संयोजक), अनिमेष कुमार झा, डॉ. दुगार्नंद मिश्र, प्रो. जयराम झा, समरेंद्र झा व प्रमोद कुमार झा तथा पर्यवेक्षक डॉ. निकेत चौधरी ने प्रत्याशियों द्वारा उनकी ओर से रखे गए मतदान अभिकताओं की उपस्थिति में विधिवत सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराया। वोट डालने वाले मतदाताओं की उंगलियों पर गहरे इंक का निशान भी लगाया गया, जिसने लोकसभा और विधानसभा चुनाव की यादें ताजा कर दीं। मतदाताओं का उत्साह ऐसा था कि शारीरिक रूप से लाचार कई वोटर भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के बाहर सुबह से गहमागहमी शुरू हो गई। मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के मोड़ से लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सामने तक वाहनों की लंबी कतार लगी रही। वहां दो पंडाल बनाए गए थे, जिनमें प्रत्याशियों के साथ-साथ उनके समर्थक दिनभर जम रहे। हर आते-जाते लोग यह चुनावी मेला देख सहसा ठहर-सा जा रहे थे। अंदर मतदान केंद्र से होने वाली अनाउंसिंग को लेकर उम्मीदवार और उनके समर्थक काफी चौकन्ना दिखे। काउंटिंग पूरी होने तक प्रत्याशी और उनके समर्थक अपनी-अपनी जीत के दावे करते दिखे और मतदान की समीक्षा का दौर देर तक चलता रहा।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के निर्वाचन में महासचिव तथा वित्त सचिव पद के लिए कुल छह उम्मीदवार चुनावी मैदान में खड़े थे। महासचिव के लिए अमरेंद्र कुमार झा, कृष्ण चंद्र झा तथा नीरज चौधरी, जबकि वित्त सचिव पद के लिए गंगेश कुमार पाठक, मिहिर मोहन ठाकुर और विनय कुमार झा उम्मीदवार के रूप में खड़े थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद संध्या 5.00 बजे से देर शाम तक मतपत्रों की गिनती चली। इसमें नीरज चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कृष्ण चन्द्र झा को 274 मतों के अंतर से परास्त किया। श्री चौधरी को कुल 518 तथा श्री झा को 244 मत मिले। जबकि, अमरेन्द्र कुमार झा को सिर्फ तीन वोट मिले। इसी प्रकार, वित्त सचिव पद पर मिहिर मोहन ठाकुर ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंदी विनय कुमार झा को 298 मतों के भारी अंतर से हराया। मिहिर को कुल 510 और विनय को 212 वोट मिले। जबकि, इस पद के एक अन्य उम्मीदवार गंगेश कुमार पाठक ने 46 मत प्राप्त किया। विजयी रहे उम्मीदवारों को पीठासीन पदाधिकारियों, पर्यवेक्षक तथा मजिस्ट्रेट ने निर्वाचन प्रमाण-पत्र सौंपते हुए जीत की शुभकामनाएं दीं।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के चुनाव में महासचिव पद पर विजयी रहे नीरज चौधरी ने कहा कि मिथिलांचलवासियों को एकसूत्र में बांधकर रखना तथा समाज का सांस्कृतिक, पारंपरिक, शैक्षणिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी। परिषद और मिथिला एकेडमी को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाना, आपसी भेदभाव दूर करते हुए समाज को वृहतर बनाना, परिषद प्रांगण में महाकवि विद्यापति का स्मारक-निर्माण आदि की दिशा में भी उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जीत के बाद उनके समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लादकर तथा अबीर-गुलाल लगाकर उनका भव्य अभिनंदन किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com